# इन्द्रगुंजन

2018-19

*Harvest the rains* *Reap the gains*

## आई.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पानीपत

# OUR INSPIRATION
# OUR PILLARS OF STRENGTH

**Sh. Ashok Nagpal**
Vice-President

**Sh. Sameer Dhingra**
General Secretary

**Sh. Dharamveer Batra**
President

**Sh. Yudhishter Miglani**
Treasurer

**Dr. Ajay Garg**
Principal

हरियाणा राजभवन,
चण्डीगढ़ -160019
HARYANA RAJ BHAVAN,
CHANDIGARH – 160019

# संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि आई० बी० कॉलेज, पानीपत अपनी "इन्द्रगुंजन" नामक पत्रिका का संस्करण प्रकाशित कर रहा है।

यह कॉलेज उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो क्षेत्र के युवाओं की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। इस महाविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद उल्लेखनीय प्रगति की है। महाविद्यालय द्वारा पत्रिका प्रकाशित करने से छात्र-छात्राओं को अपने लेखन, सम्पादन व रचनात्मक कौशल में पारंगत होने के साथ-साथ अपने विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर मिलेगा। पत्रिका का प्रकाशन विद्यार्थियों में बौद्धिक स्तर व नैतिक मूल्यों को विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

आई० बी० कॉलेज द्वारा "इन्द्रगुंजन" पत्रिका प्रकाशित करने पर मैं कॉलेज परिवार को शुभकामनाएं प्रदान करता हूँ और आशा करता हूँ कि यह कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रगति करेगा।

(सत्येदव नारायण आर्य )

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़
CHIEF MINISTER, HARYANA
CHANDIGARH

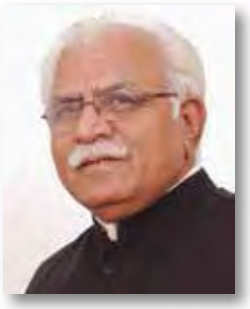

# Message

It gives me immense pleasure to know that I. B. Post Graduate College, Panipat is bringing out next issue of its magazine "Indergunjan".

The publication of such journals not only highlights the activities and achievements of educational institutions, but also provides an opportunity to young inquisitive minds to give vent to their curiosity and thoughts so as to share their views with others.

I wish the publication all success and a bright future to the students.

(Manohar Lal)

Dr. KAILASH CHANDRA SHARMA
VICE-CHANCELLOR

Kurukshetra University
Kurukshetra -136 119 (INDIA)
(Established by the State Legislature Act XII of 1956)
(A+ Grade, NAAC Accredited)

# Message

I am glad to know that I.B. Post Graduate College, Panipat is going to bring out its college Magazine 'Indergunjan' shortly.

I am sure that the current issue of the magazine 'Indergunjan' will succeed in its mission of providing a forum to the students to give vent to their creative urge. The young budding writers will surely utilize this forum to do seminal write-ups on themes of their choice and thus enrich the pages of the magazine with pleasurable reading. Besides, the magazine would also serve as a repository of the distinctive achievements of the faculty and students in curricular and the extra-curricular fields.

My good wishes to the students, teachers and editorial board for the success of this magazine

**(Kailash Chandra Sharma)**

**श्रीमती रोहिता रेवड़ी**
विधायिका
पानीपत (शहरी)

# संदेश

मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे **आई.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय पानीपत** द्वारा **'इन्द्रगुंजन'** पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। शिक्षा छात्रों का विवेक जागृत करके उन्हें एक अनुशासित व सफल नागरिक बनाती है और छात्रों की प्रतिभा को और निखारने के लिए स्कूलों व कॉलेजों के कार्यक्रम भी सहायक सिद्ध होते हैं।

**आई.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय** के छात्रों ने उच्च शिक्षा ग्रहण करके अपने महाविद्यालय व देश का नाम रोशन किया है। आशा करती हूँ कि भविष्य में भी छात्रों के भविष्य को और उज्ज्वल व प्रेरणादायी बनाने के लिए शिक्षक अपना अहम् योगदान देंगे। क्योंकि यदि छात्र कभी ऊँचाईयों की सीढ़ी चढ़ता है तो उसमें सबसे बड़ा योगदान एक शिक्षक का होता है।

मैं महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों व प्रबंधकगणों के उज्ज्वल भविष्य व स्वस्थ जीवन की कामना करती हूँ व मैं **'इन्द्रगुंजन'** पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभकामनाएं देती हूँ।

(रोहिता रेवड़ी)

**श्रीयुत् महीपाल ढांडा**
विधायक
पानीपत (ग्रामीण)

# संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि आई.बी. महाविद्यालय, पानीपत अपनी वार्षिक पत्रिका 'इन्द्रगुंजन' का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में रचनात्मक विकास के लिए यह प्रयास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका नए युवा लेखकों को एक मंच प्रदान कर उन्हें तराशने का कार्य करेगी।

महाविद्यालय की पत्रिका संस्थान की गतिविधियों का दर्पण होती है। 'इन्द्रगुंजन' को मैं एक सकारात्मक प्रयास के रूप में देखता हूँ व इसके सफल प्रकाशन व विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

**(महीपाल ढांडा)**

**धर्मवीर बतरा**
प्रधान
आई.बी.कॉलेज प्रबंध समिति, पानीपत

# संदेश

आई.बी. कॉलेज पानीपत न केवल हरियाणा अपितु सम्पूर्ण पश्चिमोत्तर भारत में शिक्षा के क्षेत्र में सुप्रसिद्ध है । 62 वर्ष पूर्व संस्थापित यह महाविद्यालय विद्या के क्षेत्र में आज अपना वर्चस्व बनाए हुए है । इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकगत ज्ञान–विज्ञान प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें मानव से देवत्व की ओर कदम बढ़ाने के संस्कार भी दिए जाते हैं। यहाँ के विद्यार्थी समाज के विविध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जाकर इस महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में अपना अमूल्य योगदान देते हैं।

प्रति वर्ष प्रकाशित होने वाली महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'इन्द्रगुंजन' अपने नाम को स्वयं सार्थक करती है। यह पत्रिका न केवल इस कॉलेज के प्रतिष्ठाता एवं दानदाता श्रीमान् इंद्रभान जी का स्मरण कराती है, अपितु भगवान इंद्र के समान गतिशील बने रहने की प्रेरणा भी विद्यार्थियों को प्रदान करती है।

महाविद्यालय के प्रबुद्ध विद्यार्थियों की प्रखर लेखनी से प्रसूत लेख, रचनाएं व संस्मरण, महाविद्यालय की सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं क्रीड़ा जगत् की गतिविधियों व छात्रों के अपने अविस्मरणीय क्षणों को भी प्रकट करते हैं।

मैं 'इन्द्रगुंजन' की प्रकाशन बेला के पावन अवसर पर आई.बी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय गर्ग, समस्त शिक्षक व कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए संपादक मंडल का आभार व्यक्त करता हूँ।

मुझे पूर्ण विशवास है कि यह महाविद्यालय अपने प्राचार्य एवं शिक्षकों की दूरदृष्टि एवं प्रखर पुरुषार्थ के साथ भविष्य में भी इस तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा।

**धर्मवीर बतरा**

**अशोक नागपाल**
**उप-प्रधान**
आई.बी.कॉलेज प्रबंध समिति, पानीपत

# संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय के सत्र 2018-19 की पत्रिका 'इंजनगुंजन' का प्रकाशन हो रहा है। मुझे समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों में महाविद्यालय आने का सुअवसर प्राप्त होता है और यह देख कर अच्छा लगता है कि प्राचार्य डॉ॰अजय गर्ग एवं प्राध्यापकों के कुशल नेतृत्व में हमारे विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास हो रहा है। सभी प्रकार के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कार्यों में हमारे प्राध्यापक और कर्मचारी पूरी तन्मयता से सहयोग देते हैं। उनकी मेहनत और लगन का प्रतिफल है कि 'इंद्रगुंजन' पत्रिका का प्रतिवर्ष सफलतापूर्वक प्रकाशन होता है।

शिक्षा का उद्देश्य एक स्वस्थ मानव का निर्माण करना है। अतः अध्यापक का कर्तव्य यह है कि निहित पाठ्यक्रम के साथ-साथ नैतिक शिक्षा देकर गुरु बने, अध्यापक नहीं। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। संसार में व्याप्त पीड़ा, अवसाद, दु:खवाद, भोगवृत्ति, निराशा व कुंठा के कारण सभी मानव दुखी व निराश-हताश से दिखलाई पड़ते हैं। धनोपार्जन तो जैसे हमारे जीवन का लक्ष्य ही बन गया है। माता-पिता बच्चों की जरूरतें नहीं, इच्छाएं पूर्ण करने में लगे हुए हैं। इसी कारण हम उनको प्राप्त वस्तु का महत्व नहीं सिखा पाते और वे उस वस्तु का मूल्यांकन कीमत से करते हैं। भोग विलास की प्रवृत्ति विद्यार्थियों में बढ़ती जा रही है, जिस पर अध्यापक ही अपनी शिक्षा पद्धति से अंकुश लगा सकता है।

'इंद्रगुंजन' पत्रिका का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मज़बूत करके उनका सर्वांगीण विकास करना है ताकि सुखात्मक और दुखात्मक दोनों ही अनुभूतियों को वे सहज भाव से ले सकें। सुख में इतने उन्मादी न बनें कि किसी की भावनाओं को ही आहत कर दें और दु:ख में इतने कमजोर भी न हों कि पलायन का रास्ता अपना लें। देश प्रेम की भावना, जोश, उत्साह, और राष्ट्रवाद की भावना उनके जीवन का लक्ष्य होना चाहिए क्योंकि इससे देश मजबूत होगा और अर्थव्यवस्था संपन्न होगी। नवजागरण के प्रेरणा स्रोत भारतेंदु जी ने अपनी पीड़ा इस प्रकार से व्यक्त की है :

**अंग्रेज राज सुख साज सजै सब भारी**
**पै धन विदेश चलि जात यहै अति रखवारी**

माना कि, अंग्रेज नहीं हैं आज, फिर भी विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण में कोई कमी नहीं आई। इस सोच से, ऐसी प्रवृत्ति से, देश की अर्थव्यवस्था कमजोर होती है। देश कमजोर होता है। अंततः मेरा संदेश विद्यार्थियों को यह है कि वे स्वामी विवेकानंद के सुविचारों को जीवन में आत्मसात करके जीवन जीना सीखें। चिंतन करें चिंता नहीं। एक समय में एक कार्य करें और ऐसा करते समय अपनी पूरी तन्मयता/आत्मा उसमें डाल दें और बाकी सब कुछ भूल जाएं। इस तरह सच्ची आत्मा व पवित्र मन से किया गया कार्य सफल होता है।

**अशोक नागपाल**

# From the Pen of the Principal

It is a matter of great pleasure that the latest issue of our college magazine is in your hands. It will not only showcase the activities and achievements of the college during the previous session but also bring to light the literary acumen and the depth of knowledge of the contributors of the write-ups.

On this occasion I would like to share my views on the ways to develop yourself to be successful after the completion of your courses. Although your main focus must always be on studies, yet the importance of extra-curricular activities and communication skills cannot be underestimated. These days your being versatile or an all-rounder can help you a lot. So, besides excelling in studies you should whole-heartedly participate in the activities of N.C.C., N.S.S., Sports, Debate, Quiz Contests and Cultural Programmes etc. to develop a dynamic personality.

Fix a lofty goal for yourself and pursue it with single-minded devotion. There may be temptations all around to detract your focus but you must stick to the sprit of the following lines of the great American poet, Robert Frost:

The woods are lovely, dark and deep,
But I have promises to keep,
And miles to go before I sleep,
And miles to go before I sleep.

If your endeavours are genuine and sincere, you will definitely achieve your goals as exhorted by Paulo Coelho:

*"When you want something; all the universe conspires in helping you to achieve it."*

Always remember that God helps those who help themselves. In the end I wish you all the best. May your cherished dreams come true!

**Dr. Ajay Kumar**
*Principal*

# Faculty of the College

| | |
|---|---|
| First Row (sitting): | Dr. Nidhi, Dr. Seema, Dr. Sharmela Yadav, Dr. Poonam, Dr. Arpana Garg, Prof. Kanak Sharma, Prof. Sonia, Prof. Neelam, Dr. Shashi Prabha, Dr. Sunita Rani |
| Second Row (sitting): | Dr. Kiran, Dr. Vinay Wadhwa, Dr. Rameshwar Dass, Dr. Mohd. Ishaq, Prof. P.K. Narula, Dr. Ajay Kumar (Principal), Dr. Madhu Sharma (Vice-Principal), Dr. Sunit Sharma, Dr. Anita Bajaj, Prof. Madhvi |
| Third Row (standing): | Dr. Nidhan Singh, Dr. Gurnam Singh, Prof. Ajay Pal Singh, Prof. Atul Kumar Ahuja, Prof. Pawan Kumar, Dr. Vikram Kumar, Dr. Jogesh, Lt. Rajesh Kumar |

# Non-Teaching Staff of the College

Sh. Romi, Sh. Ram Parsad, Sh. Ram Mehar, Dr. Madhu Sharma (Vice–Principal), Dr. Ajay Kumar (Principal), Sh. Prem Bajaj, Sh. Indu Bhushan Bhatt, Smt. Bimla Devi, Sh. Madan Kumar

# The Editorial Board of the Magazine

First Row (sitting): Dr. Jogesh (Hindi Section), Prof. Pawan Kumar (Science Section), Dr. Vinay Wadhwa (Chief Editor), Dr. Madhu Sharma (Vice-Principal), Dr. Ajay Kumar (Principal), Prof. Neelam (News Section), Dr. Nidhi (English Section), Prof. Madhvi (Commerce Section), Prof. Sonia Verma (Sanskrit Section)

Second Row (standing): Reena Malik (Student Editor, Hindi Section), Vijay (Student Editor, Science Section), Nidhi Rawal (Student Editor, English Section), Vandita Tanwar (Student Editor, Sanskrit Section), Tanya (Student Editor, Commerce Section)

# Editorial

*Dear Students*

Once there was an engine driver. He was such a man who used to look for rainbows when it rained, for stars when it was dark. As a result, he had a large circle of friends and admirers. Unfortunately, once his train met with an accident. He was badly injured and one of his feet had to be amputated. When his friends heard of this mishap, they called on him in the hospital. They had presumed that he would be depressed and gloomy. But to their astonishment, they found him cheerful and hopeful as ever. They couldn't control themselves for long and asked him, "What good will come out of this accident in which you have lost one of your feet?" The engine driver replied, "Now I will have to polish only one of my shoes".

Such incorrigible optimists are rare but they teach us that every cloud has a silver lining. They don't lose courage even in the worst of circumstances and finally achieve their goals and become the torch bearers of humanity. It is they who make all the great discoveries and inventions. They are the real benefactors of the human race. However, nowadays the world is too full of cynics, naysayers and pessimists who paint a gloomy picture of the present and the future.

There is a marked difference between the attitudes of a pessimist and optimist as defined by Sir Winston Churchill, "A pessimist sees difficulty in every opportunity and an optimist sees the opportunity in every difficulty". A pessimist sees a dark tunnel and an optimist sees light at the end of the tunnel. In fact, pessimism and optimism influence our achievements and success rate to a great extent. The former leads to weakness and the latter to power.

Therefore, it is wise and prudent to have an optimistic approach towards challenges and difficulties of life. It is the age of tough competition and securing a good position in life requires a lot of hard work, determination and devotion. In such a situation optimistic attitude will come to your help. It will multiply your strength and help you to achieve your goals.

Finally, always remember what Noam Chomsky said in this connection, "Optimism is a strategy for making a better future. Because unless you believe that the future can be better, it is unlikely you will step up and take responsibility for making it so."

**Dr Vinay Wadhwa**
Associate Professor
Dept. of English
(Chief Editor)

# इन्द्रगुंजन

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Hindi Section | 1-28 |
| 2. | English Section | 1-36 |
| 3. | Sanskrit Section | 1-12 |
| 4. | Science Section | 1-36 |
| 5. | Commerce Section | 1-18 |
| 6. | News Section | 1-28 |


आई.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पानीपत

# इन्द्रगुंजन

## सम्पादक मण्डल


**डॉ. अजय कुमार**
(प्राचार्य)

**डॉ. विनय वधवा**
(मुख्य-सम्पादक)

**डॉ. जोगेश बांगड़ (हिन्दी)**

**डॉ. निधि (अंग्रेजी)**

**श्रीमती सोनिया वर्मा (संस्कृत)**

**प्रो. पवन कुमार (विज्ञान)**

**सुश्री माधवी (वाणिज्य)**

**प्रो. नीलम (समाचार दर्शन)**


## छात्र-सम्पादक


**रीना रानी (हिन्दी)**

**निधि रावल (अंग्रेजी)**

**वन्दिता तंवर (संस्कृत)**

**विजय (विज्ञान)**

**तान्या (वाणिज्य)**

# हिन्दी विभाग

*लिखते तो वे लोग हैं, जिनके अंदर कुछ दर्द है, अनुराग है, लगन है, विचार है।*
*जिन्होंने धन और भोग विलास को जीवन का लक्ष्य बना लिया, वो क्या लिखेंगे?*

– मुंशी प्रेमचन्द

**सम्पादक**

**डॉ. जोगेश बांगड़**

**छात्र–सम्पादिका**

**रीना रानी**

## विषय सूची


1. साहित्य समाज का दर्पण : जीना एक कला है 2
2. इंसानियत 4
3. आतंकवादः अमानवीय कृत्य 4
4. व्यवहार में दृढ़ता कैसे लायें? 5
5. पिता 6
6. बेरोजगारी 6
7. बेटी हूँ मैं बेटी, तारा बनूंगी 6
8. भ्रष्टाचार 7
9. माँ बाप को भूलना नहीं 7
10. नारी की पीड़ा 7
11. मानवता 8
12. बेटियाँ 8
13. पृथ्वी बचाओ 8
14. दोस्ती 9
15. हिंदी बैठकें 9
16. बेटी की पुकार 9
17. वक्त नहीं 10
18. शिक्षक 10
19. स्वर्ग की मिट्टी 10
20. कैसे भूल पाएंगे 11
21. ऐ री माँ तू मन्नै पढ़ा दे... 11
22. नारी की महानता 12
23. नारी सशक्तिकरण 12
24. माँ की ममता 13
25. बुद्ध के अमृत वचन 13
26. इंसानियत 14
27. बेटी बचाओ 14
28. हुंह! ये बड़े 14
29. मेरी माँ 15
30. लक्ष्य 15
31. विचार 15
32. विदाई पार्टी 16
33. मुस्कान 16
34. मेरी मंजिलों की चाहत 16
35. भगत सिंह के लिए छोटी सी कहानी 17
36. बोलती है मोमबत्ती 17
37. पिता 17
38. बेटियां 17
39. फर्ज़ 18
40. मेरी माँ 18
41. भ्रष्टाचार 18
42. आनंद प्राप्तिः आज मनुष्य का लक्ष्य 19
43. विश्व शांति एवं महात्मा गांधी 20
44. दोस्ती 22
45. दोस्त अब थकने लगे हैं 22
46. बेरोजगारी 23
47. हमारी राष्ट्र भाषा हिन्दी 23
48. अमृत की बूंदे 24
49. हमारे देश में 24
50. चाणक्य ने कहा था 24
51. मातृभाषा 25
52. भोलापन 25
53. गरीबी 25
54. अनमोल वचन 26
55. समय का सदुपयोग 26
56. पहेलियाँ 27
57. लक्ष्य 28

# सम्पादकीय

## साहित्य समाज का दर्पण
## जीना एक कला है

***स्याही की भी मंजिल का अंदाज देखिए,***
***खुद-ब-खुद बिखरती है तो दाग बनाती है,***
***जब कोई बिखेरता है तो अल्फाज़ बनाती है।***

प्रिय विद्यार्थियों,

एक बीज की मानिंद विद्यार्थियों को भी विकसित होने के लिए संभावनाओं की जमीं और अवसरों का आकाश चाहिए। मनुष्य के लिये मात्र जीना ही काफी नहीं, बल्कि उसमें मानवता के अच्छे संस्कार होने चाहिए। हमारा महाविद्यालय विगत कई वर्षों से अपनी वार्षिक पत्रिका 'इंद्रगुंजन' के माध्यम से विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार सींच रहा है। लेखन कार्य लेखक की मानसिक सृष्टि है, यह सृष्टि बहुत ही अद्‌भुत व आलौकिक होती है– नियति के सम्पूर्ण नियमों से सर्वथा स्वतन्त्र व उन्मुक्त। लेखन कार्य साहित्य की दोनों विधाओं गद्य व पद्य में अत्यंत लोकप्रिय होता आया है। भाषा व समाज के साथ-साथ साहित्य ने जन्म लिया। कलम से लिखे गये साहित्य का समाज पर प्रभाव निम्न पंक्तियों से दृष्टिगोचर होता है–

***कलम देश की बड़ी शक्ति है भाव जगाने वाली***
***दिल ही नहीं दिमागों में भी आग लगाने वाली।***

साहित्य में जो रचा जाता है वो हमारे जीवन जीने की कला पर निर्भर करता है, जीने की कला संस्कारों और वातावरण पर निर्भर करती है। माता-पिता समाज और गुरुओं का आदर्श होना भी जीने की कला में सहयोग देता है। 'सादा जीवन उच्च विचार' श्रेष्ठ जीवन जीने की उक्ति है। जीवन में सभी उतार-चढ़ाव देखते हैं, कुछ लोग एक झटके में टूट जाते हैं कुछ लोग जीवन की एक उड़ान से उद्देश्य की राह पकड़ जाते हैं। उदाहरण स्वरूप अब्राहम लिंकन में जीवन जीने का अलग दृष्टिकोण था। वे अत्यंत परिश्रमशील, सत्यवादी, व्यावहारिक और कुछ कर डालने की उत्सुकता लिए थे तभी तो झोपड़ी से व्हाइट हाउस तक पहुंचे।

जीवन में उन्नति के लिए मनुष्य तैयार रहे, किन्तु वास्तविक सफलता प्राप्त करने के लिए उसका हर कदम ईमानदारी का होना चाहिए। साहित्य में सभी का कल्याण करने का सामर्थ्य होता है। साहित्य की शीतल स्त्रोतस्विनी में अवगाहन करने से रजस व तमस् से विमुक्ति मिलती है, भौतिक कष्टों से छुटकारा मिलता है, मन का मैल कटता है, लौकिक राग-द्वेष से अवकाश मिलता है, अखंड आनन्द की प्राप्ति होती है क्योंकि साहित्य संकल्पनात्मक अनुभूतियों के संचित भण्डार को भरता है। इसीलिए सभी जनों को अन्य बातें छोड़कर साहित्योपवन में विचरण करने के लिए 'इन्द्रगुंजन' का नवीनतम अंक प्रस्तुत है।

यह नया अंक आप सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, ऐसी मेरी कामना है। प्रतिबद्ध सम्पादक मण्डल के अथक प्रयासों से इस प्रयोजनमूलक सामग्री के प्रकाशन पर ढेर सारी बधाई। प्रस्तुत अंक में जिन युवा लेखकों का सहयोग मिला वे सभी आभार के पात्र हैं। जिन विद्यार्थियों के लेखन कार्य को इन्द्रगुंजन में स्थान प्राप्त नहीं हुआ वे निराश ना हों, भविष्य में अपनी रचनाधर्मिता की तरफ अग्रसर रहें।

छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय परिवार आशा करता है कि वे पढ़-लिखकर उन्नति के पथ पर आगे बढ़ेंगे व भौतिक, वैज्ञानिक प्रगति के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत का निर्वाह करेंगे। इसी शुभकामना सहित सभी का धन्यवाद।

संकल्प, साहस और सर्वविजय हेतु आपको शुभकामनाएं।

***बाजुओं को जीतने का विश्वास तो दो,***
***फूलों को खिलने का अवकाश तो दो,***
***मंजिल का मिलना मुश्किल नहीं,***
***पाँवों को चलने का एहसास तो दो।***

**डॉ. जोगेश बांगड़**
सहायक-प्रवक्ता (हिन्दी विभाग)

# इंसानियत

शाम के समय सुमित्रा घर के कामकाज में व्यस्त थी तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। उसने बाहर आकर देखा तो दरवाजे पर एक अधेड़ उम्र का चितकबरी दाढ़ी वाला सफेद कुर्ते पजामे में व्यक्ति खड़ा था। जैसे ही वह द्वार पर पहुंची उस अजनबी ने तपाक से पूछा, "क्या यह अस्मित का घर है?"

सुमित्रा ने जवाब दिया "हाँ! क्या बात है?" अजनबी ने तत्परता से कहा, "अस्मित को जल्दी बुलाओ।"

यह सुनते ही सुमित्रा घबरा गई। उसका बेटा तो एक घंटा पहले ट्यूशन चला गया था। उसके दिमाग में असंख्य प्रश्न छा गए। अपनी घबराहट को छिपाते हुए उसने पूछा "आप उसे क्यों मिलना चाहते हो? वह घर पर नहीं है।"

अजनबी बोला "उसे फोन पर बुला लो। मुझे उससे ही मिलना है, उसके आने पर ही मैं बात बताऊंगा।"

अब तो सुमित्रा के पैरों तले की ज़मीन खिसक गई। उसकी हालत और भी बदतर हो गई जब बार-बार मिलाने पर भी अस्मित का फोन नहीं मिला।

अपने अशांत मन को काबू करते हुए उसने उस अनजान व्यक्ति से कहा, "सब ठीक तो है। मेरे बेटे का फोन भी नहीं लग रहा है।" थोड़ा विवेक से काम लेते हुए उसने पूछा, "आपको घर का पता किसने दिया?"

सुमित्रा की हालत पर शायद अजनबी को तरस आ गया। अब की बार उसके आग्रह करने पर उस अनजान शख्स ने उत्तर दिया, "मुझे अस्मित का बटुआ मिला है जिसमें 2500 रूपये, मेट्रो कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस इत्यादि जरूरी दस्तावेज हैं। ड्राइविंग लाइसेंस से ही उसे घर का पता चला।" फिर उसने कहा वह 10 किलोमीटर का सफर साइकिल पर तय कर अस्मित को उसका पर्स देने आया है। बटुए में पूरे परिवार की फोटो दिखाते हुए उसने सुमित्रा का मिलान फोटो से किया व उसे पर्स थमाते हुए कहा, "आप पैसे जांच लो।"

सुमित्रा ने राहत की सांस ली परन्तु मन अभी भी बेचैन था। उसके मन में जिज्ञासा थी कि अस्मित का पर्स उस व्यक्ति के पास कैसे था। उसका बेटा फोन क्यों नहीं उठा रहा।

उस अनजान व्यक्ति ने बताया कि उसे वह बटुआ सड़क पर गिरा हुआ मिला था। सुमित्रा ने उस व्यक्ति की बात पर मन में अविश्वास के बावजूद यकीन करने की कोशिश की। उसने उस दूसरे मज़हब के व्यक्ति को कुछ रुपए इनाम स्वरूप देने का प्रयास किया परन्तु उस भले मानस ने रुपये तो दूर पानी का एक गिलास भी लेने से इंकार कर दिया।

सुमित्रा अभी भी संशय में थी। वह बारम्बार प्रभु से अपने बेटे की सलामती की प्रार्थना कर रही थी।

लगभग चार घंटे बाद अपनी सारी ट्यूशनें पूरी करने के पश्चात जब अस्मित घर आया तो माँ की जान में जान आई। शारीरिक रूप से तो सुमित्रा को सुकून था परन्तु मस्तिष्क में सैकड़ों विचार अभी भी कौंध रहे थे। आज परिस्थितिवश मन दूसरे धर्म के लोगों पर अविश्वास कर लेता है। उसे आत्मग्लानि हुई कि वह अजनबी बिना किसी लालच के 10 किलोमीटर साईकिल चलाकर उसके बेटे का बटुआ देने आया जबकि वह न मालूम कैसे कैसे विचारों के वशीभूत होकर उसकी ईमानदारी पर शक कर रही थी।

वास्तव में इंसानियत का धर्म सर्वोपरि है। किन्तु सभी धर्मों की इंसानियत की शिक्षा के बावजूद धर्म के नाम पर खून खराबा हो जाता है। सुमित्रा अब पूर्णतया शांत थी। उसने ईश्वर से प्रार्थना की, "हे प्रभु! सब को सद्बुद्धि दो। वसुदेव कुटुम्बकम् की भावना से सभी प्रेरित हों।" ऐसे विचार करते हुए सद्भावना की नई उम्मीद में वह निद्रा देवी के आगोश में चली गई।

**प्रो. नीलम**
सह-प्राध्यापिका (अंग्रेजी विभाग)

# आतंकवादः अमानवीय कृत्य

गुरूवार 14 फरवरी, 2019 के दिन जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुआ आतंकी हमला निन्दनीय घटना है। भीषण आतंकी हमले के जरिये आतंकियों ने देश के मान-सम्मान को सीधी चुनौती दी है। जम्मू-कश्मीर में तैनात अर्द्धसैनिक बलों ने इससे पहले इतनी अधिक क्षति का सामना नहीं किया जितना इस बार किया। पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए और न जाने कितने और जवान घायल हुए। जवानों का यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। शत्रु से

बदला लिया जाना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है। वास्तव में जैश और लश्कर सरीखे आतंकी संगठनों को समर्थन-संरक्षण देने वाला पाकिस्तान जब तक भारत को नुकसान पहुंचाने की कीमत नहीं चुकाता तब तक उसकी भारत विरोधी हरकतें बंद होने होने वाली नहीं है। अतः आज उन्हें फिर से 1965, 1971, 1999 के युद्ध में दी गई मात को याद दिलाने की जरूरत है। हमारे सैनिकों द्वारा उनकी बुजदिली और अमानवीय घटनाओं के बारे में उन्हें हर बार परास्त करके और उन्हें घुटनों के बल चलाकर दिए गए बार-बार जवाब को कुछ पंक्तियों द्वारा हमारे देश के सैनिकों के सम्मान में प्रस्तुत किया है कि–

"हमने लौटाए सिकंदर, सर झुकाए मात खाए,
हमसे भिड़ते हैं वे जिनका, मन धरा से भर गया है,
नरक में तुम पूछना अपने बुजुर्गों से कभी-भी
उनके माथे पर हमारी ठोकरों का ही बयां है -"

जिस देश की इतनी बड़ी सेना ने आत्मसमर्पण किया हो वह हमसे बात करें थोड़ा अजीब सा लगता है–

"कि सिंह के दांतों से गिनती, सीखने वालों के आगे
शीश देने की कला में, क्या अजब है क्या नया है,
जूझना यमराज से आदत पुरानी है हमारी
औकात दिखलाने की खातिर सर्जिकल स्ट्राइक किया है।"

**रवि किरन**
सहायक प्रवक्ता (राजनीति विज्ञान)

# व्यवहार में दृढ़ता कैसे लायें?

व्यवहार में दृढ़ता लाने का अर्थ यह नहीं कि आप दूसरों पर चिल्लायें, रौब जमायें, गुस्सा करें, दोष लगायें या उन्हें भयभीत करें। दृढ़ होने का अर्थ है कि आप अपने पक्ष में खड़े हैं और साथ ही दूसरों के अधिकारों का भी हनन नहीं कर रहे। अर्थात् स्पष्ट शब्दों में अपनी बात कहना या सबके सामने रखना। यह आपकी भावनाओं व विचारों का ईमानदारी से प्रस्तुतीकरण होता है। इसे प्रायः आत्मसम्मान व आत्म छवि से भी जोड़ा जाता है।

बचपन में ही हमारा निजी रवैया विकसित हो जाता है। उस पर हमारे परिवार, माहौल और यारों-दोस्तों का भी असर पड़ता है। यदि बचपन में आपको बड़े अनुशासन में रखें तो हो सकता है कि आप उन्हीं विचारों को जीवन में आगे चलाकर पेश करें।

अपने व्यवहार में दृढ़ता लाने के लिए नकारात्मक भाषणों व विचारों से बचना चाहिए। यदि आपने दृढ़ रवैया नहीं अपनाया तो आपके साथ या नीचे काम करने वाले आपकी योग्यता व रवैये को गंभीरता से नहीं लेंगे। यदि मीटिंग आदि में आपने दृढ़ता से अपना पक्ष नहीं रखा या दूसरे की अप्रसन्नता के बीच में अपना मत व्यक्त नहीं किया तो बॉस को आपकी योग्यता पर संदेह होने लगेगा।

इस तरह से दूसरे लोग आसानी से आपका फायदा उठा सकते हैं और आपकी योग्यता पर संदेह कर सकते हैं। कुछ लोग बिना किसी वजह से माफी मांगते रहते है। यह उनकी शक्तिहीनता का संकेत होता है। लगातार अभ्यास से अपने भीतर दृढ़ता पालें और शर्मिंदा होने की बजाय अपने से वादा करें कि आप अगली बार ऐसा नहीं होने देंगे। मनचाहा फल मिले या नहीं, अपने आप को प्रोत्साहित करते रहें। अपने हृदय की सारी घृणा निकाल कर इसे प्रेम से लबालब भर दें। हालांकि यह इतना आसान नहीं है परंतु लगातार प्रयास से यह संभव है। ऐसा करने पर ही आप अपने आप को मुक्त अनुभव कर पाएंगे।

आप जब भी अपना तर्क प्रस्तुत करें तो पूर्ण रूप से अपनी बात कहें। दूसरों की बात को ध्यान से सुने व उन्हें अहसास दिलाएं कि आप उन्हें सुन रहे हैं। जब भी आप बात करें तो ध्यान रहे कि आपकी पूरी बात स्पष्टता से सामने वाले तक पहुंच रही है या नहीं?

एक उदार हृदय शीघ्र ही अमूल्य हृदय बन जाता है।

**डॉ. गुरनाम**
प्रवक्ता (हिन्दी विभाग)

# पिता

कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता,
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता
जन्म दिया है अगर माँ ने,
जानेगा जिससे जग, वो पहचान है पिता।

कभी कंधे पर बिठाकर मेला दिखाता है पिता,
कभी बनके घोड़ा घुमाता है पिता,
माँ अगर पैरों पर चलना सिखाती है,
तो पैरों पर खड़ा होना सिखाता है पिता।

कभी रोटी तो कभी पानी है पिता,
कभी बुढ़ापा तो कभी जवानी है पिता,
माँ अगर घर में रसोई है,
तो चलाता है घर जिसे वह राशन है पिता।

कभी हंसी तो कभी अनुशासन है पिता,
कभी मौन तो कभी भाषण है पिता।
माँ अगर है मासूम सी लोरी,
तो कभी ना भूल पाऊँगी वह कहानी है पिता।

कभी हंसी और खुशी का मेल है पिता,
कभी कितना तन्हा और अकेला है पिता।
माँ तो कह देती है अपने दिल की बात,
सब कुछ समय के आसमान सा फैला है पिता।

**डॉ. वन्दना रोहल कन्डोल**
सहायक प्रवक्ता (अंग्रेजी विभाग)

# बेरोजगारी

अरे ओ, जीवन से निराश योद्धाओं सुनो
सड़क पर भटकते बेरोजगारो सुनो
अंधेरे से निकलने को कुछ कर्म तो करो
अपनी स्थिति को जानकर कुछ शर्म तो करो।

कब तक कोसते रहोगे तुम अपनी सरकार को?
क्या भुला दोगे तुम दुनिया के तिरस्कार को
दुर्भाग्य से निकलने का जतन तो करो
अपनी धड़कनों को समझने का प्रयत्न तो करो।

माँ को ढेरों तमन्ना थी तेरे जन्म के बाद
पिता ने देखे थे सपने दशकों बाद
उनके ख्वाबों को आंखों में जगह तो दो
संभल जाएंगे पांव तेरे पहले सतह तो दो।

जन्म लेना, मर जाना नियति है संसार की
सोचा कभी क्या वजह थी तेरे अवतार की
मिट्टी हो जाएगी सोना, तुम स्पर्श तो करो
कर रही इंतजार मंजिल, तुम संघर्ष तो करो।

**प्रीती**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# बेटी हूँ मैं बेटी, तारा बनूंगी

बेटी हूँ मैं बेटी, तारा बनूंगी, तारा बनूंगी मैं सहारा बनूंगी।
गगन पर चमके चंदा, मैं धरती पर चमकूंगी।

धरती पर चमकूंगी, मैं उजियारा करूंगी।
बेटी हूँ मैं बेटी तारा बनूंगी।

पढ़ूंगी, लिखूंगी मैं मेहनत भी करूंगी
अपने पांव चलकर मैं दुनिया को देखूंगी।

दुनिया को देखूंगी, मैं दुनिया को समझूंगी
बेटी हूँ मैं बेटी तारा बनूंगी।

फूल जैसे सुंदर बागों में खेलूंगी
तितली बनूंगी, मैं हवा को चूमूंगी।

हवा को चूमूंगी, मैं नाचूंगी गाऊंगी।

बेटी हूँ मैं बेटी, तारा बनूंगी
तारा बनूंगी मैं सहारा बनूंगी।

**नीलम**
एम.ए. हिन्दी (प्रथम वर्ष)

## भ्रष्टाचार

शराफ़त के जमाने अब कहां
यूं अकेले मत पड़ो यहां वहां।
समूहों के झुंड आसपास हैं
कोई साधारण कोई खास हैं।
हर कोई खींचने की फ़िराक में
मना करो आ जाते हैं आंख में।
जंगल छोड़ भेड़िए शहरों में आने लगे
सुंदर लिबासों में शरीफों को लुभाने लगे।
ख्वाब बेचने का व्यापार चल पड़ा
लालच में हर कोई मचल पड़ा।
समूहों में हर चीज़ जायज हो जाती है
विचारधाराएं खारिज हो जाती हैं।
नई दौड़ के तर्क नए
सत्य स्वयं भटक गया।
इंसान इंसानियत छोड़
समूह में अटक गया।
ईमान कम बचा
नियति तो बहुत स्पष्ट है।
शिकायत किससे करें
जब पूरा तंत्र ही भ्रष्ट है।

**रितु**
एम.ए. हिन्दी (प्रथम वर्ष)

## माँ बाप को भूलना नहीं

भूलो सभी को मगर, माँ बाप को भूलना नहीं,
उपकार अगणित है उनके, इस बात को भूलना नहीं।
पत्थर पूजे कई तुम्हारे जन्म के खातिर अरे,
पत्थर बन माँ–बाप का दिल कभी कुचलना नहीं।
मुख का निवाला दे अरे, जिनने तुम्हें बड़ा किया,
अमृत पिलाया तुमको, जहर उनके लिए उगलना नहीं।
कितने लड़ाये लाड़, सब अरमान भी पूरे किए,
पूरे करो अरमान उनके, बात यह भूलना नहीं।
लाखों कमाते हो भले, माँ–बाप से ज्यादा नहीं,
सेवा बिना सब राख है, मद में कभी भूलना नहीं।
संतान से सेवा चाहो, संतान बन सेवा करो,
जैसी करनी वैसी भरनी, न्याय यह भूलना नहीं।
सोकर स्वयं गीले में, सुलाया तुम्हें सूखी जगह,
माँ की अममीय आंखों को, भूलकर कभी भिगोना नहीं।
जिसने बिछाए फूल थे, हर दम तुम्हारी राहों में,
उस राहबर की राह के, कंटक कभी बनना नहीं ।
धन तो मिल जायेगा, मगर माँ–बाप क्या मिल पाएंगे,
पल पल पावन उन चरणों की, चाह कभी भूलना नहीं।
माँ बाप को भूलना नहीं॥

**मिथुन**
एम.ए. हिन्दी (प्रथम वर्ष)

## नारी की पीड़ा

इंसान तेरे जुल्म अत्याचारा तै, गर्भ में मारण आले हत्यारा तै।
तंग आली सूँ मैं बहोत ए घणी, ईब मान–सम्मान आले नारा तै॥

दिल तै इज्जत करो थाम, दिखावे करण की लोड़ नहीं।
किस बात पै हामने मारो, म्हारी किसी गेल होड़ नहीं॥

बेटियां नै पढ़ाते कोनी, जमा थारी या बात सही कोनी।
पैदा कर हस्पताल में छोड़ो, ज्याते मन्नै या बात कही॥

म्हारे में भी आत्मा सै, कोन्या बणी माट्टी गारे ते।
तंग आली सूँ मैं बहोत ए घणी, इन मान–सम्मान आले नारा तै॥

बेटे ते ज्यादा नाम कमा दूं, मौका देके देखो एक बार।
म्हारी बेबसी, म्हारी मजबूरी, थाम ए हामने करो लाचार॥

बेटियां का के जी करदा नी, बेटा ने दो थाम आदर सत्कार।
यूं तो माता–देवीयां ने पूज्जो, अर म्हारा थाम करो व्यापार॥

अरे मर्द कुहाण आलो, ईब भी समझ जाओ इशारे ते।
तंग आली सूं मैं बहोत ए घणी, इन मान–सम्मान आले नारा तै॥

मानवता मांनू सूं खत्म होगी, कुछ दीन–ईमान बचा होगा।
दुनिया बनावण आला दिखै, खूब चादर ताण के सोगा॥

इतना लिखते–लिखते बस, मेरा दिल ईब बहोत खूब रोगा।
मेरी पीड़ा ने समझो जदे, होवैगा इंसान इंसान कुहावण जोगा॥

किस तरो जान लिकड़े, हाथ लागै जब बिजली के तारा तै।
इंसान तेरे जुल्म अत्याचार तै, गर्भ में मारण आले हत्यारा तै॥
तंग आली सूं मैं बहोत ए घणी, इन मान–सम्मान आले नारा तै॥

**सुचिका**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## मानवता

मानव देवता न बनें, कोई गम नहीं ।
मानव दानव न बनें, यह भी कम नहीं॥

न जिए दूसरों के लिए, कोई गम नहीं ।
दे जाने दूसरों को,यह भी कम नहीं॥

न बने सहारा किसी का, कोई गम नहीं ।
तोड़े न सहारा किसी का, यह भी कम नहीं॥

ना उठाए गिरे हुए को, कोई गम नहीं।
गिराए ना उठते हुए को, यह भी कम नहीं॥

ना जाने दूसरों को, कोई गम नहीं।
जान जाए स्वयं को, यह भी कम नहीं॥

मानव देवता न बने, कोई गम नहीं।
मानव मानव ही रहे, यह भी कम नहीं॥

**काजल**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## बेटियाँ

बेटी कुल का दीप है, इसे बुझाने मत दो,
बेटी फूल है इसे खिलने दो, मुरझाने मत दो,

बेटी होने के नाते एक सवाल है मेरे भी मन में,
क्यों बेटियां जब उड़ना चाहती हैं,
तब उनके पंख काट दिए जाते हैं,

जब बेटियां करती पार चौखट, तो उठते हजार सवाल,
लेकिन करता बेटा पार चौखट, तो कोई न पूछे सवाल,

क्यों बेटियां ही देती हर जवाब, क्यों बेटियों को नहीं मिलता प्यार,
क्यों किसी के पास जवाब नहीं, क्या बेटियां इंसान नहीं,
क्यों बेटियों पर किया न जाता विश्वास,
क्यों बेटों को ही मिलता सभी का प्यार,

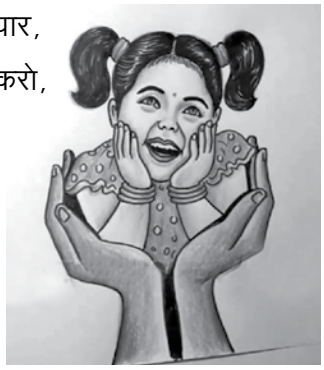

बेटे और बेटियों का भेदभाव खत्म करो,
दोनों को बराबर प्यार करो,

क्या भारत माता एक बेटी नहीं,
क्या कल्पना चावला एक बेटी नहीं,
क्यों बेटी माँ बाप की शान नहीं,
क्यों उनका अभिमान नहीं,

आखिर क्यों, आखिर क्यों?

**पायल त्यागी**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## पृथ्वी बचाओ

हे इंसान, क्यों बन गए तुम शैतान,
मैंने तुम्हें आश्रय दिया,
तूने मुझे कष्ट दिए।
फिर भी मैं, तुम्हारा करती हूँ सम्मान,
हे इंसान, क्यों बन गए तुम शैतान॥

सोचा था कुछ अच्छा कर दिखाओगे,
मुझे सुंदर व हरा–भरा बनाओगे,
अपने हाथों से मुझे सजाओगे,
ये कभी नहीं सोचा था,
कि तुम मुझ पर प्रदूषण फैलाओगे ।
रसायनों को ऐसे ही बहाओगे,
कूड़ा करकट ऐसे ही बहाओगे,
नहीं करते तुम मेरा सम्मान,
हे इंसान क्यों बन गए तुम शैतान॥

बाढ़, सूखा, भूकम्प हैं आते,
दोषी तुम मुझे ठहराते,
नहीं देते तुम मुझको सम्मान,
क्या मिट जाएगी तुम्हारी शान,
हे इंसान, क्यों बन गए तुम शैतान॥

मुझ पर तुम फसल उगाते,
फल, फूल और सब्जियाँ पाते,
हरे–भरे खेत लहराते,
अधिक से अधिक उत्पाद हैं पाते,
अपना जीवन सफल बनाते
करती हूँ तुम्हारा सम्मान,
हे इंसान, क्यों बन गए शैतान॥

तुम सबकी भूख मिटाती,
अपनी गोद में तुम्हें खिलाती,
पेड़–पौधों की छाया दिलाती,
साफ–स्वच्छ हवा दिलाती,
एक बात हूँ सबको बताती,
मुझे बचाओ, और करो सम्मान,
तभी होगी, तुम्हारी पहचान,
हे इंसान, मत बनो तुम शैतान॥

**मंजीत**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# दोस्ती

- वो दोस्त पुराने नहीं आते, उठ जाता हूँ
  भोर से पहले सपने सुहाने नहीं आते।
- अब मुझे स्कूल न जाने वाले बहाने नहीं आते।
- कभी पा लेते थे घर से निकलते ही मंजिल को,
  अब मीलों सफर करके भी ठिकाने नहीं आते।
- मुँह चिढ़ाती है खाली जेब महीने के आखिर में,
  अब बचपन की तरह गुल्लक में पैसे बचाने नहीं आते।
- यूं तो रखते हैं बहुत से लोग पलकों पर मुझे,
  मगर बेमतलब बचपन की तरह गोदी उठाने नहीं आते।
- माना कि जिम्मेदारियों की बेड़ियों में जकड़ा हूँ, क्यूं,
  बचपन की तरह छुड़वाने वो पुराने दोस्त नहीं आते।
- बहला रहा हूँ बस दिल को बच्चों की तरह,
  मैं जानता हूँ फिर वापस बीते हुए जमाने नहीं आते।

**रितिक**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# हिंदी बैठकें

वैसे तो हर वर्ष बजता है नगाड़ा
नाम लूं तो नाम है हिंदी पखवाड़ा
हर वर्ष हर तिमाही होती है बैठकें
करके जलपान खत्म होती हैं बैठकें

इसे औपचारिक कहूँ या बहाना
या कहूँ इसे हिंदी का मजाक उड़ाना
हिंदी हैं हम, वतन है हिंदुस्तान हमारा
कितना अच्छा व कितना अपना है ये नारा

हिंदी में बात करें तो मूर्ख समझे जाते हैं
अंग्रेजी बोले तो जेंटलमैन समझे जाते हैं
अंग्रेजी का हम पर क्या असर हो गया
हिंदी का मुश्किल सफर हो गया

देशी घी आजकल बटर हो गया
चाकू नाइफ या कटर हो गया
नमस्कार आजकल हेलो हो गया
अपना साथी आजकल फैलो हो गया

हिंदी का पूर्ण सम्मान कीजिए
बेशक अंग्रेजी का भी ज्ञान लीजिए
अब मैं आपसे इजाज़त चाहती हूँ
हिंदी की सबसे हिफाज़त चाहती हूँ।

**पल्लवी**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# बेटी की पुकार

जब जन्मी बाबुल के अंगना
बेटी कह धिक्कार दिया
बोझ, नालायक और कलंकिनी
जाने क्या–क्या नाम दिया
मैं रो–रोकर यही पूछती हूँ
क्यों ना बेटों सा अधिकार दिया।

जब मैं बनी किसी की दुल्हन
पांव की जूती कह नकार दिया
दहेज प्रथा के नाम पर मुझे
जलती आग में डाल दिया।
मैं रो–रो कर यह पूछती हूँ
क्यों ना पत्नी–सा सम्मान दिया।

जब जन्म दिया बेटे को
माँ का रूप धार लिया
कुछ ना सोचा, कुछ ना समझा
सब कुछ अपना वार दिया
बड़ा हुआ तो उसी बेटे ने
घर से है निकाल दिया
मैं रो–रो कर यही पूछती हूँ
क्यों ना माँ–सा मुझको प्यार दिया।

**नेहा राठी**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता,
मौन रहने से कलह नहीं होती।

– चाणक्य

## वक्त नहीं

हर खुशी है लोगों के दामन में,
पर हँसी के लिए वक्त नहीं।
दिन-रात दौड़ती हुई इस दुनिया में,
ज़िंदगी के लिए वक्त नहीं।

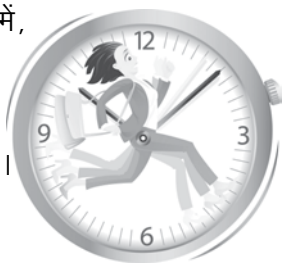

माँ की लोरी का एहसास तो है,
पर माँ को माँ कहने का वक्त नहीं।
सारे रिश्ते नाते तो मार चुके,
अब उन्हें दफनाने का वक्त नहीं।

सारे नाम मोबाइल में है, पर दोस्ती के लिए वक्त नहीं,
गैरों की क्या बात करें, जब अपनों के लिए वक्त नहीं।
आंखों में है नींद बड़ी, पर सोने के लिए वक्त नहीं,
पैसों की हवस में ऐसे दौड़े, कि थकने के लिए वक्त नहीं।

पराये के अहसास की क्या कद्र करें,
जब अपने सपनों के लिए वक्त नहीं।

तू ही बता ऐ ज़िंदगी, इस ज़िंदगी क्या होगा?
कि हर पल मरने वालों को जीने के लिए वक्त नहीं।

**सौरभ सिंह**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## शिक्षक

शिक्षक है शिक्षा का सागर
शिक्षक बाटें ज्ञान बराबर
शिक्षक मंदिर जैसी पूजा
माता पिता का नाम है दूजा
प्यासे को जैसे मिलता पानी
शिक्षक है वो ज़िंदगानी,
शिक्षक न देखे जात-पात
शिक्षक ना करता पक्षपात
निर्धन हो या हो धनवान
शिक्षक को सब समान
शिक्षक माझी, नाव, किनारा
शिक्षक डूबतों का सहारा
शिक्षक का सदा है यही कहना
श्रम, लगन है सच्चा गहना॥

**कविता**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

## स्वर्ग की मिट्टी

एक दिन कक्षा में मास्टर जी आए,
आकर वो जोर से चिल्लाए!!
बोले बच्चो, देना ध्यान–
एक जटिल काम है आया,
कोई ना उसको कर पाया।
जो भी कोई स्वर्ग से
मिट्टी लाकर देगा मुझको,
बिना पढ़े ही इम्तिहान में
पास कर दूंगा उसको ॥

सुनकर वे सब हैरान,
सारे बच्चे अब परेशान॥
कौन मर कर ऊपर जाए,
स्वर्ग से मिट्टी लेकर आए॥

बुद्धिमान एक बालक ने युक्ति तभी लगाई,
अगले दिन वह मिट्टी लेकर आया।
मास्टर ने उसको फटकारा,
मुझे बेवकूफ बनाता है,
निकम्मा है तू नाकारा॥

कहां से लाया है यह मिट्टी उठाकर,
वापस फेंक आ इसको जाकर॥
रोते रोते बालक बोला–
सारे देव, सारी दुनिया
जिन चरणों को ध्याते हैं,
यह रज धूल माता-पिता की,
जहां सारे स्वर्ग समाते हैं॥

उत्तर सुन मास्टर जी
गदगद हुए–
लगाया बालक को गले,
बोले धन्य तेरे माता पिता॥

धन्य-धन्य तू बालक है॥
माता पिता ही रूप ईश्वर का,
वे ही सृष्टि के पालक हैं,
वे ही तेरी दुनिया हैं॥

**स्नेहा**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

## कैसे भूल पाएंगे

हम कैसे भूल पाएंगें
वो सुबह–सुबह मम्मी का कॉलेज के लिए उठाना
2 मिनट कहकर 10 मिनट सो जाना
अपनी ही मस्ती में तैयार होना
और देर-सवेर ही सही लेकिन कॉलेज पहुंच जाना
कैसे भूल पाएंगे।
वो लेक्चर में जागते हुए सोना
वो अपनी अलग ही दुनिया में होना
वो छुप–छुप कर लंच खाना
बाद में दूसरों को कैंटीन के लिए मनाना
कैसे भूल पाएंगे।
वो हर नजर का घड़ी का होना
वो हर पल के लिए अंदर ही अंदर रोना
समय ना बीतने पर
वो आंखों ही आंखों में घड़ी को कोसना
कैसे भूल पाएंगे।
वो टेस्ट के समय दोस्तों का भरोसा
ना सुनाने पर मैम का गुस्सा
घंटी न लगने पर
कॉलेज आने पर अफसोस जताना
कैसे भूल पाएंगे।
वो लॉन में बैठकर मैम का इंतजार करना
उनके कक्षा में जाने पर
कुछ लड़कियों को छुपते हुए देखना
और फिर हमारा कक्षा में जाना
कैसे भूल पाएंगे।
कैसे भूल पाएंगे॥

रितु
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

## ऐ री माँ तू मन्नै पढ़ा दे...

ऐ री माँ तू मन्नै पढ़ा दे,
ऊंचा नाम कमाऊंगी।
मेहनत करकै आग्गै बढ़कै,
न्यारि वजीफे ल्याऊंगी।
जै भाई न तू दूध देवैगी,
मैं सब्जी मै काम चलाऊंगी।
घी धरकै बेसक ना दिए,
सूखी रोटी में काम चलाऊंगी।
यो कसम खाऊं, पढ़–लिखके,
मैं नंबर वन छोरी कहाऊंगी।
भेज स्कूल में मैंने पढ़ादे री,
ऊंचा नाम कमाऊंगी।
मेहनत करके आग्गे बढ़कै,
न्यारे वजीफे ल्याऊंगी।
घर के सारे काम करूं,
काम की ना टाला री।
सारे घर का काम करकै,
रात नै करूं पढ़ाई री।
भेज स्कूल मैं मन्नै पढ़ादे री,
ऊंचा नाम कमाऊंगी।
पैसे की कोई चिंता ना सै,
सरकार ने करी मुफ्त पढ़ाई री।
एक टेम का खाना दैवे,
हो जाते तेरै समाई री।
पाट्ये लत्या घर थारे,
मैं नूए काम चलाऊं री।
चाचा, दादा, ताऊ, मामा के,
काम में हाथ बटाऊं री।
भेज स्कूल में मन्ने पढ़ादे री,
ऊंचा नाम कमाऊंगी।
मेहनत करके आगै बढ़कै,
न्यारे वजीफे ल्याऊंगी।

पूजा रानी
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग, जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है,
इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।

– महात्मा गाँधी

## नारी की महानता

नारी तू है इतनी महान।
पूरे जग की तू है शान॥

धन चाहिए तो लक्ष्मी की पूजा,
शक्ति चाहिए तो दुर्गा की पूजा॥
दहेज न लाए तो जिंदा फूँका,
कैसी दुर्दशा में देश हमारा ?
दुख में भी खुशी का देता नारा,
नारी तू है जग का सहारा॥

जीवनदाती है नारी तू,
पालनहारी है नारी तू।
जिम्मेदारियों का बोझ तेरे सिर पर,
क्यूं भटके तू किसी के दर पर?

तू धर्म स्वरूपा है तू कर्म स्वरूपा है,
तेरा हृदय कितना नरम है,
क्यों संसार तेरी स्वतंत्रता से गरम है?
मूर्ख है वो जो कमियां निकालते तुझमें,
समझते हैं संसार है उनके दम से,
सच तो है संसार बसता तेरे जन्म से॥

क्यों है लोग तेरी शक्ति से अनजान,
तू है दो परिवारों की शान ।
माँ–बाप करते तेरा कन्यादान ,
भ्रष्टाचारी मूर्खों को क्या इन सबका ज्ञान?

तू शक्ति, ममता का प्रतीक है,
फिर भी तेरा जीवन सटीक है,
हर क्षेत्र में आज तेरी जीत है,
तभी तो तू सबकी मीत है।
तभी तो ऐ! नारी,
जग में तेरी छाप अमिट है॥

**मीनाक्षी**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

## नारी सशक्तिकरण

भ्रूण हत्या, बाल विवाह की
शिकार हुई हैं नारियां,
घरेलू हिंसा, ताना–बाना
सब सह रही हैं नारियां।

बहुत सहा है अपमान और
बहुत सही हैं गालियां,
वेश्यावृत्ति और दास प्रथा
की शिकार हुई हैं नारियां।

जमुना देवी, गन्नो देवी,
कमला देवी नारियां,
दुर्गा बाई, लक्ष्मी बाई
बन रही हैं नारियां।

ऐसा कोई क्षेत्र नहीं
जहां नहीं पहुंची हो नारियां,
सदियों पुरानी जंजीरों को
तोड़ रही हैं नारियां।

नारी सशक्तिकरण के दौर में
बढ़ रही हैं नारियां,
देश की सीमा हो या अंतरिक्ष हो
सब जगह हैं नारियां।

निर्णय लेने में सक्षम
हो रही हैं नारियां,
शिक्षा पाकर देश को आगे
बढ़ा रही हैं नारियां।

गलतफहमी को दूर हटाओ
सशक्त हुई हैं नारियां,
पहले जैसी अबला नहीं
अब रही हैं ये नारियां।

**साक्षी**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

मन एक भीरू शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है।

– प्रेमचंद

# माँ की ममता

माँ की ममता ईश्वर का वरदान है
सच पूछो तो माँ इंसान नहीं भगवान है
माँ के चरणों में जन्नत का हर रूप होता है
माँ मे ईश्वर का हर स्वरूप होता है।

माँ जो हर बच्चे की दिल की चाह होती है
मुसीबत में एक नई राह होती है
जो हर किसी के करीब नहीं होती
जो हर किसी के नसीब नहीं होती।

माँ की अहमियत उनसे पूछो जिनकी माँ नहीं होती है
जो हर बच्चे की जान होती है
जो हर रिश्ते का मान होती है
सभी का एकमात्र अरमान होती है।

हर किसी को माँ की ममता मिलें अपनी माँ से
कभी कोई न बिछड़े अपनी माँ से
यही है मेरी एक मात्र दुआ उस खुदा से
जिनकी माँ हो उसे क्या पता कि माँ क्या होती है
माँ को जानना है तो उनसे पूछो जिनकी माँ नहीं होती।

**किरण रानी**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

# बुद्ध के अमृत वचन

1. स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन और वफादारी सबसे बड़ा संबंध है।
2. क्रोध, जलते हुए कोयले को किसी दूसरे व्यक्ति पर फेंकने की इच्छा से पकड़े रहने के समान है यह सबसे पहले आपका हाथ ही जलाएगा।
3. मन और शरीर दोनों के लिए स्वास्थ्य का रहस्य है– अतीत पर शोक मत करो, ना ही भविष्य की चिंता करो, बल्कि बुद्धिमानी और ईमानदारी से वर्तमान में जियो।
4. सबसे अँधेरी रात अज्ञानता है।
5. जिसने अपने आपको वश में कर लिया हो, उसकी जीत को देवता भी हार में नहीं बदल सकते।
6. इस पूरी दुनिया में इतना अंधकार नहीं है कि वो एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश बुझा सके।
7. अपना रास्ता स्वंय बनाएं। हम अकेले पैदा होते हैं और अकेले मृत्यु को प्राप्त होते हैं, इसलिए हमारे अलावा कोई और हमारी किस्मत का फैसला नहीं कर सकता।
8. वृक्ष की शाखा पर बैठा पंछी कभी भी इसलिए नहीं डरता कि डाल हिल रही है, क्योंकि पंछी डाली पर नहीं अपने पंखों पर भरोसा करता है। इसलिए सदा स्वयं पर विश्वास रखिये।
9. खुशियों का कोई रास्ता नहीं, खुश रहना ही रास्ता है।
10. एक जलते हुए दीपक से हजारों दीपक रोशन किए जा सकते है, फिर भी उस दीपक की रोशनी कम नहीं होती। उसी तरह खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं, कम नहीं होती।

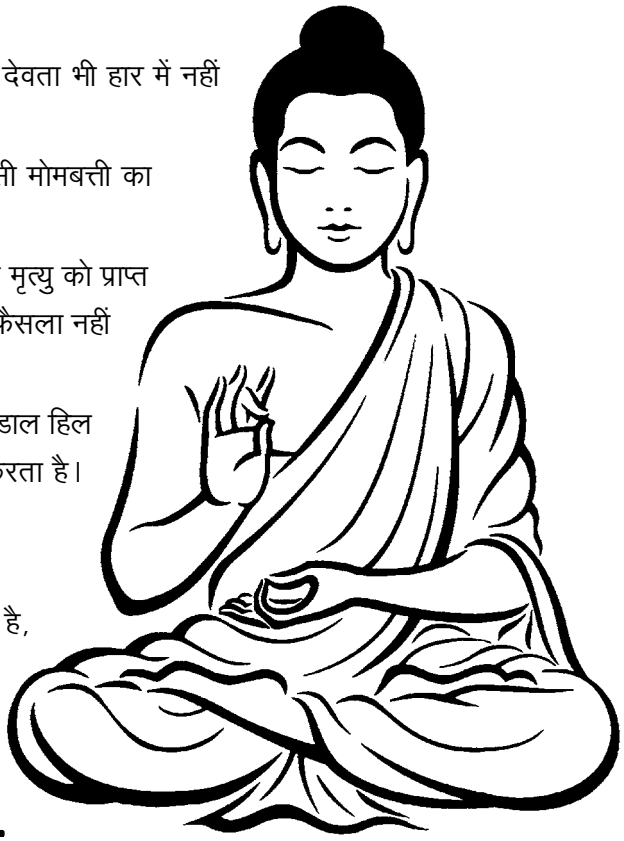

**डा. शशिप्रभा**
अध्यक्षा, हिन्दी विभाग

## इंसानियत

- "मंदिर" में दाना चुग कर चिड़िया "मस्जिद" में पानी पीती है।
- मैंने सुना है "राधा" की चुनरी कोई "सलमा" बेगम सीती है।
- एक "रफी" था जो महफिल महफिल "रघुपति राघव" गाता था।
- और एक "प्रेमचंद" था जो बच्चों को "ईदगाह" का पाठ सुनाता था।
- कभी "कन्हैया" की महिमा गाता "रसखान" सुनाई देता था।
- औरों को देखते हुए "हिन्दू" और "मुसलमान"। मुझे तो हर शख्स के भीतर "इंसान" दिखाई देता है।
- क्योंकि इस दुनिया में न "हिंदू" बुरा है ना "मुसलमान" बुरा है, जिसका "किरदार" बुरा है वो "इंसान" बुरा है।

**अजीत कुमार**
एम.ए. (प्रथम वर्ष)

## बेटी बचाओ

मैं भी लेती श्वास हूँ,
पत्थर नहीं इंसान हूँ।
कोमल मन है मेरा,
वही भोला सा है चेहरा।
जज्बातों में जीती हूँ,
बेटा नहीं पर बेटी हूँ।
कैसे दामन छुड़ा लिया,
जीवन के पहले ही मिटा दिया।
तुझसे ही बनी हूँ,
बस प्यार की भूखी हूँ।
जीवन पार लगा दूंगी,
अपना लो मैं बेटा भी बन जाऊंगी।
दिया नहीं कोई मौका,
बस पराया बना कर सोचा।
एक बार गले से लगा लो,
फिर चाहे हर कदम लो।
हर लड़ाई जीत कर दिखाऊंगी,
मैं अग्नि में जलकर भी जी जाऊंगी।
चंद लोगों की सुन ली तुमने,
मेरी पुकार न सुनी।
मैं बोझ नहीं पर भविष्य हूँ,
बेटा नहीं पर बेटी हूँ।

**प्रिया कौशिक**
एम.ए. (प्रथम वर्ष)

## हुंह! ये बड़े

बड़ा परेशान करते हैं ये बड़े हमारे साथ खुद को भी,
बड़ा हल्कास करते हैं ये बड़े हर बात को हमारी।
जान और सुरक्षा का बहुत सा ज्ञान,
उपदेश देते हैं ये बड़े।
मुफ्त में मिलता नहीं कुछ भी
आजकल यारो पर अपने
अनुभव का बेशकीमती खजाना
यूं ही बाटतें फिरते हैं ये बड़े।

हम तो पढ़ लिख के निकल जाते हैं अपने रास्ते,
रास्ता हमारा देखते
ठूंठ से खड़े रह जाते हैं बड़े।
तमाम झिड़कियाँ खाकर भी अपनों की,
जरा सा प्यार पाकर
फिर मुस्कुरा पड़ते हैं ये बड़े।
ज़िंदगी इनकी जहन्नुम सी
बना दी, फिर भी
हमको सदा खुश रखने की दुआ करते हैं ये बड़े।
बावजूद इसके कि मना कर दें बार–बार,
अपनी पलकें बिछा के
हमारा इंतजार करते हैं ये बड़े।
क्यों नहीं बैठते चुपचाप
एक कोने में,
घर की हर बात जानना चाहते हैं ये बड़े।
तमाम कोशिशें कर लो
इन्हें झुकाने की, टूट जाते हैं
पर नहीं झुकते, बड़े
खुद्दार होते हैं ये बड़े।
जरा से प्यार के दो बोल
बोल कर देखो,
पिघल कर बच्चों जैसे हँस
पड़ते हैं ये बड़े।
हां, बड़ा परेशान करते हैं ये बड़े।

**आरती**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

# मेरी माँ

खुद की मूरत है मेरी माँ
मेरी ज़िंदगी की नाव है मेरी माँ
मासूम है, भोली है
मेरे दिल की धड़कन है मेरी माँ
मुझे हर सुख देने वाली
मेरी जीवनदाता है मेरी माँ
चोट यहां लगती है पर दर्द वहां होता है
ऐसा रिश्ता है मेरी माँ

मेरा खुदा, मेरी ज़िंदगी
मेरे जीने का वजूद है मेरी माँ
मेरे जीने का वजूद है मेरी माँ
माँ है तो जग है
माँ नहीं तो जग नहीं
माँ बेटी का रिश्ता दुनिया का सबसे
अनोखा रिश्ता होता है

**मनीषा**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# लक्ष्य

ज़िंदगी में ज्योति की एक लौ जगाओ,
इस छोटे से जीवन में खुद को कुछ बनाओ।
सोच के देखो दुनिया में तुम्हारी पहचान क्या है?
तुम्हारी आत्मा में बैठा वो अनजान क्या है?
अपने मन से कुछ सवाल करो, वो क्या कहता है?
ज़िंदगी के उस लक्ष्य को खोजो, वह कहां रहता है?
इस जीवन में तुम्हें कुछ तो करना पड़ेगा,
तुम्हें इस जग में कुछ ना कुछ बनना पड़ेगा।
इस जीवन को तुम यूं ही मत बिताना,
लेकर कुछ लक्ष्य खुद को कुछ बनाना।
तुम ही तो जग के जननायक बनोगे,
तुम ही तो अपने लक्ष्य का फैसला करोगे।
हाँ, जिस दिन तुम्हें वह लक्ष्य मिलेगा,
एक उज्ज्वल भविष्य तुम्हारे सामने आएगा।
अगर तुम कुछ नहीं करोगे तो जग तुम पर हंसेगा,
पर तुम कुछ बनोगे तो तुम्हें महान कहेगा।
यूं घूमकर जीवन को बर्बाद मत करना,
करके कर्म कुछ जीवन को आबाद करना।
बिना लक्ष्य तुम जीवन में हो जाओगे परेशान,
समय निकल जाएगा तो क्या करोगे इंसान।

**प्रियंका पुनिया**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# विचार

- शुभ विचार करना अच्छी बात है और उससे भी अच्छी बात है उसे अमल में लाना।
- सीखने के इच्छुक व्यक्ति को पग–पग पर शिक्षक मिल जाते हैं।
- अध्यापक मोमबत्ती की तरह हैं, जो खुद जलकर दूसरों को प्रकाशित करते हैं।
- केवल विचारों में बहने वाले व्यक्ति जीवन में सफल नहीं होते।
- धर्म परिवर्तन माँ–बाप बदलने के समान है।
- देर से मिला न्याय अन्याय के समान है।
- भगवान की भक्ति करने से शायद हमें माँ ना मिले लेकिन माँ की भक्ति करने से भगवान अवश्य मिलेंगे।
- असफल होना अपराध नहीं परंतु सफलता हेतु प्रयास न करना अवश्य अपराध है।
- हम अपनी समस्याओं को उसी सोच से नहीं सुलझा सकते जिससे उनका जन्म होता है।
- यदि किसी बच्चे को उपहार न दिया जाए तो वह कुछ समय के लिए रोता है, परन्तु उसको संस्कार न दिया जाए तो वह सारी उम्र रोता है।

आपका दिन शुभ हो।

**अंजली**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## विदाई पार्टी

जो थ्हारे गेल्याँ टेम बिताया याद म्हारे वो आवेगा,
थ्हारे गेल्याँ पढ़े लिखे यो टेम नहीं फेर आवेगा।

आवेगा वो टेम याद जो थ्हारे गैल बिताया सै,
याद करैंगे टीचर सारे जिनै तुम्हें सिखाया सै।

सभी टीचरों नैं मिलकै जो भी तुम्हें सिखाया सै,
धन्यवाद करो उन सब का, जिन्होंने जीवन ऊँचा बणाया सै।

इस साल के बाद कॉलेज तै थम सारे चले जाओगे,
अलग–अलग लेकर लक्ष्य जीवन सफल बणाओगे।

आपणा अर माँ–बाप का नाम इस जग में चमकाओगे,
सेवा करते–करते देश की आपणा जीवन बिताओगे।

आस करूँ मैं थम जीवन मैं ऊँचे चढ़ते जाणा,
होके सफल अपणे–काम म्ह कभी कॉलेज म्ह थम आणा।

जो कुछ भी सिख्या थमने वो हमको भी समझाणा,
बोहत दुख्या छाती के म्ह थ्हारा म्हारे बीच तै जाणा।

अध्यापक के बिना इस जीवन नै कोण ऊपर ठावैगा,
थ्हारे जैसा मित्र हमने कोई दुनिया म्ह ना पावेगा।

**रितिक**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## मुस्कान

- मुस्कान दुश्मन को भी दोस्त बनाती हैं।
- मुस्कान आपके चेहरे की चमक को कई गुना बढ़ाती है।
- मुस्कान सफलता का मार्ग बनाती है।
- मुस्कान घृणा, कष्ट व दुःखों को दूर भगाती है।
- मुस्कान खुशी के राजपथ पर ले जाती है।
- आपकी एक मुस्कान कइयों के चेहरे पर मुस्कान ले आती है।
- चेहरे पर मुस्कान वास्तव में आपका असली सौन्दर्य है।
- मुस्कुराने में आपका कुछ खर्च नहीं होता परंतु इसका प्रभाव कमाल का होता है।
- इसीलिए ज़िंदगी के सफर में सदा मुस्कुराते रहिए।

**सिमरन**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

## मेरी मंजिलों की चाहत

मुझे याद है वो बचपन, वो जीवन में
कुछ कर दिखाने की चाहत
कुछ बनने की तमन्ना
वो जुनून, वो जोश
वो मजबूत इरादे
वो आशा, वो विश्वास
वो खुद से ही की गई सभी जिद्द
वो खुद से किए हुए वादे
वो कुछ पाने का इरादा
वो आसमानों की बुलंदियों में
मंजिल को तराशना
वो थकने के बावजूद भी चलते रहना
वो कई बार गिरकर फिर खड़ा होना
मुझे याद है वो सभी लम्हें
ठोकर खाने के बाद भी
चलते रहना
वो दर्द को सहन करना
बचपन से अब तक
बचपन से अब तक लोगों की कही हुई बातें
वो सब याद है मुझे
वो सागर की गहराइयों में
जीवन परखना
वो मुश्किलों के भंवर का
कभी चढ़ना कभी उतरना
वो सफलता का विश्वास
वो मंजिल को पाने का सफर
जारी है, जारी रहेगा....

जीवन में तकलीफ उसी को आती है जो हमेशा जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहते हैं और जिम्मेदारी लेने वाले कभी हारते नहीं, या तो जीतते हैं या फिर सीखते हैं।

**सोनम**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# भगत सिंह के लिए छोटी सी कहानी

माँ जब कल ये तेरा लाल फांसी के फंदे पर सो जाएगा, मौत की वादियों में खो जाएगा...

तब तुम रोओगी तो नहीं, अपना आंचल आंसुओं से भिगोओगी तो नहीं... माँ ने कहा... देश भक्तों की जननी तो अपने रक्त से गुलामियों के दाग धोती है और राष्ट्रहित पुत्रों के बलिदान पर सिंहो की नहीं... सियारों की माँ रोती है... और मैं तो सिंहों के सिंह, बब्बर सिंह भगत सिंह की माँ हूँ, मैं तेरी शहादत पर रोऊंगी नहीं, खुशी से वारी जाऊंगी... तू आज़ादी की दुल्हन लेने जा, मैं शगुन के लड्डू बटवाऊंगी और जा बेटे जा, ले आ स्वतन्त्रता का डोला, और मैंने अपने हाथों से तेरा रंगा बसंती चोला... जन्म जन्म के पुण्यों का जब फल देता है विधाता, तब जा के कोई नारी होती है, शहीदों की माता... अब बात आखिरी सुन ले, मेरे जिगर के टुकड़े... हँसते–हँसते फांसी चढ़ना, मेरे प्यारे पुत्र... मरते दम तक तन मन तेरा... जीवन देश पर मचले और वंदे मात्रम हो होठों पर, जब प्राण तुम्हारे निकलें...

**आंशु**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# बोलती है मोमबत्ती

कहती है ये मोमबत्ती
हूँ मैं एक अहम हिस्सा
हर प्राणी की ज़िंदगी का
मेरे होते न रहता अंधेरा
हूँ मैं एक रोशनी की किरण
खुद जलती हूँ
रोज पिघलती हूँ
पिघल पिघल मोम बन जाती हूँ
देकर अपने प्राणों की आहुति
तुम्हें रोशनी दे जाती हूँ
कहती है यह मोमबत्ती
देकर अपने प्राणों की आहुति
आज इतनी खुश हूँ मैं
अपने प्राणों की आहुति देने से
आज ही संसार कुछ बन बैठा है
कोई कलेक्टर कोई कमिश्नर कोई अध्यापक
आज यह संसार कुछ बन बैठा है
आज यह संसार कुछ बन बैठा है ।

**मनीषा**
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

# पिता

कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता,
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता।
जन्म दिया है अगर माँ ने,
जानेगा जिससे जग, वो पहचान है पिता।
कभी कंधे पर बैठाकर मेला दिखाता है पिता,
कभी बनकर घोड़ा घुमाता है पिता।
माँ अगर पैरों पर चलना सिखाती है,
तो पैरों पर खड़ा होना सिखाता है पिता।

**रजनी**
सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान विभाग)

# बेटियां

बेटियां घर में संगीत की तरह हैं
जब बोलती हैं बिना रुके और सब कहते हैं
चुप भी कर जाओ
जब खामोश रहती हैं तो माँ कहती है
तबियत ठीक है ना
पापा कहते हैं घर में खामोशी क्यों है
भाई कहता है नाराज हो क्या
जब शादी कर दी जाती है सब कहते हैं
घर की रौनक चली गई
सच में बेटियां न रुकने वाला संगीत हैं

**चिंकी सलूजा**
सहायक प्राध्यापिका (जीव विज्ञान विभाग)

## फर्ज़

दुःख सहना माँ–बाप की खातिर,
फर्ज़ है तेरा, कोई एहसान नहीं।
कर्ज़ है उनका सिर पर तेरे,
भिक्षा या कोई दान नहीं।
माता–पिता के चरण छुए जो,
चार–धाम तीर्थ फल पावे।
जो आशीर्वाद वे दिल से दें,
भगवान भी वह टाल न पावें।

**शिवानी**
बी.एससी. (मेडिकल) प्रथम वर्ष

## मेरी माँ

दुनिया की नजरों में
अनपढ़ है मेरी माँ
अपरिचित है वह, सांसारिक कुटिलताओं से
लेकिन, सर्वोत्तम पाठिका,
है वो मेरे अंतर्मन की,
किशोरावस्था में प्रवेश करते समय
याद आती है माँ की सीख
बहन–बेटी पर किसी की,
टीका–टिप्पणी से पहले,
अपने घर में भी देखना।
सर्वोत्तम शिक्षिका है वो मेरे जीवन की
मेरा–मेरा राग अलापती दुनिया में
कहती–बेटा अपने लिए नहीं
सर्वहित के लिए जीना और गढ़ना
इस समाज को नए सांचे में,
जो मुक्त हो जाति–धर्म के भेद–भाव से।
सर्वोत्तम वाचिका है मेरे दुःखों की,
फंस जाता हूँ जीवन–भंवर में,
राह नहीं सूझती जब, मस्तक पर प्यारा सा हस्त स्पर्श,
हर लेता सभी झंझावतो को।
मेरी नजर में, सबसे पढ़ी–लिखी है माँ
कुंभकारा है वो मेरे
संस्कारों की, विचारों की।

**डॉ. जोगेश बांगड़**
सहायक-प्रवक्ता (हिन्दी विभाग)

## भ्रष्टाचार

- भ्रष्टाचार को समाज से करो दूर
  स्वयं को शामिल कर इसमें न हो चूर।
- भ्रष्टाचार की समाप्ति से समाज उन्नत होगा
  समाज के साथ बेहतर देश का निर्माण होगा।
- मनष्य की एक उम्मीद स्वयं को बनाए महान्
  भ्रष्टाचार का समाज से मिटाएं नामो निशान।
- ईमानदार नेता समाज में डंका बजाएगा
  साथ में भ्रष्टाचार की लंका जलाएगा।
- मनुष्य अपने आचरण से समाज को शक्तिशाली बनाएगा
  भ्रष्टाचार की आग को जड़ से खत्म कर दिखलाएगा।
- देश के पतन का एक कारण है भ्रष्टाचार
  इसकी समाप्ति की समाज में हो रही मांग बार–बार।
- न पैसे लेने, न पैसे देने चाहिए
  भ्रष्टाचार को समाप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।
- देश को प्रभावशाली, शाक्तिशाली बनाना है
  भ्रष्टाचार को देश से भगाना है।
- देश को समृद्ध बनाने के लिए
  आगे आओ भ्रष्टाचार को भगाने के लिए।
- भ्रष्टाचार एक बहुत बड़ी समस्या है
  इसने हमारे देश को शिकंजे में कसा है।
- भ्रष्टाचार एक आर्थिक समस्या का कारण है
  देश की शुद्धता के लिए इसकी समाप्ति एक निवारण है।
- रिश्वत लेना, अनुचित धन संग्रह करना भ्रष्टाचार में आते हैं
  इसी कारण हम अशुद्ध समाज पाते हैं।
- देश में बढ़ता भ्रष्टाचार नैतिकता को गिराता है
  समाज में रिश्वतखोरों की संख्या बढ़ाता है।
- भ्रष्टाचार देश के विकास में रूकावट है
  इसकी समाज में अलग–अलग तरह की बनावट है।
- भ्रष्टाचार की समाप्ति से मुक्त एवं सुंदर समाज बनेगा
  इसी कारण हमारा देश विकास की ओर बढ़ेगा।

**दीपक**
एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

# आनंद प्राप्तिः आज मनुष्य का लक्ष्य

आज हर व्यक्ति का लक्ष्य आनंद प्राप्त करना है। दिन-रात सभी उसी के प्रयत्न में लगे रहते हैं। जो जिस स्थिति में है उसी में उसे आनंद की अनुभूति हो रही है। सभी लोग इसलिए प्रफुल्लित हैं क्योंकि सभी को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु साधन प्राप्त हैं। परंतु हम जिस स्वाभाविक आनंद की बातें करते हैं वह वस्तुतः इन्द्रियजनित सुख है। वह चिरस्थाई नहीं है, वह अस्थाई और कभी-कभी तो क्षणिक होता है। उदाहरण के लिए हम काम-भावना को ही लें। मन के छः विकारों, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्स्र्य में काम सबसे भयंकर है। वह इन सभी शत्रुओं का सेनापति है। कामसुख क्षणिक होने के साथ-साथ हमारे शरीर बल, मनोबल, और प्राणशक्ति का बुरी तरह नाश करता है। इसलिए कहा भी जाता है, 'वे सभी सुख जिनसे इंद्रियों के विषय तृप्त हो, वास्तविक आनंद की कोटि में नहीं रखे जा सकते हैं। इन्हें केवल सुख कहना ही उचित होगा'।

पूर्ण आनंद वह है जहाँ विकृति न हो। किसी तरह की आशंका, अभाव या परेशानी न उठानी पड़ती हो। स्वाभाविक जीवन में जो आनंद मिल रहा है, उसमें हमारा अभ्यास बन गया है। इसलिए वह अनुचित हो तो भी वैसा नहीं लगता। आनंद से शुद्धतम आनंद की प्राप्ति के लिए दृष्टिकोण परिमार्जन की आवश्यकता अनुभव की जाती है। यही आनंद की परख की कसौटी कही जाती है।

लौकिक आनंद सिद्धिदाता नहीं है। इससे जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं होता है। विचार, बुद्धि, तर्क, विवेक की जो साधारण तथा असामान्य शक्तियां मनुष्य को प्राप्त होती हैं, वे केवल सुखों के अर्जन में ही लगी रहें तो इसमें कुछ अनोखा नहीं। देखने वाली बात यह है कि जीवन दीपक बुझने के पूर्व क्या हमने अपने आपको पहचान लिया है कि हम कौन हैं? इस प्रश्न का सुलझ जाना ही सबसे बड़ी बुद्धिमानी है। आत्मज्ञान आनंद का मूल है। मनुष्य इस विषय में अज्ञानी बना रहे तो लौकिक जीवन में भटकते रहना पड़ेगा। सिद्धि आत्मा की शरण में जाने से ही मिल सकती है। मनुष्य की अन्यन्य आशंकाएँ आत्मज्ञान के अभाव में दूर होना संभव नहीं है। हम यह जो प्रतिदिन हैं, उससे भी स्पष्ट है कि हमें थोड़े आनंद की अपेक्षा अधिक शुद्ध और पूर्ण आनंद की तलाश है जो स्थाई और पूर्ण हो। ऐसा आनंद लौकिक जीवन में उपलब्ध नहीं है। तब फिर पारलौकिक जीवन की बात सामने आती है और आत्मा-परमात्मा पर भी ध्यान जाने लगता है। यह सिद्धि भगवान की शरण में जाने से मिल सकती है।

"जगद्गुरू शंकराचार्य" ने भी बताया है, 'यह संसार मरूभूमि है, इसमें सुख चाहते हो तो भगवान की शरण लो।' हम भोग से आनंद अनुभव करते हुए नहीं जानते कि इस संसार में कुछ और भी श्रेष्ठताएं हैं। विचार द्वारा यदि आत्मा और परमात्मा के अस्तित्व की बात समझ में आ जाए तो भोग की अपेक्षा त्याग में ही आनंद का अनुभव करने लगेंगे और तब दिन-प्रतिदिन मूल लक्ष्य की ही ओर बढ़ते चलेंगे। फिर यह शिकायत नहीं रहेगी कि ईश्वर चिंतन में आनंद नहीं आता।

आध्यात्मिक आनंद भौतिक और स्थूल आनंद की अपेक्षा सहस्र गुना अधिक है। इसलिए विज्ञजन सदैव ही यह प्रेरणा देते हैं कि मनुष्य शारीरिक हितों को पूरा करने में ही न लगा रहे। मनुष्य जीवन जैसे असाधारण उपहार पर भी आंतरिक दृष्टि से कुछ विचार करें। बंधनमुक्त आनंद ही स्थाई होता है। विषयजन्य सुखों की अनुभूति तो होती है परंतु जिसे हम उचित समझते हैं, वह व्याधिकारक होती है। आनंद की कल्पना से किया गया कर्म यदि विक्षेप उत्पन्न करे तो उस आनंद को शुद्ध और पूर्ण मनुष्योचित नहीं समझा जाएगा।

आज हर घड़ी आनंद की खोज में ही हमारी जीवन यात्रा पूरी हो रही है परंतु शाश्वत, निरंतर तथा पूर्ण आनंद प्राप्त नहीं हो रहा है। हम शरीर के हित तो पूरे करते हैं किंतु शरीर में व्याप्त यह जो आत्मा है, उसे विस्मृत कर रहे हैं जबकि आत्मा ही हमारे अज्ञान, आसक्ति और अभावों को दूर करने में सक्षम होती है। ये तीन परेशानियाँ विघ्न पैदा न करें तो जिस आनंद की तलाश में हम हैं, वह इसी जीवन में उपलब्ध हो सकता है। आत्मा के विकास से ही अबाध, शाश्वत आनंद की प्राप्ति हो सकती है।

**रीना मलिक**
एम. ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष)

अच्छे शब्दों के प्रयोग से बुरे लोगों का भी दिल जीता जा सकता है।

- महात्मा बुद्ध

# विश्व शांति एवं महात्मा गांधी

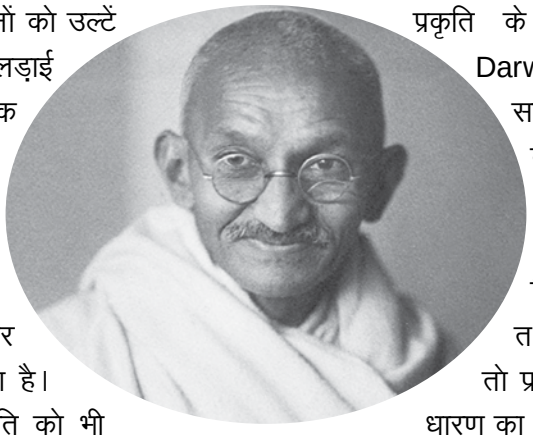

प्रारंभ से ही यदि हम इतिहास के पन्नों को उल्टें तो पाएंगे कि सत्ता और शक्ति की लड़ाई अबाध गति से चलती रही है। राजनैतिक रंगमंच पर भी यह लड़ाई शुरू से लेकर आज तक विश्व मंच पर अवस्थित है। विकास की दौड़ में जो देश आगे तथा आर्थिक रूप से संपन्न रहा है, उसने अपने से कमजोर देश पर आक्रमण कर उस पर अपना प्रभुत्व स्थापित किया है। साथ ही उस देश की धर्म व संस्कृति को भी धराशाही कर अपने धर्म व संस्कृति का प्रचार एवं प्रसार किया है। मगर धर्म कोई वस्तु या व्यक्ति नहीं जो नष्ट हो जाए। बल्कि धर्म जीवन को गति देने वाला वह तत्व है जो सैद्धान्तिक नहीं व्यावहारिक है। सृष्टि के जो भी शाश्वत एवं सनातन नियम हैं, वही धर्म हैं। इसके बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। प्रत्येक धर्म विश्व शांति का आह्वान करता है और मानव कल्याण का पोषक होता है।

युद्ध की समस्या अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सभी स्तरों पर कालों तथा लगभग सभी स्थितियों में ध्यान का केंद्रीय मुद्दा रही है। युद्ध एक संस्था के रूप में विकसित हो चुका है और उतना ही प्राचीन है जितनी मानवता। दो महायुद्धों की विभीषिका से गुजरे क्षतविक्षत विश्व के सामने आज की ज्वलंत समस्या है –"विश्व शांति"।

आज भी जब एक ओर शांति की चर्चा सर्वव्यापी है, युद्ध की आग यहाँ–वहाँ जलती रहती है। प्रश्न उठता है–क्यों? यदि इसकी जड़ में जाने की कोशिश करें तो एक कारण हम पाएंगे कि यह सारी लड़ाई धर्म की है। पूरे विश्व के साथ यह विडम्बना रही है कि हम धर्म का सही अर्थ खो बैठे हैं और उसे सांप्रदायिकता में बांधकर सीमित करते जा रहे हैं। आतंकवादियों का मकसद है–'शक्ति के बल पर सत्ता प्राप्त करना परंतु वे सहारा लेते हैं –धर्म का।'

वर्तमान में कुछ इस्लाम धर्मावलम्बियों की आतंकवादी कार्यवाहियां विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जहां तक इस्लाम धर्म का सवाल है, मोहम्मद अली ने लिखा है– इस्लाम अरबी भाषा का शब्द है – जिसका अर्थ है– 'शांति में प्रवेश करना' परन्तु इस्लाम की इस परिभाषा से शांति के विध्वंसक आतंकवादियों का कुछ लेना–देना नहीं है।

प्रकृति के संघर्ष के व्याख्याता Darwin के सिद्धान्त का सहारा लेकर यह सिद्ध करने का प्रयास करते हैं कि चूंकि अस्तित्व के संघर्ष में योग्यतम को ही जीवित रहने का अधिकार है इसीलिए अस्तित्व के लिए निरंतर संघर्ष आवश्यक है। यदि इस तथ्य को स्वीकार कर भी लिया जाए तो प्रश्न उठता है कि वर्तमान युद्ध जीवन धारण का अधिकार किसे देता है, कौन इस युद्ध के फलस्वरूप मरता है और कौन जीता है। युद्ध में वे सैनिक लड़ते हैं जो जवान और मजबूत होते हैं और मारे जाते हैं, जो बच जाते हैं वे होते हैं– औरतें, बच्चे और बूढ़े। तो क्या वे जीवन धारण करने के योग्य होते हैं?

एक और मान्यता है कि युद्ध से सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, सर्वश्रेष्ठ शासन और सर्वश्रेष्ठ जाति बच जाती है। क्योंकि युद्ध में जो हारता है उस पर विजेता अपनी संस्कृति और शासन पद्धति और जाति की विशेषता भी लादता है परंतु यह भी अनुपयुक्त है क्योंकि व्यवहार में ऐसा संभव नहीं है। जब दो जातियां मिलती हैं तब उनमें जातिगत विशेषताओं, संस्कृति एवं सभ्यता का आदान–प्रदान होता है और यह एकतरफा नहीं होता। इस प्रकार के आदान–प्रदान से दोनों प्रकार की संस्कृतियाँ और जातियाँ अपना मौलिक स्वरूप खो देती हैं।

कुछ लोगों का मत है कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि बड़ी-बड़ी सभ्यताओं को अपने को बनाए रखने के लिए बड़ी-बड़ी लड़ाइयाँ लड़नी पड़ी हैं। ऐसे युद्ध–पोषक विचारक अपनी बात को सिद्ध करने के लिए रोम, यूनान एवं अरब राष्ट्रों का नाम लेते हैं जिन्होंने युद्ध को अपनी नीति जैसा अपनाया है। लिखित दस्तावेज और पुरातत्व सामग्री इस बात को सिद्ध करती है कि युद्ध सभ्यता के साथ जुड़े हुए हैं।

परन्तु यह बात हमेशा सत्य नहीं है। सिन्धु घाटी सभ्यता अपने प्राचीन रूप से इजिप्ट और सुमेर सभ्यता से कम नहीं थी और पुरातत्व के अनुसंधान इस बात को सिद्ध करते हैं कि इस सभ्यता ने युद्ध के बारे में कुछ भी नहीं जाना था। युद्धवादी तो यह भी कहने से नहीं हिचकते कि शांति और न्याय के लिए युद्ध आवश्यक है।

जबकि गांधी जी का यह मानना था कि शांति और न्याय युद्ध से प्राप्त नहीं होते। युद्ध के बाद जो शांति आती है वह सशस्त्र शांति होती है, हारने वाला कभी अपने हार से संतुष्ट नहीं हो सकता। वह प्रतिशोध के अवसर की तलाश में रहता है और सैनिक हार का प्रतिशोध सैनिक जीत से लिया जाता है। इसीलिए इतिहास में युद्धों का सिलसिला निरन्तर चलता आया है।

युद्ध हमारी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं है। इसीलिए विश्व में स्थाई शांति और न्याय के लिए किसी और साधन की आवश्यकता है। परंतु वह साधन ऐसा होना चाहिए जो संतोषजनक हो साथ ही उत्प्रेरक, उत्साहवर्धक और महान गुणों को उत्पन्न करने वाला हो। इस प्रकार की वस्तु का श्रेष्ठतम उदाहरण–सत्याग्रह है। सत्याग्रह के गुणों की चर्चा करते हुए गांधी जी ने लिखा है–

"यह एक बहुधारी तलवार है जिसे किसी भी प्रकार प्रयोग किया जा सकता है। यह उसे भी संरक्षण देती है जो इसका प्रयोग करता है और उसे भी जिसके विरुद्ध प्रयोग किया जाता है। बिना एक बूंद रक्त गिराए बहुत दूर तक साथ देने वाले प्रतिफल उत्पन्न करती है। इसमें कभी जंग नहीं लगता और न इसे कोई चुरा सकता है।"

गांधी जी के बताए हुए अहिंसक रास्ते पर चलकर भारत स्वतंत्र हुआ। अहसहयोग व सविनय अवज्ञा आन्दोलन आदि कदमों की मदद से गांधी जी ने स्वराज्य का रास्ता तय किया। गांधीजी का चिंतन भारत ही नहीं समूचे विश्व के भद्रलोक (Elite) के लिए चिंतन का विषय है। गांधी ब्रिटिश साम्राज्यवाद के लिए जितना खतरनाक थे उससे भी ज्यादा खतरनाक वह पश्चिमी मूल्यों, संस्थाओं और मान्यताओं के लिए थे। वे पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, फासीवाद, सैनिकवाद, नस्लवाद के कट्टर विरोधी थे। गांधी जी ने राष्ट्रीय मामलों में ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भी किसी भी विवाद के हल के लिए सत्याग्रह को युद्ध से श्रेष्ठ माना है। इतिहास में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं जहाँ गांधी ने अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर अहिंसा को सर्वोपरि स्थान दिया है और अहिंसक सत्याग्रह को सर्वोच्चता प्रदान की है।

अमेरिका में Life Magazine नामक एक अखबार निकलता था। उन्होंने एक बार गांधी जी का इंटरव्यू लिया जिसमें यह सवाल पूछा गया कि– बापू यदि कोई शहर हो और उस पर Nuclear Attack हो तो क्या आप Non-Violence पसन्द करेंगे। तो उन्होंने कहा, हाँ मैं तो Nuclear Attack के समय भी Non-Violence पसन्द करूंगा। वह बोले मान लो यदि वहाँ के नागरिक मर भी जाएं तो उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उससे जो Spirit पैदा होगी वो सिर्फ उस शहर के लिए ही नहीं बल्कि सारी दुनिया के लिए एक बड़ा भारी सन्देश होगा। इससे बढ़िया कोई सत्याग्रह नहीं है।

सत्याग्रह की सार्थकता का एक ज्वलन्त उदाहरण गांधी जी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने लिखा– "मोरक्को युद्ध के समय फ्रांसीसी बन्दूकें मोरक्को के अरबों के ऊपर तनी हुई थी। अरबों का विश्वास था कि वे अपने धर्म के लिए लड़ रहे हैं, उन्होंने मृत्यु के परवाह नहीं की और अल्लाह का नाम अपने अधरों पर लिए हुए तोप के मुंह की ओर दौड़ पड़े। फ्रांसीसी तोपचियों ने इन अरबों के विरुद्ध तोपों को चलाने से इन्कार कर दिया। उन्होंने तोपों को हवा में उछाला और आनंद से चीखते हुए अरबों की ओर दौड़ पड़े और उन्हें गले से लगा लिया।"

गांधीजी के आलोचकों ने गांधीजी की इस मान्यता के विरोध में यह कहा कि व्यक्ति और व्यक्ति के बीच संबंधों में सत्याग्रह उपयोगी हो सकता है किन्तु आधुनिक युग में जहाँ यंत्रीकरण के कारण मानवीय संस्पर्श न्यूनतम रह गया है, वहाँ यह उपयोगी नहीं होगा।

गांधी जी ने इस आलोचना को अस्वीकार कर दिया और कहा कि आतंक की नीति के पीछे यह मान्यता होती है कि यदि आतंक जोरों से फैलाया जाए तो उसका निश्चित फल होता है। किन्तु यदि यह मान लिया जाए कि लोग आतताई की इच्छानुसार प्रतिक्रिया नहीं करेंगे और न ही उसके साधनों से उस पर जवाबी हमला करेंगे तब वह आतताई आतंक को निष्प्रयोजन समझ कर छोड़ देगा। उन्होंने कहा– "कि यदि किसी को काफी भोजन प्रदान कर दिया जाए तो एक समय आएगा जब वह भरपेट महसूस करेगा। यदि दुनिया के सारे चूहे एक सम्मेलन बुला कर यह निश्चित करें कि वे बिल्ली से नहीं डरेंगे तो चूहे बच जाएंगे।"

आज के संघर्षमय वातावरण में यह गांधी ही हैं जो हमें प्रकाश की ओर ले जाते हैं। उनके विचार सर्वमान्य एवं सार्वकालिक हैं। गांधी जीवन दर्शन में किसी समस्या का हल हिंसा नहीं है। अब समय आ गया है कि ऐसे प्रश्नों पर विचार होना चाहिए। इससे पहले कि कोई बटन दबाए और राकेट छूट पड़े। इसमें संदेह है कि मानव सभ्यता एक और युद्ध झेल सकती है। इसीलिए विकल्प के बारे में सोचा जाना चाहिए। बल्कि इस संकट से बच निकलने का मार्ग अहिंसा का ही मार्ग है। भारत और विश्व को अपनी समस्याओं का हल गांधी जी के चिंतन और दर्शन में ही खोजना होगा। इस शताब्दी की त्रस्त मानवता

के लिए गांधी एकमात्र उत्तर है। गांधी जी द्वारा प्रतिपादित सत्य और अहिंसा के मार्ग पर नीग्रो गांधी 'मार्टिन लूथर किंक' नीग्रो समाज को अपने मौलिक अधिकार दिलाने में सफल हुए। नेलसन मंडेला 26 वर्षों तक जेल में रहने के उपरांत दक्षिण अफ्रीका में लोकतन्त्रीय सरकार बनाने में सफल हुए। स्पष्ट है कि गांधीवाद द्वारा विश्व को सुरक्षित रखा जा सकता है। समकालीन चुनौतियों के लिए एकमात्र गांधीजी ही प्रासंगिक हैं। राजीव गांधी ने महात्मा गांधी को न केवल 21वीं सदी का बल्कि आने वाली सभी सदियों का मसीहा कहा।

भारतवर्ष में गांधी की मूर्तियां बना दी गई हैं और उनके विचारों को उन मूर्तियों के साथ जड़ बना दिया गया। एक तरफ उनकी पूजा होने लगी और दूसरी तरफ उनके दर्शन एवं विचारों की घोर और अवहेलना। गांधी की पूजा आवश्यक नहीं है आवश्यकता इस बात की है कि हम गांधी के विचारों का नयी आवश्यकताओं व संदर्भों में पुनः मूल्यांकन करें।

आज गांधी जी के सिद्धांतों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त है परन्तु इसके साथ यह भी एक तथ्य है कि कुछ लोग उनके सिद्धांतों के प्रति शंकालु और संदेहशील हो कर यह कह बैठते हैं कि गांधीवादी विचारधारा अब संदर्भ से बाहर की वस्तु हो गई है। उसके द्वारा हमारे समाज के हित साधन की कोई सम्भावना नहीं है, उसे तो किसी गहरे गड्ढे में दफना दिया जाना चाहिए। इसी मनोवृत्ति को लक्ष्य करते हुए यह लोकोक्ति चल पड़ी है कि–

"मजबूरी का नाम महात्मा गांधी"।

हमारी यह धारणा है कि गांधीवाद को ठीक तरह एवं गंभीरतापूर्वक समझने का प्रयत्न बहुत कम लोगों ने किया है। यदि मानव अपने अस्तित्व को बचाना चाहता है, अपना संरक्षण चाहता है तो उसे गांधी मार्ग को अपनाना ही होगा। मात्र यही मार्ग हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला है–

"सौ–सौ निराशा रहे,
विश्वास यह दृढ़ मूल है
अनुकूल अवसर पर दयामय
फिर दया दिखलाएंगे,
वे दिन यहाँ फिर आएंगे,
फिर आएंगे, फिर आएंगे॥"

**डॉ. किरण मदान**
प्रवक्ता एवं अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान

## दोस्ती

इंसानों की इस बस्ती में,
किसी को न देवता बनाइए।
प्यार की पूजा के लिए,
दिल को अपना मंदिर बनाइए।
अजनबियों की तरह जीना ही
पैगाम नहीं जिंदगी का,
दुश्मनों के शहर में रहकर भी,
हो सके तो कुछ दोस्त बनाइए।
नफरतों के घने अंधेरों में,
हासिल नहीं होता कुछ खास,
जिंदगी को पाने की खातिर,
कुछ निशान प्यार के बनाइए।

**आरती**
बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)

## दोस्त अब थकने लगे हैं

किसी का पेट निकल आया है,
किसी के बाल पकने लगे हैं....
सब पर भारी जिम्मेदारी है,
सबको छोटी–मोटी कोई बीमारी है।
दिनभर जो भागते दौड़ते थे,
वो अब चलते चलते भी रुकने लगे हैं।
पर ये हकीकत है, सब दोस्त थकने लगे हैं।
किसी को लोन की फिक्र है,
कहीं हेल्थ टेस्ट का जिक्र है।
फुर्सत की सबको कमी है,
आंखों में अजीब सी नमी है।
कल जो प्यार के खत लिखते थे,
आज बीमे के फार्म भरने में लगे हैं।
पर यह हकीकत है,
सब दोस्त थकने लगे हैं .....

**चिंकी सलूजा**
सहायक प्राध्यापिका (जीव विज्ञान विभाग)

## बेरोजगारी

वैसे आदमी रौबदार था,
पर बेचारा बेरोजगार था।
चप्पल क्या, एड़ियाँ घिसा रहा था,
पर रोजगार स्वप्न बुनता जा रहा था।

यूँ तो डिग्रियों की भरमार थी,
पर बिना सिफारिश सब बेकार थीं।
शायद यह पिछले कर्मों का नतीजा था,
वह किसी का भाई ना भतीजा था।

उसकी किस्मत यहाँ भी फुस्स थी,
क्योंकि उसके पास नहीं कोई घूस थी।
जब थका तो खून खौलने लगा,
दिन–रात बेरोजगारी पर बोलने लगा।

हर बेरोजगार उसके शब्दों को तोलने लगा,
बोलते–बोलते इतना आगे बढ़ गया,
कि राष्ट्रीय दल का नेता बन गया,
राष्ट्रीय बेरोजगारी संघ बना डाला।

दस–दस रूपये करके सबको मिला डाला,
बेरोजगार संघ बढ़ता जा रहा है,
उसकी अमीरी पर पैरामीटर चढ़ता जा रहा है।

आज भी वह बेरोजगार है,
फिर भी उसके पास बंगला, कार है।
नौकरी की एक से एक पेशकश आ रही,
पर सब ठुकराई जा रही हैं।

उसकी अपनी बेरोजगारी ही सबसे नेक है,
आज सब कुछ बेरोजगारी की देन है,
भला नेता नौकरी पर कैसे जा सकता है,
यह सदाबहार धंधा कैसे गंवा सकता है।

**प्रीति**
एम.ए. (द्वितीय वर्ष) (हिन्दी)

## हमारी राष्ट्र भाषा हिन्दी

हमारी राष्ट्र–भाषा 'हिन्दी' पिछड़ती जा रही है,
यह देख हमें लज्जा भी नहीं आ रही है।
हम आज हिन्दी दिवस मना रहे हैं,
पर हिन्दी दिवस पर भी अंग्रेजी में गा रहे हैं,
हम अंग्रेजी में बोलकर प्रभाव दिखा रहे हैं।
अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं,
हमारी राष्ट्र–भाषा हिन्दी पिछड़ती जा रही है,
यह देख हमें लज्जा भी नहीं आ रही है।

अनपढ़ नेता अंग्रेजी में भाषण दे रहे हैं,
जनता पढ़ा–लिखा सोचकर वोट दे रही है।
आज हमारी भाषा डूबती जा रही है,
पर हम कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।
हम अपना काम कल के ऊपर छोड़ रहे हैं,
उस कल के ऊपर आज को भी खो रहे हैं,
हमारी राष्ट्र–भाषा हिन्दी पिछड़ती जा रही है,
यह देख हमें लज्जा भी नहीं आ रही है।

मैं मानती हूँ अंग्रेजी भाषा भी जरूरी है,
पर 'हिन्दी' को राष्ट्र–भाषा की मंजूरी है,
हम अपनी सभ्यता को भूलते जा रहे हैं,
यह देख 'वंदिता' बहुत उदास हो रही है,
पर दुःखी हुए अपने मन को समझा रही है,
हमारी राष्ट्र–भाषा 'हिन्दी' पिछड़ती जा रही है,
यह देख हमें लज्जा भी नहीं आ रही है।

**वंदिता तंवर**
बी.ए. तृतीय वर्ष

मनुष्य का सबसे बड़ा यदि कोई शत्रु है तो वह है उसका अज्ञान।

– चाणक्य

## अमृत की बूंदे

- सुंदरता की खोज में संसार में घूमने की जरूरत नहीं वह तो हमारे अंदर है, जरूरत है तो उसे महसूस करने की।
- सुंदरता न पुरुष में होती है न स्त्री में, बल्कि प्रेम के उस पल में होती है जो पंख लगाए उन दोनों पर छा जाता है।
- कुरूप मन से कुरूप चेहरा अच्छा होता है।
- मनुष्य का स्थान हमेशा पद से ऊंचा होता है।
- प्रत्येक व्यक्ति का जन्म समाज में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए होता है।
- जिसे जीतने का विश्वास होता है, वह अवश्य जीतता है।
- नम्रता से देवता भी वश में हो जाते हैं।
- जिस तरह कीड़ा कपड़ों को कुतर डालता है उसी तरह ईर्ष्या मनुष्य को।
- क्रोध मूर्खता से शुरू होता है और पश्चाताप पर खत्म होता है।
- सम्पन्नता मित्रता बढ़ाती है, विपदा उनकी परख करती है।
- तलवार की चोट उतनी तेज नहीं होती, जितनी जिह्वा की।
- तीन सच्चे मित्र हैं– बूढ़ी पत्नी, पुराना कुत्ता और एकत्रित धन।
- घर में मेल होना स्वर्ग के समान है।
- प्रेम मनुष्य को खींचने वाला चुंबक है।
- मनुष्य के तीन सद्गुण हैं –आशा, विश्वास और दान।

**मुस्कान**
बी.ए. तृतीय वर्ष

## हमारे देश में

बापू हमारे देश में
नेता है खादी के वेश में
प्रजातंत्र के रखवाले हैं
देश इन के हवाले है
किसान आत्महत्या करता है
शिक्षक काम के बोझ से मरता है
जनता भूख से बदहाल है
बापू देश का यह हाल है
न्याय बहरा गूंगा है
जनसेवकों ने जनता को ठगा है
जनतंत्र में भ्रष्टाचार है
हर पत्र में यही समाचार है
देश में सांप्रदायवाद एवं जातिवाद है
क्षेत्रवाद एवं भाषावाद है
आतंकवाद एवं नक्सलवाद है
परिवारवाद एवं अवसरवाद है
देश में कई बेईमान हैं
फिर भी हमारा भारत महान है
सड़कों पर लगता जाम है
यह समस्या आम है
नाम के लिए हर कोई मरता है
काम कोई नहीं करता है
बापू आजाद भारत की यह कहानी है
हिंदुस्तान की जनता की जुबानी है

**प्रीति शर्मा**
एम.ए. (प्रथम वर्ष)

## चाणक्य ने कहा था

1. कोई काम शुरू करने से पहले, स्वयं से तीन प्रश्न कीजिये – मैं यह क्यों कर रहा हूँ, इसके परिणाम क्या हो सकते हैं और क्या मैं सफल होऊंगा। और जब गहराई से सोचने पर इन प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर मिल जाएँ, तभी आगे बढ़िए।
2. शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। शिक्षा सौन्दर्य एवं यौवन को परस्त कर देती है।
3. कोई व्यक्ति अपने कार्यों से महान बनता है, अपने जन्म से नहीं।
4. सबसे बड़ा गुरुमंत्र है : कभी भी अपने राज दूसरों को मत बताएं। यह आपको बर्बाद कर देगा।
5. फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है, लेकिन व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।
6. हमें भूत के बारे में पछतावा नहीं करना चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते हैं।
7. कभी भी उनसे मित्रता मत कीजिये, जो आपसे कम या ज्यादा प्रतिष्ठा के हों। ऐसी मित्रता आपको खुशी नहीं देगी।
8. किसी भी व्यक्ति की वर्तमान स्थिति को देख कर उसका उपहास मत उड़ाओ क्योंकि काल में इतनी शक्ति है की वह एक मामूली से कोयले के टुकड़े को हीरे में बदल सकता है।
9. आलसी मनुष्य का वर्तमान और भविष्य नहीं होता।
10. अपने पिता की दौलत पर क्या घमंड करना। मजा तो तब है, दौलत अपनी हो और गर्व पिता करे।
11. जो शक्ति नहीं होते हुए भी मन से नहीं हारते, उन्हें दुनिया की कोई भी ताकत नहीं हरा सकती।

**डॉ रामेश्वर दास**
अध्यक्ष, इतिहास विभाग

## मातृभाषा

तुम हिन्दी से क्यों शर्माते हो,
अंग्रेजी को क्यों अपनाते हो।
मातृभाषा हिन्दी हमारी,
सब भाषाओं से है प्यारी।
स्वाभिमान की है निशानी,
देश की उन्नति की लिखी इसने कहानी।
सब भाषाओं की महारानी,
अन्य भाषाएं भरें इसके आगे पानी।
अंग्रेजी, उर्दू, बंगाली और राजस्थानी,
सब भाषाओं की है यह नानी।
भारत के गौरव की निशानी,
विश्व भर में जानी–मानी।
गांधी, नेहरू, पटेल की वाणी,
वाजपेयी ने रची राष्ट्रभाषा हिन्दी में भाषण देकर नई कहानी।
लेकिन दुःख इस बात का है,
आज के भारतीय ने इसे भुलाया है।
माँ जैसे प्यारे शब्द को मम्मी और मोम बनाया है,
लेकिन याद रखना अरे इंसान,
जिस प्रकार बिना माँ के संसार अधूरा है,
उसी प्रकार बिना मातृभाषा के देश–प्रेम अधूरा है।

**रीतु**
एम.ए. (द्वितीय वर्ष)

## भोलापन

बच्चों की हंसी में,
एक नन्ही कली में...
भोलापन दिखाई देता है।
खिलखिलाती धूप में,
माँ की फूँक में,
बच्चों के झूठे थूक में...
इक भोलापन दिखाई देता है।
सावन की बारिश में
मजाक की साजिश में
इक भोलापन दिखाई देता है।
रूठने–मनाने में
शादी के गानों में
बारिश में नहाने में ...
इक भोलापन दिखाई देता है।
दोस्ती की खुशी में
नानी की परी की झूठी कहानी में
इक भोलापन दिखाई देता है।
कान्हा की बांसुरी में
भोली की डुग–डुगी में
मारुति के रंग सिंदुरी में
इक भोलापन दिखाई देता है।

**रीना मलिक**
एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष)

## गरीबी

एक दिन मुझे रास्ते में मिल गई गरीबी,
मैंने पूछा क्या हाल है।
मैं बोली, बहुत दिन हो गए तुम्हें भारत में रहते हुए,
कुछ दिन मायके रहने चली जाओ,
विदेश जाकर अपनी बड़ी बहन से मिल आओ।
गरीबी बोली,
इस देश से तो मेरा जन्म–जन्म का नाता है,
भला ऐसे भी कोई घर छोड़कर जाता है।
फिर आजकल तो मेरा नाम है,
आता चुनाव जीतने के काम है,
मैं नहीं रही तो ये किसे हरायेंगें,
चुनाव लड़ना भूल जाएंगे।
फिर भारत तो मेरे पति का घर है,
जवानी में ब्याह कर यहां आई थी,
अब बुढ़ापे में कहां जाऊंगी।
याद रखो गरीबी एक पतिव्रता स्त्री है,
किसी के हटाने से नहीं हटेगी,
डोली में सवार होकर आई थी,
कंधों पर सवार होकर जाएगी।

**नेहा**
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

# अनमोल वचन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। किन्तु मनुष्य के साथ–साथ इस पृथ्वी पर अन्य जीव भी अपना जीवन व्यतीत करते हैं,जैसे पशु, पक्षी, कीट–पंतगे आदि। जिस प्रकार मनुष्य को अपना जीवन प्रिय होता है, उसी प्रकार इन सभी जीवों को भी अपना जीवन प्रिय होता है। इस कथन को स्पष्ट करने के लिए मैं अपनी छोटी सी कहानी लिख रही हूँ।

एक बार एक साहूकार था। उसके चार पुत्र थे। वे सब प्रसन्नतापूर्वक रहते थे। साहूकार बुढ़ापे की अवस्था में आए ही थे कि किसी पुरोहित ने कहा– "तुम्हें अगले जन्म में सूअर की योनि मिलेगी।"

यह जानकर साहूकार चिन्ता में डूब गया कि अब मुझे क्या करना चाहिए? साहूकार ने पुरोहित से फिर से सलाह ली। पुरोहित ने कहा– तुम्हें सूअर की योनि में अपने ही शहर के पिछड़े वर्ग में जन्म लेना होगा, इतना ही नहीं तुम अपने पुत्र और परिवार वालों को आसानी से पहचान सकोगे। साहूकार को यह सुनते ही बड़ा धीरज मिला। साहूकार ने सोचा कि मैं अगला जन्म लेते ही अपने पुत्रों से अपनी हत्या करवा दूंगा, जिससे जल्द ही मुझे सूअर रूपी जन्म से मुक्ति मिल जाएगी। उसने अपने पुत्रों से पुरोहित की कही हुई भविष्यवाणी सुनाई और उनको कहा जब मैं सूअर रूप में तुम्हारे सामने आऊं, तो मैं अपने अगले पैर जोड़कर तुम्हारे सामने खड़ा हो जाऊंगा। तुम मेरा यही संकेत देखकर मुझे गोली मार देना, ताकि मैं ऐसी नीची जिंदगी न जी सकूँ। पुत्रों ने अपने पिता के वचनों को सत्य मानकर उनको वचन दिया– "पिताजी हम ऐसा ही करेंगे।"

समय अपनी धारा में बहता चला गया और साहूकार मनुष्य देह को त्याग कर सूअर रूप में जन्म ले चुका था। वह अपने पुत्रों के समक्ष भी आ गया और पुरोहित की कही हुई हर बात सत्य हो गई। जब पुत्रों ने देखा कि कोई सूअर उनके घर के सामने अपने आगे के पैर जोड़कर खड़ा है, पहले तो साहूकार के पुत्रों ने दिया हुआ वचन याद आते ही उसे गोली मारने का निश्चय कर लिया और फिर अपने घर के अंदर लाकर उसे जब गोली मारने लगे तो वह सूअर रूपी पिता हाथों को जोड़कर कानों को पकड़ कर खड़े हो गए। पुत्र इस बात को समझ न पाए तो उन्होंने उसी पुरोहित से सारी घटना विस्तार से कही और कहा– पिता सूअर रूपी जीवन जीना नहीं चाहते थे। पुरोहित ने पुत्रों की बात सुनकर कहा– अब तुम्हारे पिता कानों को पकड़कर कहना चाहते हैं कि उसे माफ कर दो, क्योंकि अब वह मरना नहीं चाहता, उसे अपना यही जीवन प्रिय है। पुत्रों ने पुरोहित की बात मान ली और उसे आजाद कर दिया।

अतः हमें कभी भी अपने जीवन में अहंकार की भावना नहीं रखनी चाहिए। जिस तरह से सूअर रूपी जीवन एक नीची प्रजाति को प्रदर्शित करता है, उसी तरह अमीरी, गरीबी, पशु, पक्षी ये सब जीवन परमात्मा की देन हैं।

शिक्षाः– भगवान् ने जीवन दिया है, वह अच्छा हो या बुरा, सभी को उसे हंसकर स्वीकार कर लेना चाहिए, क्योंकि जीवन अनमोल है।

**सोनिया शर्मा**
बी. ए. (प्रथम वर्ष)

# समय का सदुपयोग

समय तेजी से भागते हुए ऐसे व्यक्ति के समान है जिसके सिर पर केवल सामने कुछ बाल हैं, पीछे का भाग गंजा और बहुत चिकना है। यदि आगे से ही उसे पकड़ लें तब ठीक है बाद में फिर वह हाथ नहीं आता, तुरंत सरक जाता है। जो पल बीत गया सो बीत गया। कहा भी गया है– गया वक्त फिर हाथ नहीं आता।

मानव जीवन में समय अति महत्वपूर्ण माना जाता है। समय सबसे बलवान है। बीता हुआ समय पुनः लौटकर नहीं आता है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। समय किसी पर दया नहीं करता। वह आता है अपना कार्य कर आगे बढ़ जाता है। इसके आने-जाने का मनुष्य को जब पता चलता है जब वह चला जाता है और मनुष्य उसका लाभ न उठाकर पछताता रह जाता है। इसीलिए कहा गया है –

'अब पछताये होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।' मानव जीवन की सफलता का रहस्य भी समय के समुचित रूप से उपयोग करने में निहित है। इसी कारण सुप्रसिद्ध संत तथा विचारक गोस्वामी तुलसीदास ने कहा थाः–

**'का वर्षा जब कृषि सुखाने, समय चुकी पुनि का पछताने।'**

समय निर्दयी होने के साथ–साथ हमारे लिए बहुत उदार भी है। वह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उचित समय पर आता है। जो व्यक्ति उसके आने को पहचान कर उसका उचित उपयोग करता है वह जीवन में सफल हो जाता है। पर समय को पहचान कर काम ना करने से मनुष्य हाथ मलते रह जाता है। कोई भी कार्य कल पर नहीं टालना चाहिए क्योंकि बीता हुआ समय फिर नहीं आता। कबीर का यह कथन है :

**'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब,**
**पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब।'**

जो व्यक्ति आज के काम को कल पर नहीं छोड़ते,वे ही जीवन में सफल होते हैं। क्योंकि वर्तमान ही सब कुछ है,भूत समाप्त हो चुका है तथा भविष्य अभी गर्भ में है। अतः भूत और भविष्य दोनों के बारे में सोचना ही व्यर्थ है।

अंग्रेजी में कहावत है : 'The Moment, which is lost, is lost for ever'.

आज तक संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं उन सब ने समय का सदुपयोग किया। समय को व्यर्थ गंवाने में हम भारतीयों का जवाब नहीं है। आप अपने मित्रों के यहां पहुंचते हैं, पूछते हैं, "कहो भाई क्या कर रहे हो?" उत्तर मिलता है, "कुछ नहीं। यूं ही जरा गप्पें लड़ा रहा था।"

आप बताइए यह भी कोई काम है। जीवन का बहुमूल्य समय हम इस तरह से बिता देते हैं। हम भूल जाते हैं कि जो समय को नष्ट करते हैं समय उन्हें नष्ट कर देता है। अंत में इतना ही कहना चाहूँगी अच्छा होगा समय को पहचानें। उसका मूल्य समझें। उचित समय पर कार्य करके समय का सदुपयोग करें और जीवन जीने का वांछित लक्ष्य प्राप्त करें।

**अमित**
बी.ए. तृतीय वर्ष

# पहेलियाँ

- अंग्रेजी डिक्शनरी का एक ऐसा शब्द जिसमे पांचों स्वर (a, e, i, o, u) मौजूद हों?
  – Education
- उगता नहीं ढलता है, पर चलता है?
  – सिक्का
- वह क्या जिसमें फल है, फूल है और मिठाई है?
  – गुलाब जामुन
- भारत का कौन सा शहर है जिसे आईने में देखोगे तो दिखाई देगा?
  – सूरत
- कौआ उड़ता आकाश में, मगर रहता है कहाँ?
  – 'मगर' पानी में रहता है।
- उनसठ में क्या घटाएं की साठ रह जाए?
  – ऊन
- क्या है जो सफेद रहने पर गंदा, काला रहने पर साफ रहता है?
  – श्यामपटट् (ब्लैकबोर्ड)
- निम्न वाक्य में क्या खास बात है?
  THE QUICK BROWN FOX JUMPS OVER LAZY DOG.
  – इसमें अंग्रेजी के सभी वर्ण आते हैं (A to Z)
- दो संख्याएं बताइए जिन्हें आपस में गुणा करने या घटाने पर एक जैसा परिणाम मिलता है?
  – 1 9 व 0.95

**ईशा**
बी. ए. (प्रथम वर्ष)

# लक्ष्य

यह सच है कि लक्ष्य के बिना ज़िंदगी उस जहाज की भांति है जिसका कोई दिशासूचक यन्त्र न हो, उस डाक पत्र के सामान है जिस पर कोई पता न लिखा हो। ऐसे में जहाज का कप्तान जहाज को कैसे चला पाएगा, उसे क्या पता चलेगा कि उसका जहाज किस दिशा की और अग्रसर हो रहा है। इसी तरह से एक ऐसा पत्र जिसे डाक से तो भेजा जा रहा है लेकिन उस पर कोई पता नहीं लिखा गया है, ऐसे पत्र कि मंज़िल ही अस्तित्व में नहीं है। कोई मंज़िल, मुकाम न होने के कारण वह किस ओर रुखसत होगा – कहीं भी नहीं, वो बैरंग लौट आएगा। इसी प्रकार ज़िंदगी को दिशा देने के लिए भी दिशा सूचक यंत्र की आवश्यकता है। जी हाँ, पत्र की भांति ही ज़िन्दगी में भी पते का ज्ञान उतना ही आवश्यक है जितना जहाज में दिशा सूचक यंत्र का होना ज़रूरी है। लक्ष्य मनुष्य के जीवन में उसके कर्मों को निर्धारित करता है। उसकी गतिविधियों का संचालन करता है। ज़िंदगी के मार्ग में उसको आगे बढ़ाता है। उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और उसका उत्साह बढ़ाता है। लक्ष्य यानि निशाना अति महत्वपूर्ण है। यदि मनुष्य का एक विशिष्ट निशाना अर्थात उद्देश्य है तो उसके प्रयास उसी प्राप्ति की ओर कार्यरत रहेंगे। अन्यथा जीवन–पथ पर आगे बढ़ते हुए मार्ग की रूकावट उसकी गति को क्षीण करने की कोशिश करती है। यदि मनुष्य उसकी तरफ ध्यान दिए बिना, अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जीवन–पथ पर अग्रसर होता जाता है, तो यह बांधाएँ निश्चित रूप से ही उसका मार्ग छोड़ देती हैं। स्वयं को उस एक ओर ही केंद्रित कर वह वीर साहस से अपनी मंज़िल की ओर सफलतापूर्वक बढ़ता चला जाता है। इस सन्दर्भ में महाभारत के पात्र अर्जुन का उदाहरण वर्णनीय है। उसे अपने समय का सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर होने का सम्मान प्राप्त है। उसकी यह विशेषता थी की जब उसे लक्ष्य मिल जाता था तो वह स्वयं को निशाने की ओर ही पूर्णता केंद्रित कर लेता था। उसका ध्यान अपने लक्ष्य से परे इधर–उधर नहीं जाता था। यही कारण था की जब एक बार उसके गुरु द्रोणाचार्य ने अपने सभी शिष्यों को पेड़ पर बैठी एक चिड़िया की आँख में तीर से निशाना लगाने को कहा तो अर्जुन के अतिरिक्त कोई भी शिष्य वह निशाना न लगा सका, क्योंकि जब वे शिष्य निशाना लगा रहे थे तो किसी को पेड़, किसी को डाली और किसी को चिड़िया दिखाई दे रही थी और जब अर्जुन ने तीर चलाया तो वह सीधा अपने लक्ष्य में ही लगा, जिससे वह अपने गुरु से शाबाशी प्राप्त कर सका। इससे सिद्ध होता है कि एक दिशा में केंद्रित किये गए प्रयास निःसंदेह फलदायक होते हैं बशर्ते की उनमें परिश्रम का भी सम्मिश्रण हो। भाव यह है कि लक्ष्य निर्धारित करके उसकी प्राप्ति के लिए परिश्रम करने से अवश्य ही अच्छा फल मिलता है। जैसा की कहा भी गया है –

"कामयाब कभी नहीं होता,
आलस्य करे जो इंसान,
मेहनत करे जो, उसे मिले सफलता,
एक दिन बने वो महान्।"

**संदीप**
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

# English Section

"Your mind is the garden, your thoughts are the seeds.
The harvest can either be flowers or weeds."

-William Wordsworth

**Staff Editor**

***Dr Nidhi***

**Student Editor**

***Nidhi Rawal***

## CONTENTS


1. A Word to the Wise — Dr. Nidhi — 3
2. Democracy in India — Nidhi Rawal — 5
3. Brevity — Neelam — 6
4. Where there is a will, there is a way — Dr. Vinay Wadhwa — 6
5. Tibetan Gems of Wit and Wisdom — Dr. Vinay Wadhwa — 7
6. Fashion — Dimple — 8
7. Growing Indiscipline among Students — Neelam Satija — 9
8. Dark Fire — Vandana Kandhal — 10
9. Winners Versus Losers — Prof. Sarita — 11
10. The Man who Thinks He can... — Preeti Pal — 11
11. 10 Ways to Get Mentally Tough — Neha — 12
12. Don't Quit — Neha — 12
13. Magnificent Quotes — Pawan Kumar — 12
14. Painted Nails — Nidhi Rawal — 13
15. Humanity — Monika Goswami — 13
16. Stop Complaining and Start Living — Komal — 14
17. Friends — Komal — 14
18. Examination — Payal Tyagi — 14
19. My Dad — Sahil Garg — 15
20. Measures for Building Self–confidence... — Nimesh Goel — 15
21. Looks may be Deceptive — Nimesh Goel — 16
22. Golden Thoughts... — Nimesh Goel — 16

23. Thought for the Day 16
Komal

24. Fantasy and Reality 17
Himanshi Vats

25. What is IELTS? 17
Simran

26. That Girl 18
Himanshi Vats

27. What is Life? 19
Sonam

28. Confidence 19
Sonam

29. What is Education? 20
Simran Bhandari

30. Positive Thoughts 20
Anjali

31. Universal Literacy 20
Manisha

32. Tit–Bits 21
Pooja

33. Great Thoughts 21
Pooja

34. Books: The Greatest Treasure 22
Aman Kumar

35. Some Interesting Facts about English 22
Aman Kumar

36. Difference between a House and a Home 22
Aman Kumar

37. My Teachers 23
Pallavi

38. Importance of Colours in Life 23
Pallavi

39. This is Life... 24
Priyanka Punia

40. Soldier 24
Jaskirat Singh

41. The Greatness of India 24
Sadhna

42. A Question Asked from a Girl and Her Answer 25
Sadhna

43. Oh, God! Now Come to the Earth 25
Payal Giri

44. Inspirational Quote 25
Pinki

45. I have Learnt... 25
Payal Giri

46. Dreams 26
Nisha

47. Social Networking 26
Anjali Kalshan

48. A Reflection on Descartes' Meditation 27
Preeti

49. My Favourite Book 27
Rahul Singhmar

50. Fashion and the Modern Youth 28
Bhavya

51. Women Empowerment 28
Antim

52. Increasing Importance of English in Modern Times 29
Dharamvir

53. Confidence: A State of Mind 30
Rakhi

54. Sacred Space 31
Nikhil

55. Quotable Quotes 31
Kajal

56. Health 32
Pinki

57. What is Life Like? 32
Sahil

58. Three Things 32
Shalu

59. Friendship 32
Bhawna

60. The Truth Beyond Success and Failure 33
Vaishali

61. Children's Eyes 34
Pooja

62. Work is Worship 34
Sapna

63. Emotional Pain 35
Mohit

64. Different Views about 'Life' 35
Ashish

65. Happiness 36
Neha

66. Gems of Wisdom 36
Jasbir

## From the Editor's Desk

# A Word to the Wise

Matthew Arnold is said to have once pointed out:

> *"People think I can teach them how to write! What stuff is all this? Have something to say and say it as clearly as you can. Therein lies the secret of success."*

Those who have nothing to say only play with words. And a game of words, howsoever beautiful and charming, is nothing more than a type of crossword puzzle, which makes no sense or essence for any sensible reader. Idea, yes idea alone, is the thing that really matters. And an idea that is based on truth, beauty and goodness (*satyam, shivam, sundaram*) is all a reader really needs for the purpose. Always catch hold of an idea, an idea that is really significant, and everything else will follow in its wake.

Consider, for instance, the following little classic I happened to run into as a child:

Hearts, like doors, open with ease
To very, very little keys;
And never forget that two of these
Are 'I thank you' and 'As you please'.

What the poet means to say is that it is manners i.e. good manners that really matter in life. They add to the charm of life we actually live. What we really need in life is the charm of living.

What you contribute to *The Magazine* is expected to be remarkable for two things — what it says and how it says it.

Instead of looking about for things from here, there and everywhere, try to concentrate upon your own experiences in life—at home, at college, in the playground, in the market place, in the classroom at times and during a journey, on happenings, occurrences, incidents. Try to catch hold of them and try to put them together as colours in a rainbow, juice in an apple, warmth in the sun and freshness in water. That will surely add to the strength of your writing and will make it really new and original.

Whatever the theme or the subject you choose to concentrate upon must have something strikingly new about its presentation too. Even "The Thirsty Crow" you are so very familiar with can be wonderfully modernized. Dr. K.K. Rishi, a retired professor of Zoology, does not end this story with the words: "The crow quenched his thirst and flew away." Instead of that, he rather says: "The crow was a crow of the twentieth century, at once selfish and self-centered. So, he picked up some big pieces, of stone and bombarded the pitcher with them. He reduced the pitcher to pieces, so that none else could quench his thirst after that". How very original! And how very impressive. I'm sure, you will catch up with these suggestions and come out with something really better and much more appreciable.

Just one word more. All our students at I.B. College seem to be the lovers of poetry. That is all very fine. But poetry, as we must always remember, is not just "a complex of whim–whams." It is not just "an idea carried in a basket woven of sentences." It needs a lot more labour to put together "the best words in their best order." As compared to prose that is like "walking," poetry is like "dancing", which requires a lot more skill to be at the top. But, unfortunately, we have, today, come to accept that poetry is no better than what has come to pass for it at *"Hasya Kavi Sammelans"*, a series of jokes and senseless tit–bits. Next time, when you contribute a poem, pray come out with something better, something over–packed with tips of wisdom that may give sense and meaning to life. You are free to pluck flowers from other people's gardens. But at least the blending should be your own. Always keep in mind, however, that "a single flower of your own making is much better than a barrow load of flowers from other people's gardens."

**Dr. Nidhi**
(Staff Editor)

# Democracy in India

*"Democracy is a government of the people, by the people, for the people."*

**–Abraham Lincoln**

'Democracy' is a system of government in which the citizens exercise power directly or elect representatives from among themselves to form a governing body, such as a parliament. The term is derived from Greek word "demokratia", originally coined from "demos" (people) and "kratos" (rule). In English, it means "rule of the majority". India is the largest democratic country in the world. In India, there is a system of governance in which the public has the right to choose their own rulers. India was declared secular and democratic on 26th January, 1950. The democratic India believes in the principles of 'equality', 'liberty', 'justice' and 'fraternity'. The people from any caste, creed, sex, religion and region have an equal right to vote and choose their own representatives.

Four Major Pillars of Democracy:

1. Legistature
2. Executive
3. Judiciary
4. Media

The governments at the centre and in the states are democratically elected and follow the patterns of two houses of the Parliament – Lok Sabha and Rajya Sabha. The governments at the centre and in the states together elect the President of the country who is also the head of the state. The greatest strength of democracy is that there is no governments at all with the will of an individual, but the whole public participates in the elections and claims to make the right government. There are many national as well as regional parties in the country which take part in elections to form a government.

## Five Democratic Principles

Democracy in India works on Five Democratic Principles:

1. Sovereign: Its direct meaning is that India is free from the interference of any foreign power or its control.
2. Socialist: This aims at providing economic and social equality to all our citizens.
3. Secular: It means that people have the freedom to adopt or reject any religion.
4. Democratic: The Government of India is elected by the citizens of the country.
5. Republic: It means that nobody/nothing is prominent in the country, neither hereditary nor a king or queen.

While democracy in India has been appreciated worldwide, there are still miles to go. There are certain factors such as illiteracy, poverty, gender discrimination and communalism which impact the working of democracy in India. These factors need to be eradicated in order to allow the citizens to enjoy democracy in a true sense.

**Nidhi Rawal**
M.A. English (Previous)
(Student Editor)

# Brevity

I enjoyed last Sunday in the recollection of my memorable moments through the photos of my childhood. When I unfolded my album of school days I saw the photographs of my classmates. I recalled a few of them by their names as Kusum Lata Joshi, Kunwar Mahendra Partap Singh, Radhika Rani Goyal and Praduman Nehra. At once, it strikes into my mind if we still have such long names in our society. Earlier in some states of India, the name of a person used to include his father's name and surname in addition to his name. All of us know the full name of our Bapu "Mohan Das Karam Chand Gandhi". Nowadays, there are a few such names.

So, the question arises: How do we use names in the present time? Do we utter them as earlier. Definitely not. A change can be noticed. Most of our younger generation call 'Sush' to 'Sushmita' 'Vandi' to 'Vandana' and 'Aadi' to 'Aaditya'. Not only this they have also shortened the names of relationships. They employ 'Sis' for 'Sister', 'Mom' for 'Mother', 'Bro' for 'Brother'. Further, in the college, the students can be heard saying 'Eco' for 'Economics', 'Pol' for 'Political Science', 'His' for "History'. Besides conversation, they write truncated form like 'tut' for 'tuition', 'GM' for 'Good Morning', 'GN' for 'Good Night' and 'Hlo' for 'Hello'. The situation gets worse when they apply these novel and telescoped expressions in their answer–books while appearing for the university exams. For instance, they indite 'U' for 'You', 'R' for 'Are'.

In fact, the abbreviated and contracted forms should be exercised wherever they are necessary. Without doubt, "brevity" is mandatory in some cases especially when you have to pen more in less time. For eg. a student taking notes from his teacher during the lecture, a secretary noting down dictation from his officer. The students should practise only the permitted contracted forms like 'isn't' for 'is not', 'don't' for 'do not' etc. The students should certainly not use those grammatically incorrect shortened forms in the exams while answering the question paper otherwise the evaluator may also compress the marks in the paper of language! Be careful, dear students.

**Neelam**
Associate Professor of English

# Where there is a will, there is a way

You must have heard the name of Henry Ford the world famous owner of American Automobile Giant Ford Motors. When the production of cars was in its nascent stage, he decided to produce his famous V-8 motor for which he chose to build an engine with the entire eight cylinders cast in one block, and instructed his engineers to produce a design for the engine. The design was placed on paper, but the engineers were unanimous in the belief that it was simply impossible to cast an eight-cylinder engine-block in one place.

Ford said, "Produce it anyway."

"But", they replied, "it's impossible!"

“Go ahead”, Ford commanded, “and stay on the job until you succeed, no matter how much time is required”.

The engineers went ahead. There was nothing else for them to do, if they were to remain on the Ford staff. Six months went by, nothing happened. Another six months passed, and still nothing happened. The engineers tried every conceivable plan to carry out the orders, but the thing seemed out of question; "impossible!"

At the end of the year Ford checked with his engineers, and again they informed him that they had found no way to carry out his orders.

"Go right ahead" , said Ford, "I want it, and I'll have it."

They went ahead, and then, as if by a stroke of magic, the secret was discovered.

The Ford determination had won once more!

The above excerpt from Napoleon Hill's best-seller ***Think and Grow Rich*** brings home the truth that nothing is impossible and strong desire and dogged determination work wonders.

Moreover, it is also true that God helps those who help themselves. In this connection it would not be out of context to quote Paulo Coelho, the celebrated author of ***The Alchemist***, a novel whose more than 43 million copies have been sold worldwide and which has been translated into 56 languages. Coelho, focusing on The theme of his ***magnum opus*** says, "the central thesis lies in a phrase that king Melchizedek says to the shepherd boy–Santiago: 'When you want something, all the universe conspires in helping you to achieve it'."

There are innumerable people who are not able to make any mark in their life. Besides other factors, lack of will-power is the main cause of their failures. E.P. Whipple has rightly said, "The saddest failures in life are those that come from not putting forth the power and will to succeed." Victor Hugo also hammers the same point when he says that people do not lack strength; they lack will. Therefore, let's have clearly defined goals and develop strong desire and dogged determination to achieve them. Let hope, optimism and patience boost our endeavours. Sooner or later, we will realize the truth of Goethe's words, *"He who has a firm will moulds the world to himself "*.

**Dr. Vinay Wadhwa**
Asso. Professor of English

## Tibetan Gems of Wit and Wisdom

1. "A child without education is like a bird without wings."

   – Anonymous

2. "The secret of living well and longer is: eat half, walk double, laugh triple and love without measure."

   – Anonymous

3. "No matter what sort of difficulties, how painful your experience is, If we lose our hope, that's our real disaster."

   – Dalai Lama

4. "Be kind whenever possible. It is always possible."

   – Dalai Lama

5. "Having one hundred friends is too few. Having even one foe is too much."

   – Anonymous

6. "It is vital that when educating our children's brains that we do not neglect to educate their hearts."

   – Dalai Lama

7. "The ultimate source of a happy life is warm-heartedness. This means extending to others the kind of concern we have for ourselves".

– Dalai Lama

8. "All the world's great journeys begin with the first step."

– Anonymous

9. "Many of our problems stem from attitudes like putting ourselves first at all cost."

– Dalai Lama

10. "At the bottom of patience is heaven."

– Anonymous

11. "Words are mere bubbles of water: deeds are drops of gold."

– Anonymous

12. "He who has had enough to eat thinks of serving God: the hungry think of stealing."

– Anonymous

13. "The highest art is the art of living an ordinary life in an extraordinary manner."

– Anonymous

14. "The thousand brilliant accomplishments of the past cannot serve today's purpose."

– Anonymous

15. "Watch your character, it becomes your destiny."

– Anonymous

16. "Ask others for opinions but decide on your own."

– Anonymous

17. "However prosperous one may be, one shouldn't spoil one's child."

– Anonymous

18. "In this life, focus on achieving what is most meaningful."

– Anonymous

19. "Looked at from afar, trouble may seem as large as a hill."

– Anonymous

20. "The moth is killed by the flame; the greedy are killed by their avarice."

– Anonymous

21. "To change the world we must first change ourselves."

– Anonymous

**Dr. Vinay Wadhwa**
Associate Professor

## Fashion

In the present world, people are judged by their external appearance. It is a world where what you wear determines who you are. Sometimes back, while out for shopping, I happened to overhear a conversation, "Is this good on me? Does it make me look cool enough?" This is what inspired me to write on such a topic.

"Fashion" is an ever changing trend, that is completely different from the year before. With such changes, the whole concept and people's mindset regarding fashion will move to a whole new level. Hence, it is pointless to compare the previous generation's and our generation's attitudes towards fashion. It's obvious that such changes happen.

Of course, taking care of one's appearance and wanting to look good is very much appreciable and it does upgrade our confidence. However, not all dress to please oneself. Majority of us use fashion is an excuse to blend in with the cool crowd.

The following are some of the interesting assumptions present nowadays: If you aren't wearing the happening clothes, not have the right accessories, you are not cool. If you don't have a good sense of fashion, you obviously must not be rich. Thus, you aren't a part of the crowd. Students are judged simply by what they wear, all the way down to how they act. Once such a presumption is made, there is really nothing that can be done to change it. Many struggle with themselves because of this. Some of them go through several makeovers and personality change just to see whether they can fit in or not and who will like them. It's this constant desire for popularity that more than 90% students strive for. Though, it is a nice feeling to have many approaches, yet they should not try to be mediocre copies of someone else when they can be themselves and be accepted for it. They wonder who they are, what their purpose is in life and where they belong. Such can ruin and scar their young lives.

**"You will have a more interesting life, if you wear impressive clothes."**

– Vivienee Westwood

This system where we classify and relate people to a social class by the way they look or dress invites hostility, ignorance and hatred. The sad reality is that there is nothing we can do to stop people from thinking, judging or stereotyping others. As a human being, it's something all of us would have done at least once at some point in our lives. We can't change everything. However, we can control the things we do and say. That makes a huge difference. Think twice, before you judge someone, think how you would feel, if you were in that position. Next time before you do such a thing, ask yourself this question: How would you feel to be in his or her shoes? Nobody is perfect. Hence we don't have the right to Judge anyone. Moreover, we don't need to change ourselves to be accepted by society.

Always remember, "In a world, where you can be anything, just be yourself."

**Dimple**
B.Sc. III (Non. Medical)

## Growing Indiscipline among Students

Aimless, rudderless, fearless, modern students have no vision, no dream for their future. Indiscipline or lack of discipline among students is something that is affecting the society. It has become rampant in every school and college. Teachers accuse them for want of respect. Parents also criticise them because they are wasting their time in this or that trifles. Everyday we read about strikes and free fighting in colleges. The use of abusive language, disrespect towards their teachers, copying in the exams, excessive

use of phone is a common feature of all the students. It is a pity that the so called future of India is not serious about anything– neither in studies, nor in moral–social values. The future seems really dark. Indiscipline may lead to lack of self–control, disrespect of seniors and teachers including parents. They are becoming a big threat to society. Hence, indiscipline is posing a great problem for the teachers as well as the society.

But the big question is: Should only students be blamed for this situation? There are many other causes of indiscipline like the lack of attention from parents, peer pressure, absence of value based education, lack of a good role model, our defective education system, reservation policy. At present, it all seems gloomy. It has been seen that when the youth finish their studies, they are half-educated and ill-placed. This situation promotes unemployment among them. So, they get frustrated. Character formation has become secondary. The worst part of the problem is that sometimes they become a plaything in the hands of politicians who use them as a tool for creating indiscipline.

Youth is the future of our country. First of all, education system needs over- hauling, value added education and vocational education should be made part of curriculum. Moral education should be imparted in schools and colleges. Parental guidance, strictness, moral education, having a role model and many more efforts should be made to handle the situation and to put them on the right track. It should be the duty of parents, teachers and authorities to sit together and take some useful and appropriate actions in order to save them from getting spoiled. They are the ultimate hope of the nation.

**Neelam Satija**
Assistant Prof. of English

## Dark Fire

There is something
About the night
That stirs the rot
Behind your wooden facade
Kindles the timber
Ringed with feelings
To light up
The mysterious darkness
And when day arrives
There is no way
To hide the burn
To erase the stains
The ash remains
To resurrect the phoenix
of uninhibited honesty.

**Vandana Kandhal**
Assistant Prof. of English

# Winners Versus Losers

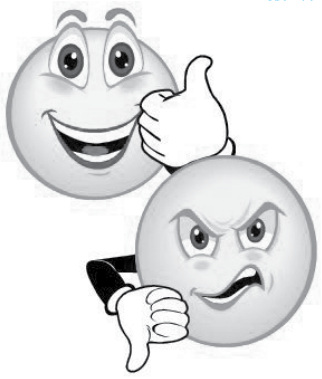

- The **winner** is always a part of the answer, The **loser** is always part of the problem.
- The **winner** always has a program, The **loser** always has an excuse.
- The **winner** says, "Let me do it for you", The **loser** says, "That is not my job."
- The **winner** sees an answer for every problem, the **loser** sees a problem for every answer.
- The **winner** says, "It may be difficult but it is possible," the **loser** says, "it may be possible but it is too difficult."
- When a **winner** makes a mistake, he says, "I was wrong", when a **loser** makes a mistake, he says, "it was not my fault."
- The **winner** says, "I must do something," The **loser** says, "Something must be done".
- The **winners** are a part of the team, The **losers** are apart from the team.
- The **winners** see the gain, the **losers** see the pain.
- The **winners** see the possibilities, the **losers** see problems.
- The **winners** see the potential, the **losers** see the past.
- The **winners** follow the philosophy of empathy– "Don't do unto others what you would not want them to do to you." The **losers** follow the philosophy– "Do it to others before they do it to you."
- The **winners** stand firm on values but compromise on petty things, The **losers** stand firm on petty things but compromise on values.
- The **winners** make it happen, the **losers** let it happen.

**Prof. Sarita**
Assistant Professor of English

# The Man who Thinks He can...

You are the sky. Everything else – it's just the weather.

— **Pema Chodron**

Don't stress, the 'could haves'
If it should have, it would have.

— **Unknown**

You cannot always control what goes on outside. But you can always control what goes on inside.

— **Wayne Dyer**

If you can't fly then run,

if you can't run then walk,

if you can't walk then crawl,

but whatever you do you have to keep moving forward.

— **Martin Luther King**

We ourselves feel that what we are doing is just a drop in the ocean. But the ocean would be less because of that missing drop.

— **Mother Teresa**

Every moment is a fresh beginning.

— **T.S. Eliot**

**Preeti Pal**
Assistant Professor of English

# 10 Ways to Get Mentally Tough

1. When you face a setback, think of it as a defining moment that will lead to a future accomplishment.
2. When you wake up in the morning, take a morning walk of gratitude and prayer. It will create a fertile mind ready for success.
3. When you fear, trust. Let your faith be greater than your doubt.
4. When you fail, find the lesson in it, and, then, recall a time when you have succeeded.
5. When you head into battle, visualize success.
6. When you feel lost, pray for guidance.
7. When you feel distracted, focus on your breathing, observe your surroundings, clear your mind, and get into the Zone. The Zone is not a random event. It can be created.
8. When you feel all is impossible, know that with God all things are possible.
9. When you want to complain, identify a solution.
10. When you feel like you can't do it, know that you can do all things through Him who gives you strength.

**Neha**
Assistant Professor
Department of Zoology

# Don't Quit

When things go wrong, as they sometimes will,
When the road you're trudging seems all uphill,
When the funds are low and the debts are high,
And you want to smile, but you have to sigh,
When care is pressing you down a bit,
Rest, if you must, but don't you quit.

Often the goal is nearer than,
It seems to a faint and faltering man,
Often the struggler has given up,
When he might have captured the victor's cup,
And he learned too late when night slipped down,
How close he was to the golden crown.

Success is failure turned inside out,
The silver tint of the clouds of doubt,
And you never can tell how close you are,
It may be near when it seems afar,
So stick to the fight when you're hardest hit,
It's when things seem worst that you mustn't quit"

**Neha**
Assistant Professor
Department of Zoology

# Magnificent Quotes

Anger is an acid that can do more harm to the vessel in which it is stored than to anything on which it is poured.

– Mark Twain

The whole is greater than the sum of its parts.

– Aristotle

Nothing in life to be feared, it is only to be understood. Now is the time to understand more, so that we may fear less.

– Marie Curie

You cannot teach a man anything; you can only help him find it within himself.

– Galileo

Imagination is more important than knowledge.

– Albert Einstein

Equipped with his five senses, man explores the universe around him and calls the adventure Science.

– Edwin Powell Hubble

**Pawan Kumar**
Assistant Professor
Department of Zoology

# Painted Nails

Painted nails, painted nails,
What is it that you hide?
Those chipped off, bitten piece of me,
That your anxiety has caused you.

Painted lips, painted lips,
What is it that you hide?
Those dry flakes of blood on me,
That your nervousness has caused you.

Painted cheeks, painted cheeks,
What is it that you hide?
Those visible marks of scratches on me,
That your silence has caused you.

Painted eyes,
painted eyes,
What is it that you hide?
Those marks of dried tears on me?
That He has caused you.

**Nidhi Rawal**
M.A. English (Previous)
Student Editor

# Humanity

Sometimes I look up at the skies and wonder
Is there really someone up there?
Or is it just a feeling?
An eye in the yonder
Or just the trust of upbringing?
Is there really an almighty power?
Or just your conscience
A voice telling you right from wrong.
Is it the voice of heaven?
Or just a quiet song?
It is the almighty that brings blessings?
Or the love of thy neighbour?
Are we puppets of the divine?
Or is that a mark under which we cower?

In the name of God, many battles we have fought.
Many martyrs have we slaughtered
Is it God who divides brother from brother?
Or is it man's intention to divide and conquer?
Is it religion that teaches us to slay a brother?
Or is it man's hunger for power?
To answer these questions in an endless battle
A sword which has seen many deaths
For answers we look in the books and scrolls of old
Though in the humbleness of a child they hold
For what is religion, the toddler doesn't know
But with all his mighty goodness he shows
A rebel am I to say this but what I say is true.
With age the true meaning of life we subdue.
The sacred bond of family we break
And in turn, for love, we ache
For in our race for money forgotten have we
The mother of all religions:

**Humanity**

**Monika Goswami**
M.A. (Eng.) Previous

# Stop Complaining and Start Living

Stop complaining about having no time for yourself and get up an hour earlier. You have the option, why not exercise it? Stop complaining about not being able to exercise given all that is on your plate these days. If you sleep seven hours a night and work eight hours every day you will have more than sixty three hours of free time every week to do all the things you want to do.

This amounts to 252 hours every month and 3024 hours every year to spend on life's pursuing. These have never been a more exciting time to be alive in the history of the world and you have the choice of to seize the boundless possibility that every day presents.

If you are not as fulfilled or as happy or as prosperous or as peaceful as you know you could be. Stop blaming your parents or your circumstances. This will be the first step to a better way to live.

Make choices about the thought your will allow to enter your mind, as well as the attitude you will bring to your days and the way you will spend the hours of your time. **Stop complaining and start living** if you can fulfil the unforgiving minute with. So, see the worth of distance run, yours is the earth and everything, isn't it?

**Komal**
B.A. III

# Friends

When you're feeling down and blue,
And life is being cruel to you,
Just remember you're not on your own,
I'm always there; you're never alone.
You might not be able to see my face,
As hard as you look around the place,
But close your eyes and think of me,
And before you know it there will be me.
Keep me in the midst of your mind,
And life will seem easier, I think you'll find,
So when life gets too dark to bear,
Just close your eyes and I will be there.

**Komal**
B.A. III

# Examination

Oh! Examination, Oh! Examination
You demand concentration.
English is composition.
Mathematics is calculation.
Geography is population.
History is civilization.
Biology is classification.
Chemistry is preparation.
Oh! Examination, Oh! Examination.
You demand concentration.
The younger generation on this occasion
Will send an application
To the minister of education
To abolish examination.

**Payal Tyagi**
B.A. I

# My Dad

My Dad was an outdoors man– pure and simple. He once said he felt closer to God when he was in the woods, in the mountains than anywhere else. He was a capable fly-fisherman, a crack short with a rifle, and he taught me the woodcraft that I know. He weighed 150 pounds and could pick up a 100 pounds bag of chicken feed, put it on one shoulder, put another on the other shoulder and carried them a hundred yards to the feed-house (I was expected to manage a third one). He worked in the civilian conservation corps and took correspondence courses to become a civil engineer. He helped build the big canals in Florida and the road west out of Denver in the mountains. His advice was simple: "Finish what you start. If you work for someone else, give him a full day's work for a day's pay. If you don't like the work, give fair notice and move on instead of giving trouble or a poor performance." His love of books rubbed off on me. He had a large easy chair and would put my brother on one side and me on the other and read to us. He said every book has at least a page of good information or ideas. He had a paperback library with over a thousand books and classic headcover editions of *White Fang, Ralf in the Woods, The Young Savages* and *The Bible*. I miss him.

"I miss you, Dad."

**Sahil Garg**
B. A. III

# Measures for Building Self–confidence...

### How to influence people by public speaking

To develop self-confidence and courage, you have to follow various steps. Remember self-confidence is the key for realizing success. If you have self-confidence, victory will certainly be yours.

Steps to be kept in mind for developing self-confidence and courage:

### First: Strong and Persistent Desire

This is by far more important than you probably realize. If an instructor looks into your mind and heart now and ascertains the depth of your desire, he can foretell, almost with certainty the shortness of progress you will make.

### Second: Know thoroughly what you are going to talk about

Unless a person has thought out, planned his thoughts and knows what he is going to say, he can't feel very comfortable when he faces the audience. He is like the blind leading the blind. Under such circumstances the speaker ought to be self-conscious. True, it is not always easy to find an excuse for doing such things but there is a suggestion: Use these things if you can but use them the first few times only. A baby does not cling to a chair once it learns to walk.

### Third: Practice! Practice! Practice!

The last point we have to make here is emphatically the most important. Really, the whole matter finally simmers down to but one essential: Practice! Practice! Practice! This is the sine qua non of it all. Then place it, if possible, before a group of friends, putting all your force and pour it out.

Always remember the following **two points** for developing self-confidence:

1. "The art of war", said Napoleon, "is a science in which nothing succeeds which has not been calculated and thought out".
2. If possible, dictate your talk to a Dictaphone and listen to it.

**Nimesh Goel**
B.Com. II

## Looks may be Deceptive

The test of goodness is not good–looks but good deeds. One may look like a flower and yet have a thorn underneath it. Yet we generally judge things by their outward appearance. We call a girl beautiful if she has rosy cheeks, curly hairs, bright eyes, fair complexion and sharp features. But it is a deceiving and superficial view of beauty. We should not forget that, "All that glitters is not gold". Appearances are generally deceptive. The face is not always an index of mind. A handsome face may have an ugly mind or heart. We must not forget that real beauty lies in one's heart. Handsome is one whose deeds are handsome. Physical beauty is short lived. We judge a tree by the fruit it bears. Similarly, we should judge a person by his noble and good deeds. Nobility of a character is true beauty. A man of sound character is loved and liked by everyone. Inward beauty never fails to attract as there is nothing deceptive in it. Gandhiji had nobility of soul and beauty of character and actions, so even though he had no physical charm, he appears to be very attractive to us due to his charismatic personality.

**Nimesh Goel**
B.Com. II

## Golden Thoughts...

- The letter O stands for OPPORTUNITY which is absent in YESTERDAY, available in TODAY and thrice in TOMORROW. So, Never Lose Hope and Never Give Up.
- Millions of trees are accidentally planted by squirrels who bury nuts, then forget where they hide them. Do good and forget it, then it will grow on its own.
- Success is never achieved by the size of our brain, but it is always achieved by the quality of our thoughts. So always be positive.
- Lucky people get opportunities;
  Brave people create opportunities;
  But winners are those who convert
  Their problems into opportunities.
- No one manufactures a lock without a key.
  God doesn't give problems without solutions.
  So fight till the last breath.
- Mathematics may not teach us
  How to add love or minus hate!
  But, it teaches us that
  Every problem has a solution.

**Nimesh Goel**
B.Com. II

## Thought for the Day

1. My life's motto is 'Do my best', so that I cannot blame myself for anything.
2. Being cool is being your own self, not doing something that someone else is telling you to do.
3. When you forgive, you in no way change the past–but you sure do change the future.
4. Brave alone can achieve great goal, not cowardly...

**Komal**
B.A. I

# Fantasy and Reality

Your reality is so dear to you
That you are afraid of something new
You impose, you dictate
You force me to accept
In the name of reality
In the name of fate
But I have these borrowed wings
That will take me beyond
'Your' reality, your scrone
I will create my own world
And will never call it real
I will call it fantasy
So that you can also
Come to that world with me
You call 'this' world real
I just ask really?
And you brand me as a fool
you call me silly
I just want to have a say
And see things in my own way
This world can be a better place
If we can be so generous
As to look and see
How fantasy
Blends with what we call 'reality'.

**Himanshi Vats**
B.A. I (Eng. Hons.)

# What is IELTS?

The International English Language Tesing System (IELTS) is a standardised English language test designed for foreign speakers who wish to study, work and live in an English Speaking Environment. The IELTS certificate can open doors to International academic and professional opportunities in many institutions and places of the world where English is frequently used.

Eastablished in 1989, IELTS has become the most popular high stakes English Language Certificate in the world. There are currently around 1,000 test locations in more than 140 countries, carrying out over two million tests each year. Over 9,000 organisations worldwide accept the certificate of IELTS as a proof of proficiency in English Language.

IELTS is jointly owned and managed by the British Council, Cambridge English Language Assessment and IDP Education Australia. If you plan to enrol at a university or college, apply to business organisation, or register for a visa from government agencies in countries such as the United Kingdom, Australia, Newzealand or Canada, IELTS can help you achieve your education, career or life goals.

English is the first language in most of the developed countries of the world and learning English is prerequisite to migrating to these countries. These countries are also the centres of top ranking universities which offer education in English. Students of various nationalities are keen to study in these developed countries because they offer high quality education, advanced living standards and an opportunity to mingle with people belonging to different cultures and nationalities.

The popularity of English is another factor that encourages students to choose English speaking countries for their higher education. English is easy to learn and is taught at schools in many developing nations. Most academic books and journals are published in English and an English version is readily available. English is the organ of IELTS. Thus, it is evident that English has become an important language for anyone to learn and achieve their career goals.

**Simran**
B.Com II

# That Girl

***Let there be no pain***
***Let there be no tears;***

***After everything that you braved***
***What do you really fear?***

Shrewd were they who intended on your heart.

Only to embezzle the seemliness and delight that was yours;

But Look, oh! Look at you, you lionhearted damsel

How magnificently you spread your wings

And take flight with everything you repossessed.

How elegantly you fabricated and flaunt what you really.

Tearing the hearts of many

Who now wish you by their side;

Who not for once treasured your worth

Who thought you were a catastrophe, an evil eye,

So jubilant, so blissful, so elated, so content

And yet your eyes hold the truth

Of the strident life, that you once condemned;

Is it over? Is this the end?

Does this mean you'll no more be grief-stricken?

You know, and yet, how beautiful do you hide it

Hide your fears, beside that winsome smile of yours;

Like a drop of tear or a look of dismay

Might invite the worst of the woe;

And you want no more of the phoney solance.

Or the dejected eyes following you;

But instead, an answer, a score to settle for all that had befallen you;

Until then and until the very end
Fly till it's unimaginable to pull you down

When the monstrosities of life and humans prevail

Fly till you know, your intendment of life is complete.

**Himanshi Vats**
B.A. I (Eng. Hons.)

## What is Life?

Life is an examination
God's the greatest examiner
We all are students
Life is an answer–sheet
On which we have to take exams.
Time allowed in it is 3 hours.
The first is childhood.
The second is youth.
The third is the old age.
When the bell of last hour is rung.
By the messengers of God.
The Exam is over.
The answer-sheet is snatched.
The paper is long.
The Time is short.
If we long for something
It will make us to come to
The Same hall
The New life once more
If we pass
We have to leave
And return no more.
Change is the challenge of life.
But challenge is the aim of life
So, you should always challenge the change
Not change the challenge
To make your Dreams come true
stop dreaming.

**Sonam**
B.A. I

## Confidence

Everyone wants to achieve success in life. There are various factors on which success and failure depend. But in the case of all successful people, one common factor is involved that is the factor of confidence.

Now, the question arises: what is confidence and how to develop it? Actually, confidence is the positive attitude of mind which enables us to do chosen action successfully. It is the power which enables us to do what we know as right and desirable. It is very important to know that confidence can be improved.

Another way to develop confidence is to do things which you fear to do. Failure is not final, it can be stepping stone to success if you are able to make failure works for you.

Failure tells you about your weaknesses, shortcomings, lack of efforts. So, if you can manage to learn from failure, you will definitely reach where you want to go. Making a mistake is not a crime. The ability to learn from it contributes to lasting success. Do things again and again, never mind how many times you fail and finally you will be successful and full of confidence.

IF YOU WANT SUCCESS, DO NOT MAKE EXCUSES!!

**Sonam**
B.A. I

# What is Education?

1. Education is the best friend. An educated person is respected everywhere. Education beats the beauty and the youth.

   – Chanakya

2. Education is the key to unlock the golden door of freedom.

   – George Washington

3. Right education should help the student not only to develop his capacities but to understand his own highest interest.

   – J. Krishnamurti

4. Education is the most powerful weapon which you can use to change the world.

   – Nelson Mandela

5. The secret of education lies in respecting students.

   – Ralph Waldo Emerson

6. Education is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

   – Aristotle

7. A man should look for what is, and not for what he thinks should be.

   – Albert Einstein

8. Education is the manifestation of the projection already in mind.

   – Swami Vivekananda

Simran Bhandari
B.A. I

# Positive Thoughts

- Your real image is your behaviour.
- A moment of patience in a moment of anger saves you from a hundred moments of regret.
- Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever.
- Nature is the best friend of man.
- Yesterday is gone. Tomorrow has not yet come. We have only today, let us begin.
- Failure is the first step of success.
- Positive anything is better than negative nothing.
- Good ideas change the world
  Good projects change the society.
- Yesterday is not ours to recover, but tomorrow is ours to win or lose.
- Never laugh at someone's situation, because you never know if someday you will find yourself in the very same position.

**Have a nice day !**

Anjali
B.A. I

# Universal Literacy

"Literacy" means the ability to read and write at a level that enables a person to develop and function effectively in his or her day–to–day activities.

There are no universal definitions and standards of literacy. Unless otherwise specified, all rates are based on the most significant definition– the ability to read and write at a specified age. In most cases, literacy is achieved through many years of schooling, but in some cases people are self taught, without the help of schools and teachers. Education and universal literacy are

integral to each other. Education is one of the building blocks in any nation's economic, social and political development. Education is important for an individual's personality development as well as the sustained growth of a nation. Literacy makes people more confident, more ambitious, more aware and more successful in life. In India, people still have the problem of illiteracy. Kerala is the only state which has 100 percent literacy. Our government has taken many steps to remove the darkness of illiteracy.

The Sarva Shiksha Abhiyan (SSA), the large scale national programme, was launched in 2001 with an objective of achieving Universal Elementary Education (UEE) by 2007.

The first joint review mission that visited eight sample states in February 2005, Found that the SSA program had generated considerable interest, commitment and had put elementary education on the development agenda. Adult education classes aim at removing illiteracy.

**Manisha**
B.A. I

## Tit–Bits

- Never underestimate yourself. You are much more than you think.
- Success always hugs you in private! But failure always slaps you in public! That's life.
- Every single task is easy. Just get the sound from inside.
- You cannot believe in good until you believe in yourself.
- Education is the best friend. An educated person is respected everywhere. Education beats the beauty and the youth.
- To succeed in your missions, you must have single minded devotion to your God!

**Pooja**
B.A. I

## Great Thoughts

- In this world, there are only two things to love, first is the grief and second is the hard-work. Without grief, our heart can never become clean and without our hard-work, there is no success.
- Our greatest glory is not in never falling but in rising every time we fall.
- If people talk about you behind the back, then don't get upset because people only talk about those who have something in them.
- In life's test, most of the people fail because they copy others, but don't understand that everyone has different question paper.
- Dream is not what we see in sleep, It is the thing which doesn't let you sleep.

**Pooja**
B.A. I

# Books: The Greatest Treasure

A book has been profusely illustrated so as to engage the child's attention and create interest in it. The picture clues help the child in comprehension and also in developing love for reading. Books contain different categories like story books, text books etc. In order to create interest in books we all are provided with libraries in our schools, colleges, universities etc. A book is the best friend of everyone, no complaints, no demands only love. The book should be activity–oriented and efforts should be made to stimulate the child's thinking and develop in him or her the spirit of enquiry. It should contain information for improving

the knowledge of a child and for providing the child with an opportunity to apply that knowledge. A good book persuades a child to be confident while reading.

Aman Kumar
B.A. I

# Some Interesting Facts about English

1. 'E' is the most commonly used letter in English language.
2. More English words begin with the letter 'S' than any other letter of alphabet.
3. 'I am' is the shortest complete sentence in English.
4. The longest word that can be spelled without repeating any letter is 'Uncopyrightable'.
5. The longest word in English has 45 letters 'Pneumonoultramicro scopicsilicovoleanoc?
6. English is not only a language but it is like a king which rules over more than 150 countries.
7. 'The quick brown fox jumps over the little lazy dog.' The sentence is called a 'Pangram' as it uses every letter in English language.
8. There are nine different ways to pronounce 'Ough' in English. This sentence contains all of them 'A rough coated, dough faced, thoughtful plouynman strode through the streets of scarborough; after falling in a slough, he coughed and niccoughed?
9. 'Pronunciation' is the word which is mostly mispronounced in English Language.
10. The most difficult tongue–twister in English language is

"six sick sheep, sixth sheep sick"

Aman Kumar
B.A. Ist

# Difference between a House and a Home

Do you know the difference between a house and a home? A house is just a building in which you reside. It is just a place where people live. A house is more like a structure. But a home is totally different from a house. A home is truly where your heart is. It is where you go after a long trip and are happy to be there. It's where your all memories

are– the good and bad. A home is described not only a place where you reside, but also a place where you're comfortable, feel safe and really at home. A home is a place where you've created a living for yourself. You're attached to it emotionally and it somehow becomes a part of you.

A family lives in a home but people live in a house. Home gives a fuzzy feeling inside.

Home is where you live, even if it's not a house.

Don't make a home a house, always try to make a house a home. It's easy to make a home a house but it is very difficult to make a house a home.

Aman Kumar
B.A. I

## My Teachers

My teachers are like beautiful pearls
They take care of all the boys and girls
They are very kind and helpful
Everything they teach, stay in our mind
They are never rude, they never scold
They make us confident, they make us bold
Their minds are sharp, their hearts are pure
They want our progress, about this I am sure
They are very gentle, they are very nice
We'll never forget them, nor their advice
Our teachers always help and adore us
"We love our teachers", we sing in chorus
Here comes the end of my poem
With a magic for everyone
"Listen to your teachers
It'll certainly pay you in the long run."

Pallavi
B.A. I

## Importance of Colours in Life

Colours form an integral part of life. Human life is permeated with colours. There are various colours around us. Colours keep us happy and just an utterance of the word 'colour' gladdens our heart. The presence of God is there in various colours of this world. How beautiful the sky appears in blue colour! Water has no colour but it appears attractive, whatever colour is added to it. Greenery of plants provides feast to our eyes. Colours are suggester of our impulses, our religious activities and rituals. Red colour signifies marriage, which is an important part of life. On the occasion, a bride wears a red colour dress as red colour is a symbol of love and reproduction. Yellow colour stands for light and heat. Blue colour soothes our eyes whereas orange is a symbol of excitement and energy. Merely, a selection of a colour can lead brightness even to the desert. Colours make our home attractive. There are three colours in our flag – green, white and saffron. Saffron colour is a symbol of energy, white colour for peace and green colour stands for prosperity. These represent feelings of our citizens. Old, young and children feel delighted at the sight of rainbow. Holi is also a festival of colours.

Imagination of life without colours is impossible.

Pallavi
B.A. I

## This is Life...

When things don't go right,
When there is no ray of light,
When there's no place to hide,
And it's too hard to survive,
Tell yourself to go on! This is life...

When there is no friend,
When life is on a dead end,
When world is not a paradise,
When your confidence dies,
Tell yourself to go on! This is life...

When there is competition to face,
When you are lagging behind in the race,
When you have lost faith in God,
When you are betrayed by a fraud,
Tell yourself to go on! This is life...

**Priyanka Punia**
B.Com. I

## Soldier

If I die in a war zone,
Box me up and send Me home.
Put my medals on My chest,
Tell My mom I did My best,
Tell My Dad not to bow,
He won't get tension from Me now,
Tell My Brother to study perfectly,
Keys of my bike will be His permanently,
Tell My Sister not to be upset,
Her Brother will take a long sleep after this sunset.
Tell My Nation not to Cry...
"Because I am a Soldier born to die"

**Jaskirat Singh**
B.A. II

## The Greatness of India

Bombay for beauty,
Delhi for duty.
Madras for cooking,
Kashmir for looking.

Kerala for dance,
Mysore for romance.
Punjab for fighting.
Maharastra for writing.

Himachal for pines,
Madhya Paradesh for mines.

Rajasthan for sand,
Uttar Pradesh for band.

Andhra for water,
Gujarat for potter.
Haryana for milk,
Karnataka for silk.

Each place, each state,
**Makes India so great.**

**Sadhna**
B.A. Ist

## A Question Asked from a Girl and Her Answer

- "You cannot be strong, you are a girl".
- Oh! please!!
- Can you carry my surname with your name?
- Can you leave your home after marriage?
- Can you carry a baby in your womb for nine months?
- You dare not say that again.

**Sadhna**
B.A. I

## Oh, God! Now Come to the Earth

Understanding today's world is arduous task
Like filling water in the broken flask
What were we and what we are
All emotional relations are shifting far.

Sentiments and sacrifices are mere words.
They seem to be, as we have never heard
God has created us to survive
But we are vandalising each other's lives.

Who shed tears, is indeed the faulter
It is nothing but just salted water
Ecstasy is altering into embarrassment

No flower can bloom in venomous environment.
Oh! God, now please stop taking our test.
Come on this earth and abolish tempest.

**Payal Giri**
B.A. III (Functional English)

## Inspirational Quote

An arrow can only be shot by pulling it backward. So, when life is dragging you back with difficulties, it means that it's going to launch you into something great.

So just focus, and keep aiming.

**Pinki**
B.A. I

## I have Learnt...

I have learnt...
I came alone and I have to go alone.

I have learnt...
People use us only
When they need us, not otherwise.

I have learnt...
Extra care of anyone
Will bring a blame for you and
not appreciation.

I have learnt...
A simple lie by our close-ones
Can break us more than anything.

Ultimately
I have learnt...
Love yourself and help people .

**Payal Giri**
B.A. III (Functional English)

# Dreams

Hold fast to dreams.
For if dreams die,
Life is a broken-winged bird
That cannot fly.

Hold fast to dreams
For when dreams go
Life is a barren-field
Frozen with snow.

**Nisha**
B.A. III (Functional English)

# Social Networking

"Social Networking Service" is an online platform, or site that focuses on facilitating the building of social networks or social relations among people who, for example, share their interests, activities, backgrounds, or real-life connections.

"The first recognizable Social Media Site–Six Degrees–was created in 1997. It enabled the users to upload a profile and make friends with other users. In 1999, the first blogging sites became popular, creating a social media sensation that's still popular today.

"Social Networking Site" is the use of Internet–based social media programmes to make connections with friends, family, classmates, customers and clients. Social networking can occur for social purposes, business purposes or both through sites such as facebook, Twitter, LinkedIn, Classmates.com and Yelp". Radio, TV, cinemas and magazines make them spend most of their resources targeting on entertaining items and programmes. Due to the growing population and developing lifestyle, the demand for more entertainment and more information is increasing.

One of the major duties of media today is to inform the people about the latest happening around them and the world. Not limiting to your inner circle of close friends, they open up the whole world for you. It has increased the morale of the people as well. People who do not get employment in their preferable fields can start their own set-up with the help of media and social networking platforms. Many online businesses like Amazon, Snapdeal etc. have given a tremendous success. Now many educated unemployed citizens are resorting to online business.

Media and Social networking sites have changed the lives of the people. They help businessmen in many different ways. Huge amounts of money are invested in India for marketing a product.

**Anjali Kalshan**
B.Com. III

# A Reflection on Descartes' Meditation

"Meditation" is a practice where an individual uses a technique – such as mindfulness, or focusing the mind on a particular object, thought or activity– to achieve a mentally clear and emotionally calm and stable state of mind.

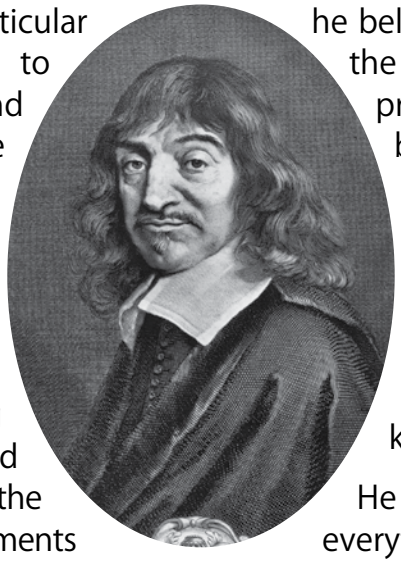

The present article is a reflection on "Descartes' meditation". It is a critical analysis of Descartes' use of the skeptical strategy in meditation; concerning those things that can be called into doubt. This brings forth the demonstrations of the arguments about sense, dreaming, mathematics and the evil demon. It also tries to establish whether Descartes have successfully brought into doubt sense, imagination and reason. Finally, it identifies specific point made concerning our perceptual faculties when Descartes realized that he cannot doubt his own existence.

In his first of the six meditations, Descartes suggests that he has been deceived over a longer period of time, and the only way to establish certainty is to doubt everything he believed in. This included not only the evidence of the senses and the profligate cultural assumptions but even the basic route of reasoning. He held that if any truth about every thing in the world can be able to stand the challenge from skeptics, then it is unquestionable truth and opt to be the foundation of knowledge.

He asserts that demolishing everything and starting afresh sounds good and the only way to do it.

***"While Meditating we are simply seeing what The mind has been doing all along".***

**Preeti**
B.A. I

# My Favourite Book

"Reading Books" is my favourite pastime. Books are my never failing friends. When I am out of tune with myself, I take recourse to reading books of great writers and masterminds. I have read a number of books. Some books leave a profound influence upon our minds. The book which has appealed to me the most is *The story of My Experiments with Truth*, written by Mahatma Gandhi. It is about Gandhiji's patriotism and his struggle for India's freedom. He fought against injustice and inequality with the weapons of truth and non-violence. The book brings out how Gandhiji awakened the sleeping Indians with his charismatic leadership.

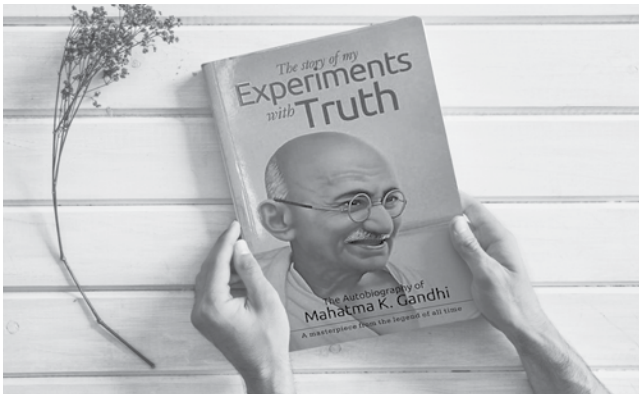


**Rahul Singhmar**
B.A. I

# Fashion and the Modern Youth

***"Fashion is like eating, you shouldn't stick to the same menu".***

To vogue or popular life style is called the fashion. Modern youth totally depends on fashion activities. Without fashion, our life has no taste because we have adopted fashion in each step in our life. As we can't eat the same dish everyday, likewise we cannot spend our life on old fashion. We want to make our life coulourful. We feel pleasure due to colour of beautiful and different things like fashion. Fashion and the modern youth are now becoming an integral part of the fashion-world.

## From where the youth adopt the fashion

The wealthy and affluent students want to look different. Therefore, they change their style, sooner or later. Other people copy their fashion. Sometimes, the students watch T.V. and copy the fashions of actors. They also try to adopt this type of fashion and the other people adopt their fashion. Fashion is, thus, an essential part of our life. We can't overlook the significance of fashion. Fashion builds up our personality and raises our confidence level.

## Disadvantages of Fashion

Similarly, we know that mostly things have many disadvantages. It is true that fashion makes our life colourful and attractive. It makes us active and smart. But this is also a horrible truth that due to fashion sometimes we ignore the poor people and feel irritated due to the existence of the poor people.

Secondly, the students waste their precious time in getting latest kind of fashionable things instead of buying precious books. Owing to fashion, society has been divided in various categories like upper-class, middle class and lower class.

Hence, we can safely conclude that the students look more beautiful, when they are simple. On the other hand, it depends on us how we can utilize it. The students should take care of it. They should not waste their valuable time on things like fashion.

**Bhavya**
B.A. III (English Honours)

# Women Empowerment

In a globalizing world, gender equality and empowerment of women are vital tools to achieve sustainable developments of societies.

Still, the violence towards women is an epidemic against which no country is immune and today we face the greater challenges to human rights.

Development strategies will fail unless women also become the central players of the game. They must be included in all policies of peacemaking and reconstruction.

Women suffer disproportionately from impact of armed conflict around the world today. Rapes, forced pregnancies, sexual

slavery and varied assaults have kept them at bay.

In the arena of politics, they are generally excluded from governance. They are victims of other people's decisions because they are assumed to be tender. So, the entire spectrum of women's roles in combating poverty, hunger and disease need to be re-examined in the new millennium.

Impacts of modern conflict affect the women globally but they have no say. Determined efforts must be made to end such a scenario.

Men need to be educated regarding the rights of women. They must be kept free from violence and abuse and their role in every walk of life must be recognized.

It must be remembered that violence against women is not a "Women's issue" alone but it affects the whole mankind.

**Antim**
B.A. II

## Increasing Importance of English in Modern Times

Although Hindi is our mother tongue, yet it is English which enjoys the status of a link language not only in India but also at the International level. People all over the world have realized the importance of English as a language of communication. In this era of globalization it has become impossible to keep abreat with the fast moving world, without the sound knowledge of English.

Indians adopted English in a big way under the British rule. This adoption has proved a boon in disguise because through it India came in contact with all the developing and developed countries of the world. The knowledge of English is one of the reasons behind the success of India as a Leading Country.

Pt. Jawaharlal Nehru once said, "English is a major window on the modern world."

In the present era of globalization, it is a major window on the modern world through which we have a clear view of the progress being made in the field of science, technology, industries, commerce and trade etc. It is impossible to keep in touch with the latest developments of the world without the knowledge of English.

In the words of F.G. French, "Anyone who can read English can keep in touch with the whole world without leaving his own house."

English is the major language of more than 200 million people and it is used as a secondary language by more than 100 million people. Thus it is clear that at present English enjoys the status of the Queen of Languages.

F.G. French believes that *"English is the means of international communication."*

English has acquired significance in the social and cultural life of our people. Almost all the invitation cards of functions are printed in English. Most of the people put their signature in English rather than in their mother tongue. Even philosophers, religious teachers and

writers use English so that everyone may read their works around the globe.

With the introduction of IT and Internet the world has become so small that distance between two countries does not create any hurdle in the way of the interaction among people. The trade has undergone a drastic change. In the era of Internet and Fax, English has become indispensable for the purpose of interaction and communication.

English is playing a crucial role in the field of employment also. Employment is generally given to those who have good command over English. That's the reason why most of the Multinational Corporations have their call centres in India. English has become so important that even Gandhiji once had to say:

*"English is the language of international importance in the domain of commerce. It is a language of diplomacy and contains a rich literary treasure. It gives us an introduction to western thought and culture."*

According to a recent New York Times report, English is spreading very rapidly and is given high priority by Chinese Government which earmarked for it a "Cash Programme." Japan and China are taking various steps to ensure that their citizens pick up this language. It is strange that in India, Some people want a ban on English. Let us not heed to linguistic fanaticism and negate a language whose International importance is increasing with every passing day.

**Dharamvir**
B.A. III

## Confidence: A State of Mind

Everyone wants to achieve success in life. There are various factors which contribute to man's success and failure in life. But in every case there is one common factor involved, i.e., "the factor of confidence."

Now the question arises, what is confidence? And how to develop it? Actually confidence is that power of mind which enables us to do the chosen action in a bold and fearless manner. It is a power which enables us to do what we want to do.

It is very important to believe that 'confidence' can be developed by everybody.

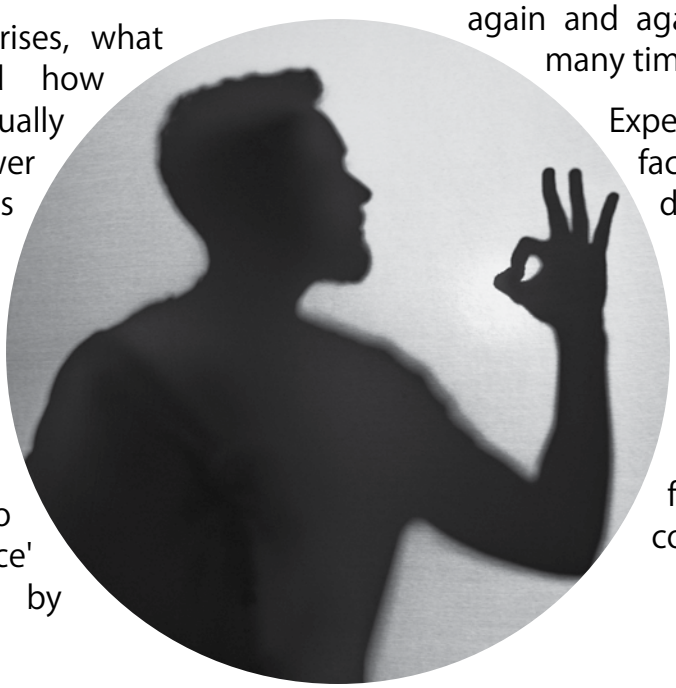

Swami Viveknanda said "Stand up, be bold, be strong, know that you are the creator of your own destiny. All the strength you want is within yourself." Another way to develop confidence is to do things, you fear to do, again and again. Never mind how many times you fail.

Experience is another factor which helps in developing confidence. In the same way positive thinking, optimistic attitude, concentration and focus on the work in hand are the other factors to develop confidence.

**Rakhi**
B.A. II

# Sacred Space

The world is a dangerous place, not because of those who do evil, but because of those who look on and do nothing.

**– Albert Einstein**

Keep your face to the sunshine and you will not see the shadows.

**- Helen Keller**

The world is but a canvas to the imagination.

**– Henry David Thoreau**

Remembering Me, you shall overcome all difficulties through my grace.

**– Bhagwad Gita 18.58**

He who wishes to secure the good of others, has already secured his own.

**– Confucius**

Hope is important because it can make the present moment less difficult to bear. If we believe that tomorrow will be better, we can bear a hardship today.

**– Thich Nhaf Hanh**

We are all inventors, each sailing out on a voyage of discovery, guided each by a private chart, of which there is no duplicate. The world is all gates, all opportunities.

**– R.W. Emerson**

Nikhil
B.A. III

# Quotable Quotes

Live as if you were to die tomorrow. Learn if you were to live forever.

**– Mahatma Gandhi**

Learn from yesterday, live for today, hope for tomorrow.

**– Albert Einstein**

Learn everything you can, anytime you can, from anyone you can–there will always come a time when you will be grateful for what you did.

**– Sarah Calwell**

The wisest mind has something yet to learn.

**– George Santayana**

Being ignorant is not so much a shame, as being unwilling to learn.

**– Benjamin Franklin**

Memory is the diary that we all carry about with us.

**– Oscar Wilde**

Kajal
B.A. I

## Health

Health is indeed so necessary to all the duties, as well as pleasures of life, that the crime of squandering it is equal to the folly.

**-Johnson**

Health is the greatest of all possessions: a pale cobbler is better than a sick king.

**- Bickerstaff**

He who has health, has hope; and he who has hope, has everything.

Pinki
B.A. I

## What is Life Like?

### Life is like Maths

Adding friends, subtracting enemies,
Multiplying comforts and dividing people.

### Life is like Physics

Resolving problems, timing plans,
Magnifying trifles and bombarding people.

### Life is like Chemistry

Reacting to situation, equilising resolution
Conserving energy and activating people.

### Life is like Biology

Planting money, culturing characters,
Regulating law and reproducing people.

### Life is like Language

Composing joy, expressing love,
Voicing difficulties and quoting people.

### Life is like a Destination

In which man is in search of
Inspiration.

Sahil
B.A. III

## Three Things

- Three things to admire:
  Beauty, Intellect and Character.
- Three things to control:
  Tongue, Temper and Temptation.
- Three things to cultivate:
  Courage, Cheerfulness and Contentment.
- Three things to love:
  Purity, Honesty and Hard work.
- Three things to maintain:
  Promise, Friendship and affection.
- Three things to respect:
  Old age, Religion and Law.
- Three things to watch:
  Speech, Behaviour and Action.

Shalu
B.A. II

## Friendship

There is a miracle called friendship,
It dwells within the hearts,
And you don't know how it happens,
Or when it starts.

But happiness does it bestow on you,
And always gives a special lift.
And you realise that friendship is
God's most precious gift.

Bhawna
B.A. II

# The Truth Beyond Success and Failure

It does not matter to a man of awareness whether he is successful or unsuccessful, well-known or absolutely unknown, powerful or just a nobody. To a man of awareness, these dualities don't matter at all, because awareness is the greatest treasure. When you have it, you don't want anything else. You don't want to become minister of a country.

Those, who pursue power, suffer even in success. They live in the eternal fear that they might lose it. First they suffered because they were not successful; now after being successful, too, they are suffering because of a feeling of insecurity. Moreover, they have no private space. Everyone wants to meet them and there are others who are engaged in the task of "overthrowing" them.

The life of a successful man is not a life of peace. But in failure, too, there is no peace. For an aware person, it is all the same. Success comes and goes, and so does failure. He remains untouched and aloof.

The poet Saint Kabir sang, " I have returned to God .... the 'clothing' that he had given to me to live in the world without any change. I have not made it dirty; not even a particle of dust has gathered on it. I have put it back into His hands exactly as fresh as it was when He gave it to me." This is the experience of an awakened man. He lives on the darkest of nights in the same silence, in the same peace, as he lives on the brightest day. He remains above divisions. Such is his power, that actions cannot hold him. No matter what kind of action, a Buddha transforms it.According to the Bodhidharma, "a Buddha is someone who finds freedom in both good fortune and bad".

In Greek mythology, there was king Midas, who prayed hard to God: "Just grant me one wish, that whatever I touch turns into gold." And it seems God became tired of his continuous nagging .... because what are your prayers other than nagging? Finally, God granted him his wish: "Whatever you touch will turn into gold. And now leave me in peace.

Once his prayer was granted, Midas could not eat because whatever he touched turned into gold. He could not drink because by the time his lips touched water, it would turn into gold. His family left him, his friends stopped coming to see him. Midas was alone, hungry and thirsty. Midas's palace turned into gold, as did all his furniture. But to what end? He suffered despite being one of the richest men in the world.

A man of awareness, a Buddha, also has a transforming power : whatever he touches becomes blissful. Misery comes to him and he

finds in it something blissful; sadness comes to him and he finds something immensely beautiful and silent in it. Death comes to him but he finds only immortality in it. Whatever he touches is transformed, because now he has the transcendental perspective. And that is the greatest power in the world-not power over anybody, but simply your intrinsic power.

Night becomes as beautiful as day; death becomes as much a celebration as life, because the man of transcendence knows that he is eternal. There's life, there's death-he remains untouched, he remains always beyond. It is this quality that is the mark of an enlightened person.

**Vaishali**
B.A. II

## Children's Eyes

What kind of world is it, my friend
That little children see?

I wonder if they see God first
Because they just believe?

Do they see strength in caring eyes
Who watch them as they play?

Or may be love in gentle hearts
That guides them on their way?

Do you think they dream of future times
When they would be king?
Or just enjoy their present life
While with their friends they sing?

Do they see the act of kindness
Done for people who are poor?

Is the very best in everyone
What they are looking for?

And when the day is over
As they close their eyes to sleep
Do they look forward to tomorrow
With its promises to keep?

If this is what the children see
Then it should be no surprise
The world would be a better place
If we all had children's eyes.

**Pooja**
B.A. I

## Work is Worship

This important proverb is full of wisdom. It suggests the true essence of life's philosophy, Work is very important for success in life. Nothing without it is possible. Students who work hard always get success in the examinations. If a farmer is laborious, he would reap a rich harvest.

The habit of hardwork is a healthy habit. It is fruitful. One must learn to stand on one's own resources, One must learn and realize that work is the highest worship. No doubt different religions preach different forms of worship but humanism, which is the greatest religion preaches only one form of worship and that is Work.

Once Einstein was asked what the secret of his success in life was. He at once replied work, work and work. But what is work? It is not any or every action that we do. For eg. pickpocketing is no work. True work is that which is more protective and which has a positive source of joy.

Work always aims at the maximum good of maximum number of people. Work should be well planned. It should be guided by genuine desire of altruism and philanthropy. Such a sort of work is as holy as worship. So it is true to say that work is worship.

**Sapna**
B.A. II

## Emotional Pain

In a situation of emotional distress, you usually have two options: to face the problem, or not. Processing a problem means your are facing it. Suppressing the problem means you are not. There is a big difference between the two.

Processing is to the mind what digesting is to the stomach. If your digestive system cannot handle certain foods, you have to stop eating them, otherwise you become sick. Similarly, if you find yourself in a situation where you cannot cope, don't just sit there taking it all in. It is better to say something right there and then. To hold things inside will not allow you to have a healthy mind. What you take in will be indigestible and it will be obvious to others that you are having a problem.

Our ability to cope is hampered by thinking too much about other people. This causes

problems in the mental digestive system. The best mental 'boon' or antacid is in-depth spiritual study– this, plus regular practice of self-awareness, penetrates the mind very deeply, which dislodges the emotional pain from its roots. Only then can emotion be purified and refined.

**Mohit**
B.A. II

## Different Views About 'Life'

| | | |
|---|---|---|
| For a rich man | ..... | Life is **MONE**Y. |
| For a poor man | ..... | Life is **STRUGGLE**. |
| For a Sadhu | ..... | Medium to reach **GOD**. |
| For a child | ..... | Life is **PLAY**. |
| For a lazyman | ..... | Life is a bed of **ROSES**. |
| And for me | ..... | Life is a **BEAUTIFUL DREAM**. |

**Ashish**
B.A. II

# Happiness

Through the power of truth there is wealth, and through the power of peace there is health. Together they give happiness. The warmth and comfort of happiness is hidden within the self. People speak about peace of mind. Happiness of mind is a state of peace in which there is no upheaval or violence. Peace within the self creates faith in the intellect. The flute of happiness plays softly and constantly in the minds of those who have such faith.

In the world where all relationships have the accounts of happiness and sorrow, the greatest lesson to be learnt is: "Give happiness and take happiness. Don't give sorrow and take sorrow."

Happiness is prosperity which comes from self-sovereignty. Self sovereignty means being master over the mind, intellect, personality traits and physical senses of the body; being complete with all powers and virtues and attaining a perfect balance between masculine and feminine characteristics.

Happiness doesn't carry a price tag. It cannot be bought, sold or bargained for. Happiness is earned by those whose actions, attitudes and attributes are pure and selfless. The road of happiness is paved with golden opportunities. Each footstep taken on this journey is guaranteed a return of multimillions. The actions performed along the way become the pen to draw the lives of future.

Neha
B.Sc. III

# Gems of Wisdom

- When one door of happiness closes, another opens; but often we look so long at the closed door that we do not see the one which has been opened for us.

  **– Helen Keller**

- You only live once, but if you do it right, once is enough.

  **– Mae West**

- It is hard to fail, but it is worse never to have tried to succeed.

  **– Theodore Roosevelt**

- Let us always meet each other with smile, for the smile is the beginning of love.

  **– Mother Teresa**

- You may encounter many defeats, but you must not be defeated.

  **– Maya Angelou**

- The journey of a thousand miles begins with one step.

  **– Lao Tzu**

Jasbir
B.A. II

# संस्कृतः विभाग

"यस्य कस्य प्रसूतोऽपि
गुणवान्पूज्यते नरः !"

-भर्तृहरी

**सम्पादिका**

*सोनिया वर्मा*

**छात्रा–सम्पादिका**

*वन्दिता तंवर*

## विषय सूची


1. सृष्टि — 2
   सोनिया वर्मा
2. आवेदनपत्रस्य हस्ताक्षरम् — 4
   वंदिता तंवर
3. च्यवन: (ठपकउअा) (लोककथा) — 5
   सागर
4. श्लोका: — 6
   रितिक
5. वेदाः — 7
   साक्षी
6. संस्कृत मुहावरे — 9
   अनुज शर्मा
7. स्वास्थ्य-रक्षा — 9
   शिवानी
8. रामः — 9
   मोहित
9. सुभाषितानि — 10
   रचना
10. बुभुक्षित: किं न करोति पापम् — 10
    रचना
11. परिवर्तनम् — 11
    कोमल खर्ब
12. सदैव पुरतो निधेहि चरणम् — 11
    पल्लवी
13. मन्त्रिण : चातुर्यम — 12
    कमलजीत
14. सुभाषितानि — 12
    निशा

# सम्पादकीयम्

## सृष्टि

नम: संस्कृताय!

प्राय ये विचार आ जाया करता है कि हमारा अस्तित्व प्रकाश में कैसे आया? क्या ये जीव, ये धरा, अंतरिक्ष और सृष्टि से पहले भी कुछ था या सब प्रारंभ से ही इसी प्रकार है? सृष्टि उत्पत्ति का प्रथम साक्षी कौन था? किस कारण से सृष्टि का निर्माण हुआ?

उपरोक्त विषय पर कुछ मतों को ध्यान में रखते हुए अपनी जिज्ञासा शांत करते है। भारतीय दर्शन के सांख्य दर्शन, ऋग्वेद के नासदीय सूक्त, हिरण्यगर्भ सूक्त व 16 मंत्रों से युक्त पुरुष सूक्त से जिज्ञासा शांत करने का प्रयास करते हैं। इसी के साथ मनुस्मृति, उपनिषद आदि ग्रंथ व पौराणिक ग्रंथों की सहायता के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिकों के मत को भी जानते हैं।

हम सभी जानते है कि भारतीय वैदिक दर्शन छ: भागों में बटा हुआ है -

| **दर्शन** | - | **प्रणेता** |
|---|---|---|
| सांख्य | - | कपिल |
| योग | - | पतञ्जलि |
| न्याय | - | गौतम |
| वैशेषिक | - | कणाद |
| मीमांसा | - | जैमिनी |
| वेदान्त | - | बादरायण |

संख्यानुसार सृष्टि रचना से प्रलयावस्था में सत्व, रज और तम गुण थे। जब प्रकृति (जड़) व पुरूष (जीवात्मा) का परस्पर संयोग होता है-तब तीनों गुणों की साम्यावस्था में विकार उत्पन्न होता है

प्रकृतेर्महान् ततोऽहंकारस्तस्माद् गणश्च षोडशक:।
तस्मादपि षोडशकात्पञ्चभ्य: पञ्चाभूतानि॥

उस विकार युक्त उत्पत्ति में प्रकृति से महत् (बुद्धि), बुद्धि से अहंकार अहंकार से 16 पदार्थ मन, 5 ज्ञानेद्रियाँ (चक्षु, श्रोत्र, घ्राण, रसना, त्वचा) 5 कर्मेंद्रियां (वाक, पाणि, पाद, पायु, उपस्थ) व 5 तंमात्राएं (शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध) उत्पन्न हुए व इन से पञ्च महाभूत (आकाश, वायु, जल, तेज, पृथ्वी) आदि बने। सांख्यानुसार प्रकृति व्यक्त व अज्ञानतायुक्त है तथा विकारयुक्त भी है। जबकि जीवात्मा अव्यक्त, प्रकाशयुक्त और विकारहीन है। ये दोनों ही पंगु अन्धवत् संसार का संचालन कर रहे हैं।

॥ परोपकार: पुण्याय पापाय परपीडनम्॥

ऋग्वेदानुसार सृष्टि से पूर्व सब अंधकारमय व अज्ञान युक्त था।

नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं नासीद रजो नो व्योमा परो यत्।

उस समय न असद् था और न सत् था, न पृथ्वी थी, न आकाश था। न मृत्यु थी, न अमरता थी। सृष्टि में सर्वप्रथम हिरण्यगर्भ ब्रह्मा उत्पन्न हुए।

हिरण्यगर्भ: समवर्तताग्रे।

यही इस संसार के सभी दो व चार पैर वाले सभी प्राणियों के स्वामी हैं। पुरुषसूक्तनुसार सृष्टि में जो है, था और होगा वही पुरुष है। ये पुरुष हजारों सिर, पैर व अनेको आंखों से युक्त है-

सहस्रशीर्षा पुरुष: सहस्राक्ष: सहस्रपात्।

इन्हीं से इस सृष्टि की उत्पत्ति व विकास हुआ। ब्राह्माण पैदा हुए, अनेक जीवात्मा हुए। भूमि की उत्पत्ति हुई, जीव उत्पन्न हुए, मानव बने व चारों वर्ण भी विराट् पुरुष से उत्पन्न हुए।

ब्राह्मणोंऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्य: कृत:।
ऊरू तदस्य यद्वैश्य:पद्भ्यां शूद्रो अजायत्॥

उस विराट पुरुष के मुख से ब्राह्मण, भुजाओं से क्षत्रिय, जांघों से वैश्य तथा पैरों से शूद्र उत्पन्न हुए। मन से चंद्रमा, नेत्र से सूर्य, मुख से अग्नि व इंद्र तथा प्राण से वायु तत्व पैदा हुआ। नाभि से अंतरिक्ष व देवता, सिर से द्युलोक, पैरों से भूमि व कानों से दिशाएं उत्पन्न हुई।

मनुस्मृति के प्रथमाध्याये में आचार्य मनु ने कहा कि प्रलयावस्था में जब सृष्टि अंधकारमय थी, तब भगवान् स्वयम्भू अव्यक्त रूप से पंचमहाभूतों में प्रकट हुए।

आसीदिदं तमोभूतमप्रज्ञातमलक्षणम्।
अप्रतक्यर्मविज्ञेयं प्रसुप्तमिव सर्वत:॥

तत: स्वयम्भूर्भगवानव्यक्तो वयंजयन्निदम्।
महाभूताक्द वृत्तौजा: प्रादुरासीत् तमोनुद:॥

उपनिषदों में भी सृष्टि उत्पत्ति के विषय में बताया गया है। कहा जाता है कि विधाता ने सृष्टि चलाने के लिए अपने शरीर को दो भागों (नर व नारी) में बांटा और इनके मैथुन से सृष्टि का विस्तार हुआ।

आधुनिक वैज्ञानिक बिग बैंग थ्योरी को मानते हैं , उनके अनुसार प्रकाशपुंज के भयावह विस्फोट से गैसें उत्पन्न हुई और गैसें आपस में मिलकर अन्य गैसों व तत्वों का निर्माण करने लगी व जल बना। इसी जल में सर्वप्रथम जीवन दृष्टिगोचर हुआ और फिर धीरे-धीरे विभिन्न जीवों और पेड़-पौधों की उत्पत्ति हुई व संसार प्रगति, विस्तार को प्राप्त करता चला गया।

***सोनिया वर्मा***
*सम्पादिका, संस्कृत विभाग*

॥ वृद्धा न ते ये न वदन्ति धर्मम्॥

# आवेदनपत्रस्य हस्ताक्षरम्

स्वकीयां घटीं पश्यन् रिचर्ड्सन अरियोल्वर्य मातुलानीम् उक्तवान् – "अम्ब! मम इदानीं समयावकाश: सर्वथा नास्ति। यत् वक्तव्यं तत् त्वरया वदतु भवती" इति।

एतत् श्रुतवत्या: वृद्धाया: अश्रूणि आगतानि। लक्षाधीशस्य एतस्य ननान्हपुत्रस्य मेलनार्थं प्रतीक्षां कृतवती आसीत् सा। द्वारापालकस्य तर्जनम् अपि सोढवती आसीत्। यं सा बाल्ये महता वात्सल्येन पोषितवती, स: एवं निष्ठुरं व्यवहरेत् इति कल्पना अपि न आसीत् तस्या:।

सामान्यवेषधारिणीं मां द्वारापालकादय: न अभिज्ञातवन्त: स्यु: नाम, किन्तु रिचर्ड्सन: तु मां दृष्ट्वा आनन्दम् अनुभवन् प्रीत्या व्यवहरिष्यति' इति चिन्तितवती आसीत् सा। 'महान् आदर: न प्रदर्श्येत चेदपि सम्भाषणे तु कोऽपि क्लेश: न भवेत् एव' इति तस्या: चिन्तनम् आसीत्। किन्तु इदानीं रिचर्ड्सनस्य व्यवहारं दृष्टवती सा दिग्भ्रान्ता जाता अस्ति। निर्निमेषं तमेव पश्यन्ती स्थितवती सा।

क्षणकालानन्तरं रिचर्ड्सन: पुनरपि पूर्वतनेन कठोरेण स्वरेण एव उक्तवान् - "अम्ब ! धनविषयकं सम्भाषणं करणीयम् इति भवत्या: मनसि अस्ति चेत् तस्य प्रस्ताव: एव मास्तु। अहं बन्धुभ्य: एकां वराटिकाम् अपि न ददामि" इति।

यदि विलम्ब: क्रियेत तर्हि पुन: अवकाश: न लभ्येत् इति विचिन्त्य वृद्धा कासेन कण्ठं समीकृत्य आत्मनि धैर्यं पूरयन्ती उक्तवती - "धनं प्रार्थयितुं न, अपि तु किञ्चित् निवेदयितुम् अहम् आगता। काचित् विज्ञप्ति: अस्ति मदीया....।"

"का सा विज्ञप्ति: ? शीघ्रं वदत् तावत्। किञ्चित् धनिकं द्रष्टुम् इदानीं गन्तव्यम् अस्ति मया।"

"मम ज्येष्ठ: पुत्र: स्वामुवेल: वाणिज्यशास्त्र (बी.का.) परीक्षायां सर्वप्राथम्यं प्राप्तवान् अस्ति। बि.एल. परीक्षायाम् अपि स: प्रथमश्रेणीं प्राप्तवान् अस्ति। सदाचारवान् स: सदापि श्रद्धया कार्यं करोति। सुरापाने द्यूते वा तस्य प्रवृति: नास्ति। युवतीनां मुखं न पश्यति स:। तस्मै स्वस्य कार्यालये एकम् उद्योगं दापयतु भवान् कृपया। स: अवश्यं भवत: लाभं वर्धयिष्यति।"

"किन्तु मम वित्तकोषे किमपि स्थानं रिक्तम् अस्ति वा न वा इति न जानामि खलु अहम्।"

"स्थानद्वयं रिक्तम् अस्तीति श्रूयते। तदर्थं पत्रिकायां प्रकटनम् अपि प्रकाशितम् अस्ति।"

"तत्र कस्मैचित् एकस्य स्थानस्य दानम् निश्चितम् अस्ति एव।"

"अन्यत् स्थानम् अस्ति एव खलु?"

"अस्तु नाम। परिशीलयिष्यामि। स: आवेदनपत्र प्रेषयतु नाम।"

"तदीयम् आवेदनपत्रम् आगमनसमये एव आनीतवती अस्मि" इति वदन्ती वृद्धा पुत्रेण सज्जीकृत्य दत्तम् आवेदनपत्रम् उत्पीठिकाया: उपरि स्थापितवती। रिचर्ड्सनस्यं अनुज्ञां प्राप्य धन्यताभावेन तत: निर्गतवती सा।

यदा तया गृहात् बहि : पदं स्थापितं तदा एव रिचर्ड्सन: कोपेन आवेदनपत्रं शतधा क्षिप्त्वा अवकरकण्डोले क्षिप्त्वान्। 'वराका: बान्धवा:। एतेषां सहवासेन अलम्' इति स्वगतम् उक्तवान् स:।

किन्तु किञ्चित्कालानन्तरं तस्य मन: शान्तं जातम्। बाल्यजीवनं तस्य स्मृतिपथम् आगतम्। बाल्ये तया वृद्धया प्रदर्शित: स्नेह: सुमधुर: व्यवहार: च तेन स्मृत:। एषा मम बाल्ये मयि नितरां स्निह्यति स्म। प्रतिदिनं रुचिकरं खाद्यं ददाति स्म। शिशुं मां तु सदा लालयति स्म। वात्सल्यवर्षणं करोति स्म। एवं बहुधा उपकृतवती एषा मया प्रत्युपकारेण तोषणीया। एष: मम धर्म:। मया: दोष: कृत:। एतस्या: पुत्रस्य आवेदनपंत्र मया न छेत्तव्यम् आसीत्। एतस्या: पुत्र: स्वयोग्यताया: बलेन मम वित्तकोषे उद्योगं यदि प्राप्नुयात् तर्हि मम का हानि: भवेत्? कश्चित् उद्योगी तत्र नियोक्तव्य: एव।'

एतेन विचारेण उद्विग्न : रिचर्ड्सन: स्वस्य कार्यदर्शिनम् आहूय आदिष्टवान्– 'अर्धघण्टां यावत् न कोऽपि अन्त: प्रेषणीय:' इति।

॥ क्रिया सिद्धी सत्वे भवति महतां नोपकरणे ॥

ततः द्वारं पिधाय छिन्नस्य आवेदनपत्रस्य भागान् अवकरकण्डोलात् अन्विष्य स्वीकृत्य सः उत्पीठिकायाः उपरि प्रसारितवान्। एकैकं खण्डं योजयित्वा आवेदनपत्रस्वरूपं कल्पितवान्। तदाधारेण तस्य आवेदनपत्रस्य प्रतिकृतिं सज्जीकृतवान् सः।

ततः कार्यदर्शिनम् आहूय सः उक्त्वान्–"एतत् आवेदनपत्र स्वीक्रियताम्। आवेदकः मम बन्धुः। किन्तु उद्योगदानसमये एषः सम्बन्धः न परिगणनीय। योग्यतामात्र द्रष्टव्यम्। पक्षपातः न आचरणीयः। संदर्शनसमये एषः उत्तीर्णः भवेत् चेत् एव एतं स्वीकर्तुम् अर्हन्ति भवन्तः। नो चेत् न" इति।

केषाञ्चित् दिनानाम् अनन्तरं सा वृद्धा रिचर्ड्सनस्य गृह पुनः आगता। "मम पुत्रः सन्दर्शनपरीक्षायां प्रथमं स्थानं प्राप्य अपि उद्योगं न प्राप्तवान्। तत्स्थाने इदानीं नियुक्तः तु समग्रे ग्रामे 'दृप्तः दुष्टः' इति प्रसिद्धः अस्ति। धनिककुले जातस्य तस्य उद्योगः अनिवार्यः अपि न आसीत्" इति उक्तवती सा।

रिचर्ड्सनः तां सान्त्वयन् उक्तवान्– "चिन्तां मा करोतु भवती। किं प्रवृत्तम् इति सर्वं परिशीलयिष्यामि" इति।

वृद्धायाः निर्गमनस्य अनन्तरं सः कार्यदर्शिनम् आहूय पृष्टवान्– "पूर्वं मया मम बन्धोः कस्यचन आवेदनपत्रं दत्तम् आसीत् खलु उद्योगे नियुक्त्यर्थम्? तस्य योग्यता किं न आसीत्?" इति।

" आसीत् ...। सः एव सन्दर्शने प्रथमं स्थानं प्राप्तवान् आसीत् अपि। किन्तु ..."

"किं किन्तु ...?" कोपमिश्रितेन स्वरेण पृष्टवान् रिचर्ड्सनः।

"येषां नियुक्तिः क्रियते तेषां हस्ताक्षरस्य परीक्षा क्रियते अस्माभिः। नियमानुसारं भवतः बन्धोः आवेदनपत्रस्य अक्षराणां परीक्षाअपि कारिता अस्माभिः। हस्ताक्षर शास्त्रज्ञाः उक्तवन्तः यत् आवेदनपत्रे यानि अक्षराणि सन्ति तेषां लेखकः द्यूतकरः मद्यव्यसना धीनः, दुराचारः च भवति इति। अतः तं वयं न स्वीकृतवन्तः" इति विवरणं दत्तवान् कार्यदर्शी।

एतत् श्रृण्वतः रिचर्ड्सनस्य हरतः तामाखुनलिका अधः पतिता। सः शून्यदृष्टया कार्यदर्शिनः मुखं पश्यन् स्तब्धतया उपविष्टवान्।

वंदिता तंवर
*छात्रा सम्पादिका*

## च्यवनः (ढपकउआ) (लोककथा)

कस्मिंश्चित कानने काचिद, वृद्धैका निर्बला पुरा।
जीर्णञ्च कुटिर तस्याः, जीवति सा निराश्रिता॥

एकदा च वर्षाकाले, मेधो वर्षति गर्जया।
शय्यास्थिता हि वृद्धा सा, प्रलपति भयाकुला॥

नाहं बिभेमि सिंहाद्वा, नाहं व्याघ्राद् गजादपि।
केवलं च्यवनाद्भीतिः, वर्षतौ रजनीगते॥

तदैव कोऽपी पञ्चास्यः, जलार्द्रौं व्याकुलोननु।
पृष्ठे च पर्णशालायाः, वृक्षाधः शरणं गतः॥

श्रृत्वा वचांसि वृद्धायाः, वनराजो भयाकुलः।
अस्मिंश्च कानने कोऽपि, मत्तोऽपि बलवत्तर॥

तस्यामेव निशायाञ्च, कुम्भकारस्य गर्दभः।
पथभ्रष्टः चरन् मूढ़ः, ग्रामाद्बहिर्वन गतः॥

अन्विष्यन् कुम्भकारस्तं, रासभं काननं गतः।
वृद्धायाः कुटिरं प्राप्य, किञ्चित्कालं स तिष्ठति॥

विद्युल्लता प्रकाशे स, जन्तुमेकं ददर्श ह।
मत्वेतिरासभो नूनं, पृष्ठारूठो बभूव सः॥

लगुडस्य प्रहारेण, तेन सिंहः प्रताडितः।
च्यवनाक्रमणं नूनं, भीतः सिंहः पलायितः॥

रासभस्य जवं दृष्ट्वा, कुम्भ्कारो हतप्रभः।
धावन्तं सः वनं सिंह, ग्रामं नेतुं चिकीर्षति॥

प्रातः काले यदा ज्योति, पूर्वस्यां दिशि जायते।
पपात मूर्च्छितो भूमौ, दृष्टवा सिंह वनाधिपत्॥

सोऽपि सिंह तदा भीतः, जगाम गहनं वनम्।
किमिदं पशवः सर्वे, साश्चर्या वानरादयः॥

॥ मनस्येकं वचस्येकं कर्मण्येकं महात्मनाम्॥

जम्बुकेन तदा पृष्टो, जगाद वनकेसरी।
गच्छ गच्छ शृगालस्त्वं, शीघ्रमेव वनांतरम्॥

यतो हि च्यवनो नाम, शक्तिमान् वनाधिय:।
आगत: कानने वीर:, येनाहतो व्रजाम्यहम्॥

विहस्य प्रोक्तवान् धूर्त:, सिंह तं जम्बुकस्तदा।
सर्वै : तत्रैव गन्तव्यं, यत्र दुष्ट: स राजते॥

पूर्वेषां सम्पदा नूनं, वनमेतद्धि सुन्दरम्।
रक्षणाय स्वराज्यस्य, गच्छन्तु सर्वजोविन:॥

पुरस्कृत्य शृगालं तं, सर्वे ते पशु पक्षिण:।
गतास्तत्र हि यद्देशे, सिंहो मुक्तो वनस्थले॥

गहने कानने सोऽपि, कुम्भकारो भयातुर:।
सभयं वृक्षमारुह्य, सिंह पश्यति दूरत:॥

तत्रागत्य शृगालश्च, पश्यति सर्वतो वनम्।
अन्वेषणं कृतं सर्वैं:, न किञ्चिदपि दृश्यते॥

न किञ्चिदपि विश्वस्त:, सिन्हश्चकार गर्जनम्।
तच्छ्रुत्वा कम्पितो भीत:, कुम्भकार: पपात ह॥

तस्य पादप्रहारेण, शृगालस्य श्रुतौ व्रण:।
तत: पलायिता: सर्वे, निन्दन्त मृगधूर्तकम्॥

तदा सिंहं मृगेन्द्रं स, धावन् वदति वञ्चक:।
न हि स च्यवन: कोऽपि, ननुं स श्रुतिकर्तक:॥

ततश्च वानर: कोऽपि, समागत्य वनाधिपम्।
जगाद वृक्ष शाखासु, धूर्तमन्वेषयाम्यहम्॥

आहत: रक्षणार्थं स, प्रविष्टो गह्वरे तदा।
आवृत्त: कुम्भकारेण, पाषाणेन च तन्मुखम्॥

इतस्तत: भ्रमन् याति, तत्रैव प्रस्तरे कपि:।
लूमस्य कुम्भकारेण, ग्रहणं बलपूर्वकम्॥

दृष्टवा मुखाकृतिं तस्य, सर्वे तत: पलायिता:।
येन केन प्रकारेण, मुक्तो शाखामृग: कपि:॥

ततश्च सोऽतिवेगेन, कुर्दति चञ्चलो बली।
वदति मर्कटो धावन्, सर्वे चानृतवादिन:॥

न हि स च्यवन: कोऽपि, न च स: श्रुतिकर्तक:।
लाङ्गूत्पाटको नूनं, मायावी खरवञ्चक:॥

सिंहादयस्तत: सर्वे, पलायिता वनान्तरम्।
सुखेन कुम्भकार: स:, स्वकीयं सदनं गत:॥

बाल्यकाले श्रुता या च, लोककथा पितुर्मुखात्।
अनुवाद: कृतस्तस्या:, कृपया पितृपादयो:॥

***सागर***
*बी. ए. (प्रथम )*

## श्लोका:

**अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनं द्वयम**
**परोपकार: पुण्याय पापाय परपीडनम॥**
*18 पुराणों में व्यास के दो ही वचन है-*
*परोपकार ही पुण्य है और दूसरों को दु:ख देना पाप है।*

**यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:**
**यत्रनार्यस्तु न पूज्यन्ते तत्र सर्वाफलक्रिया:॥**
*जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। जहाँ इनकी पूजा नहीं होती है, वहां सब व्यर्थ है।*

**स्वग्रहे पूज्यते मूर्ख: स्वग्रामे पूज्यते प्रभु:**
**स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वानसर्वत्र पूज्यते॥**
*मूर्ख की अपने घर पूजा होती है। मुखिया की अपने गांव में पूजा होती है। राजा की अपने देश में पूजा होती है। और विद्वान की सब जगह पूजा होती है।*

**असतो मा सद्गमय॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय॥**
**मृत्योर्मामृतम् गमय॥**
*हमको असत्य से सत्य की ओर ले चलो। अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो (मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो)*

***रितिक***
*बी.ए. (प्रथम)*

॥ अलसा बुद्धिहीनाश्च सर्वथा विपदां पदम्॥

# वेदा:

## ऋग्वेद

यह सबसे प्राचीन वेद है। इस वेद से आर्यों की राजनीतिक प्रणाली एवं इतिहास के विषय में जानकारी मिलती है। ऋग्वेद अर्थात् ऐसा ज्ञान जो ऋचाओं में बद्ध हो। ऋग्वेद में ऋक अर्थ होता है- छ्न्दोबध्द रचना का श्लोक। ऋग्वेद के सूक्तों में भक्ति-भाव की प्रधानता है। इसमें देवताओं की स्तुति करने वाले स्रोतों की प्रमुखता है। ऋग्वेद की रचना संभवत: सप्त सैधव प्रदेश में हुई। इसमें कुल 10 मण्डल, 1028 ऋचाएँ व 10580 मंत्र है। वेदों का संकलन महर्षि कृष्ण द्वैपायन ने किया। इसीलिए इन्हें वेदव्यास भी कहा जाता है।

ऋग्वेद में ज्यादातर मंत्र आह्वान से संबंधित है। यज्ञ के अवसर पर जो व्यक्ति ऋग्वेद के मंत्रों का उच्चारण करता है। उसे "होतृ" कहा जाता है। ऋग्वेद में तीन पाठ मिलते हैं।

1. साकल ---------- 1017 सूक्त
2. बालखिल्य ---------- 11 सूक्त

इसे आठवें मण्डल का परिशिष्ट माना जाता है। इसमें मिली हस्तलिखित रचनाओं को "खिल" कहा जाता है।

3. वाष्कल ---------- यह पाठ उपलब्ध नहीं है।

ऋग्वेद का दूसरा, तीसरा, चौथा, पांचवा, छठा व सातवां मण्डल सर्वाधिक प्राचीन है। जबकि पहला, आठवां, नौंवां व दसवां परवर्ती काल के है। ऋग्वेद में दसवां मण्डल सबसे बाद में जोड़ा गया। इसमें पुरुष सूक्त का वर्णन मिलता है। शूद्रों का सर्वप्रथम उल्लेख इसी मण्डल में मिलता है। 9 वें मण्डल में सोम का उल्लेख मिलता है। इसमें 114 मंत्रो को सोम देवता को समर्पित किया गया है। ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में विश्वामित्र द्वारा रचित गायत्री मंत्र का उल्लेख है।

### ऋग्वेद के मण्डल और उनके रचयिता

| मण्डल | ऋषि |
|---|---|
| प्रथम | अंगिरा, दीर्घतमा, मधुच्छन्दा |
| द्वितीय | गृत्समद |
| तृतीय | विश्वामित्र |
| चौथा | वाम देव |
| | (कृषि संबंधित प्रक्रिया का वर्णन) |
| पांचवा | अत्रि |
| छठा | भारद्वाज |
| सातवां | वशिष्ठ |
| आठवां | कण्व ऋषि |
| नौवां | अंगिरा पवमान |
| दसवां | महासूक्तियां शूद्र सूक्तियां |

ऋग्वेद के दो ब्राह्मण ग्रंथ हैं ... ऐतरेय तथा कौषीतकी

ऐतरेय के संकलन कर्ता महिदास थे। इसमें राज्य अभिषेक की विधि विधानों तथा सोमयज्ञ का विस्तृत वर्णन मिलता है। ऐतरेय ब्राह्मण में समुद्र शब्द का अर्थ का उल्लेख मिलता है। कौषितकी ब्राह्मण के संकलनकर्ता कुषितकेय है। इसे शंखायन ब्राह्मण भी कहा जाता है। इसमें विभिन्न यज्ञों का वर्णन मिलता है।

### ऋग्वेद के आरण्यक

ऋग्वेद के दो आरण्यक हैं : ऐतरेय तथा कौषितकी

ऋग्वेद के उपनिषद् : ऐतरेय तथा कौषितकी

ऋग्वेद के उपवेद : धनुर्वेद

## सामवेद

साम. शब्द का अर्थ होता है गान। सामवेद में संकलित मंत्रों के देवताओं की स्तुति के समय गाया जाता है। इसमें कुल

॥ आरब्धम् उत्तमजना: न परित्यजन्ति ॥

1549 ऋचनाएं हैं। जिनमें 75 के अतिरिक्त शेष सभी ऋग्वेद से ली गई है। सामवेद के मंत्रों का गायन करने वाला व्यक्ति "उद्गाता" कहलाता है। सामवेद की तीन प्रमुख शाखायें है- कौथुम, जैमिनीय व राणायनीय। सामवेद में मुख्य रूप से "सविता या सूर्य" का वर्णन किया गया है। भारतीय संगीत के इतिहास के क्षेत्र में सामवेद का महत्वपूर्ण योगदान है।

### सामवेद का ब्राह्मण ग्रन्थ

सामवेद के दो ब्राह्मण है- ताण्डय तथा जैमिनीय। ताण्डय ब्राह्मण बहुत बड़ा है। इसीलिए इसे महाब्राह्मण भी कहते हैं। जैमिनीय ब्राह्मण में यज्ञ संबंधी कर्मकांडों का वर्णन है।

### सामवेद के आरण्यक

जैमिनीय आरण्यक तथा छांदोग्य आरण्यक

### सामवेद के उपनिषद्

छांदोग्य उपनिषद एवं जैमिनीय उपनिषद् सबसे प्राचीन उपनिषद् माना जाता है। देवकी पुत्र कृष्ण का उल्लेख सर्वप्रथम इसी में मिलता है।

## यजुर्वेद

यह एक कर्मकांडीय वेद है। इसमें अनेक प्रकार के यज्ञों को संपन्न करने की विधियों का उल्लेख किया गया है। इसमें कुल 1990 मंत्र संकलित है। यजुर्वेद के कर्मकांडों को संपन्न कराने वाले पुरोहित को "अर्ध्व्यु" कहा जाता है। यह वेद गद्य तथा पद्य दोनों में लिखा गया है। यजुर्वेद के दो मुख्य भाग हैं -

### कृष्ण यजुर्वेद

इसमें छंदोबध्द मंत्र तथा गद्यात्मक वाक्य है। इसकी चार शाखाएं हैं- काठक संहिता, कपिष्ठल संहिता, मैत्रेयी संहिता व तैत्तिरीय संहिता। कृष्ण यजुर्वेद के ब्राह्मण का नाम तैत्तिरीय ब्राह्मण है।

### शुक्ल यजुर्वेद

इसमें केवल मंत्रों का समावेश है। इसे वाजसनेयी संहिता भी कहते हैं। इसकी दो शाखाएं हैं - काण्व तथा माध्यद्गिन। शुक्ल यजुर्वेद का एक ब्राह्मण शतपथ ब्राह्मण है। यह सबसे प्राचीन तथा सबसे बड़ा ब्राह्मण है। इसके लेखक महर्षि याज्ञवल्क्य है।

### यजुर्वेद के उपनिषद्

वृहदारण्यक उपनिषद्, कठोपनिषद्, ईशोपनिषद् श्वेताश्वतर उपनिषद्, मैत्रायण उपनिषद् व महानारायण उपनिषद्।

### यजुर्वेद के आरण्यक

वृहदारण्यक, तैत्तिरीय आरण्यक, शत पथ आरण्यक

यम और नचिकेता संवाद कठोपनिषद् में मिलता है। इस उपनिषद् में आत्मा को पुरुष कहा गया है। याज्ञवल्क्य और गार्गी संवाद वृहदारण्यक उपनिषद् में मिलता है।

## अथर्ववेद

इस वेद की रचना अथर्वा ऋषि द्वारा की गई। अत: अथर्वा ऋषि नाम पर ही इस वेद को अथर्ववेद कहते हैं। इस वेद के दूसरे दृष्टा अंगिरस ऋषि थे। अत: इसे अथर्वांगिरस वेद भी कहते हैं। यज्ञ में कोई बाधा आने पर उसका निवारण अथर्ववेद द्वारा ही किया जाता था। अत: इसे ब्रह्मवेद या श्रेष्ठवेद भी कहा गया। अथर्ववेद के मंत्रों का उच्चारण करने वाले पुरोहित को ब्रह्म कहा जाता था। चार वेदों में सर्वाधिक लोकप्रिय यही वेद है।

अथर्ववेद में 20 अध्याय, 731 सूक्त तथा 6000 मंत्र है। इस वेद में ब्रह्म ज्ञान, औषधि प्रयोग, तंत्र-मंत्र, भूत प्रेत व जादू-टोना आदि का वर्णन है। अथर्ववेद में मगध और अंग का उल्लेख सुदूरवर्ती प्रदेशों के रूप में किया गया है। इसमें सभा और समिति को राजा की दो पुत्रियां कहा गया है। इस वेद में राजा "परीक्षित" का उल्लेख मिलता है। अथर्ववेद की दो अन्य शाखाएं हैं शौनक और पिप्लाद।

***साक्षी***
*बी.ए. (तृतीय)*

॥ अति सर्वत्र वर्जयेत् ॥

# संस्कृत मुहावरे

1. आंख का अंधा नाम नयनसुख
   **शिक्षार्थ भ्रमते नित्यं नाम किन्तु धनेधर:।**
2. जैसी करनी वैसी भरनी
   **यो यद् वपति बीजं लभते तादृशं फलम्।**
3. पर उपदेश कुशल बहुतेरे
   **परोपदेशे पाण्डित्यं सर्वेषां सुकरं नणाम्।**
4. अपनी डफली अपना राग
   **मुण्डे मुण्डे मतिभिन्नता।**
5. अंधों में काना राजा
   **निरस्तपादये देशे एरण्डोपि द्रुमायते।**
6. मुंह में राम बगल में छुरी
   **विषकुम्भं पयोमुखम्।**
7. का बरखा जब कृषि सुखाने
   **पयो गते किं खलु सेतुबन्धनम्।**
8. अधजल गगरी छलकत जाए
   **अर्धोघटो घोषमुपैति शब्दम्।**
9. काल करे सो आज कर आज करे सो अब
   **अध: कर्तव्यानि कार्माणि कुर्यादद्यैव बुद्धिमान।**
10. एक पंथ दो काज
    **एका क्रिया द्वयर्थकरी प्रसिद्धा।**
11. भूखा क्या नहीं करता
    **बुभुक्षित: किं न करोति पापम्।**

*अनुज शर्मा*
*बी.ए. (प्रथम)*

# स्वास्थ्य-रक्षा

जीवने स्वस्थ्यस्य महती आवश्यकता अस्ति अस्य: रक्षा अस्माकं परम: धर्म अस्ति। स्वस्था: जना: एव जीवने सफला: भवन्ति। ते एव सुखसमृद्धिम् आयुष्यं च प्राप्नुवन्ति। ते एव महत्त्वपूर्णानि कार्याणि कर्तु शक्नुवन्ति। स्वस्था: जना: एव कठिनं परिश्रमं कर्तुं समर्था: भवन्ति। स्वास्थ्यस्य रक्षायै सदैव सूर्योदयात् प्राक् उत्थित्वा शौचादि कर्माणि कृत्वा व्यायामं कुरुत। शरीराय व्यायामस्य महती आवश्यकता भवति। अनेन शरीरं स्वस्थं भवति। रक्त संचार: सुष्ठुरूपेण भवति। भ्रमणाय प्रतिदिनंगच्छत। तत: दन्तधावन कृत्वा स्नानं कुरुत। प्रतिदिनं निर्मलानि वस्त्राणि धारयत। प्रात: काले ईश्वरम् अपि स्मरत। पौष्टिकानि भोजनानि एव खादत। दुग्धं पिबत। दिने मुहु: मुहु: न खादत। मुहु: मुहु: भक्षणेन पाचनशक्ति क्षीणा भवति। यथासमयं पठत, यथासमयं क्रीडत, यथासमयं शयनं विश्रामं च कुरुत। एवं यूयं जीवने सुखस्य सफलताया: आयुष्यस्य च प्राप्तिं करिष्यथ। यतोहि उक्तं-

**"शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्॥"**

*शिवानी*
*बी.ए. (प्रथम)*

# राम:

श्री राम राम रामेति, रमे रामे मनोरमे।
सहस्रनाम तत्तुल्यं, रामनाम वरानने॥

अयं श्लोक: सर्वे: अपि श्रुत पूर्व: एव विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रयं फल श्रुतिभागे विद्यमान: श्लोकऽयम्! शिव पार्वत्यो: संवादस्य अङ्गतया स्थिते एतस्मिन् स्रोते शिव: पार्वतीम् उद्दिश्य यत् कथयति तत् अयं श्लोक: दृश्यते: 'राम' नाम य: त्रिवाराम् उच्चारयति स: सहस्रनाम जपस्य फलं प्राप्नोति इति अस्य श्लोकस्य तात्पर्यम्।

॥ उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

'राम' नाम यः त्रिवारम् उच्चारयति सः सहस्रनाम जपस्य फलं प्राप्नोति इति अस्य श्लोकस्य तात्पर्यम्।

गणितीय परिभाषया अयमेव अंशः विवृतः चेत् ३=2000 इति समीकरणं प्राप्यते। त्रित्वोपेता सङ्ख्या सहस्रतुल्या न भवति इति बालोऽपि जानति इत्यतः समीकरणस्य अयुक्ता सुस्पष्टा एव।

किन्तु यदि अन्यया दृष्टया तर्हि तत्रापि सुसङ्गतिः दृश्यते। तत् इत्यथम्-

कटपयादिसङ्ख्याक्रमः प्रायः सर्वैः जायते। कापि नव रावि नव, पादि पञ्च, याघष्ट इति सामान्यसूत्रम्। एतस्मिन् क्रमे एकैकम् अक्षरम् एकैकां सङ्ख्यां सङ्केतयति। तदानुगुण्येन 'रा' इत्येतत् '२' इति सङ्ख्यां 'म' इत्येतत् '५' इति सङ्ख्यां च सङ्केतयति इति सिद्ध्यति। ततः 'राम राम राम' इति पदसमूहः अङ्कैः यदि लिखयेत् तर्हि '2x५x2x५x2x५' इति समूहः प्राप्यते/ भ्रर्वा ससां सङ्ख्यानां गुणनात् '2000' प्राप्यते। (2x५x2x५x2x५) 2000 तस्मात् सिद्ध यत् राम राम राम = सहस्रनाम तुल्यता इति।

मूल श्लोकस्य आशयः:एवमपि उत न इति तु न ज्ञायते। किन्तु गणितीय दृष्टया अवलोकनात् एतादृशः अर्थः अपि प्राप्तुं शक्यः इत्यत्र नास्ति सन्देहः।

***मोहित***
*बी.ए. (प्रथम)*

## सुभाषितानि

यत्र तत्र च सर्वत्र देवो वर्षति भारते किंतु वृष्टिजलमत्र सागरं प्रति गच्छति।
अत एव जलाऽभावों निदाटो त्वनुभूयते।
पिपासिता वन्य जीवाः कुर्वन्ति जलान्वेषण
तेऽत्र ग्रामान् प्रविशन्ति कपयः सदनानि च
पिपासाशमनाऽभावें वन्य जीवाः कुर्वन्ति जलान्वेषणम्।
एतादृशी भयड़करी निवारचितुं च स्थितिमा
प्रयत्नों वर्षासमये कर्तव्यो मानवैरपि।
सरांसि रक्षणीयानि वनेषु यत्र तत्र च
तटाकाश्च निर्माणीयाः सर्वथा जलप्राप्त्ये
जलसंग्रह स्थलानि भवन्ति शक्नुवन्ति चेत्ता
तानि च निर्माणीयानि रक्षणीयानि सर्वदा
ग्रामाणा समीपे पूर्व तटाका आसन्ये स्थित
ते सर्वे ह्यज्जीवनीयाः सलिल प्राप्तुं प्राणिन
तही ग्रीष्मेऽपि तोयस्य सुलभत्वं भविष्यति
अन्यथा मरिष्यन्ति शुष्का भूत्वा वृक्षा अपि
अतः प्रयत्नः क्रियतां सम्प्रति जलरक्षणे
रामकिशोरमिश्रेण जलमुपलब्ध भवेत्

***रचना***
*बी.ए. (प्रथम)*

## बुभुक्षितः किं न करोति पापम्

बुभुक्षितानाम् अनेके प्रकाराः भवन्ति। यथाहि अन्न बुभुक्षिताः, धनबुभुक्षिताः अधिकार बुभुक्षिताः इत्यादयः। एते सर्वे एव अनेकविधानि पापानि कर्तु बाधिताः भवन्ति। अधिकार बुभुक्षिताः शासकाः पितरमपि न विचारयन्ति, भातृनपि न गणयन्ति, सखिन अपि न मन्यन्ते। यथा कंसः निजपितर कारागारे प्राक्षिपत्। अशोकः नवनवतिः भ्रातृन अहन्। कैकेयी रामाय चतुर्दश वर्षानां वनवासम् अदापयत्। बुभुक्षिताः पुमान् निश्चयेन सर्वान् सिद्धान्तान् परित्यजति। बुभुक्षिताः विश्वामित्रः शुनोः मांसं खादितवान् इति सर्वेषां विदितम्। बुभुक्षितः ऋषिः गजपालस्य उच्छिष्टान् माषान् भक्षितवान् इत्यपि सर्वेषां विदितम्। देशस्य विभाजनकाले। बुभुक्षां शमयितुं कुमार्यः निजसतीत्वमपि समर्पयन्।

॥ जिता सभा वस्त्रवता ॥

जगतीह धनिकस्य एवं जीवनं सुखमयं भवति। निर्धन: तु जीवनस्य श्वासान् एव पूरयति। निर्धनस्य जीवनम् अत्यन्तं दयनीयं जायते। तस्य मनसि अपि अनेके अभिलाषा: उत्पद्यन्ते, परं ते क्षणानन्तरमेव लीयन्ते।

असौ अपि वाञ्छति एत् तस्य सुता: उच्चशिक्षां प्राप्नुयु:। असौ अपि इञ्छति यत् तस्य सन्तति: सुन्दराणि वस्त्राणि धारयेत्। असौ अपि अभिलषति यत् तस्य परिवार: महति भवने निवसेत्। परं धनाभावात् एतत् न भवति। यदा असौ अपि पश्यति यत् तस्य पुत्रा: पठितुं पुस्तकानि अपेक्षन्ते, परं तानि क्रेतुं धनं नास्ति, तदासौ कुमार्गमपि आश्रयति। उदरदरीपूरणाय स: निज-स्वाभिमानं विक्रीणीते। बुभुक्षित: अनाकर्ण्यम् अपि आकर्णयति, अगम्यमपि गञ्छति, असेव्यमापि सेवते अत: महत्तरं पापं किम् भवितुं अर्हति?

***रचना***
*बी.ए. (प्रथम)*

## परिवर्तन

परमेश्वर सदा रहते हैं पास
तथैव संस्कृत थी सदा मेरे पास
अंधानुकरण ने मुझको
बना दिया अंग्रेजी का दास
पल पल मेरे ही कारण से
होता रहा संस्कृत का ह्रास
भ्राता मेरे ब्रदर बन गए
भगिनी मेरी बनी है सिस्टर
श्वेत वर्ण को वाइट पुकारूं
हर पल अंग्रेजी को है सुधारूं
संस्कृत से नाता छूटा और
हो रहा है संस्कृति का विनाश
मन में है अब भी विश्वास
संस्कृत और संस्कृति का
हम सब मिलकर करेंगे
संरक्षण, संवर्धन, विकास

***कोमल खर्ब***
*बी.ए. (द्वितीय)*

## सदैव पुरतो निधेहि चरणम्

चल चल पुरतो निधेहि चरणम्
सदैव पुरतो निधेहि चरणम् ॥
गिरीशिखरे ननु निजीनिकेतनम्
विनैव यानं नगारोहणम्
बलं स्वकीय भवति साधनम्
सदैव पुरतो निधेहि चरणम् ॥१॥
पथि पाषाणा विषमा: प्रखरा:
हिंस्त्रा: पशव: परितो घोरा:
सुदुष्करं खलु यद्यपि गमनम्
सदैव पुरतो निधेहि चरणम् ॥२॥
जहीहि भीति भज भज शक्तिम्
विधेहि राष्ट्रे तथाऽनुरक्तिम्
कुरु कुरू सततं ध्येय स्मरणम्
सदैव पुरतो निधेहि चरणम् ॥३॥

***पल्लवी***
*बी.ए. (प्रथम)*

॥ लोभमूलानि पापानि ॥

# मन्त्रिण : चातुर्यम्

राजा विक्रमसिंह: महान कलापोषक:। तस्य आस्थाने बहव: कलाकारा: आसन। सर्वे अपि तस्य कलाप्रीति प्रशसन्ति स्म। किन्तु मन्त्रिण: खेद: तु प्रजापरिपालने महाराजस्य अधिकम् अवधानं नास्ति इति। केन महाराज: विवेक मार्गं प्रति आनेतव्य: इति मन्त्री दिवानिशम् अचिन्तयत्।

एकदा मन्त्री महाराजम् उपसर्प्य अवदत्-प्रभो।

अस्माकं राज्ये एव बहव: कलाकारा:सन्ति।

सेवा मनोभावना इत्यादीनां विषये अस्माभि: अवधानं न दत्तमेव इति।

"एवम्? तर्हि तेभ्य: गौरवान्वितं पुरस्कारं दद्य:" इति सहर्षम् अवदत् महाराज:।

"अस्माभि: दीयमानस्य पुरस्कारस्य पारितोषिकस्य वा अपेक्षा नास्ति तेषाम्। परिश्रमेण क्रियमाणात् कार्यात् एव तेषां संतोष:, सन्तृप्ति: च इति मन्त्री चातुर्येण अवदत्।

"तर्हि इदामीमेव चल। तादृशानां महानुभावानां दर्शन करवाम्। अहं तु कलाराधनमेव देवाराधनं भवयामि" इति वदन् महाराज मन्त्रिणा सह प्रस्थितवान् एव।

महाराज: मन्त्री च रथम् आरुह्य नगरात् बहि: प्रस्थितवन्तौ। छण्टा: यावत् प्रयाणं कृत्वा हरिद्धणै: प्रपूरितानि कृषि क्षेत्राणि प्राप्तवन्तौ। क्षेत्रे कृषिका: परिश्रमेण कार्य कुर्वन्त: आसन्।

मन्त्री रथ स्थगयित्वा रथात् अवतीर्थ अवदत्- "प्रभो! एते कृषिका: परोक्षरीत्या कलाकारा: एवं स्वकीया कृषिकलां कुत्रापि न प्रदर्शयन्ति ते। किन्तु ते यदि कृषिकलां धान्यवृद्धि च त्यजेयु: तर्हि वयं सर्वे अनाहारं विना मरणं प्राप्नुयाम्। वृष्टिधर्मशैत्यातपादीनां परिज्ञान विना क्षेत्रेषु परिश्रमं कुर्वन्ति ते" इति।

महाराज: किमपि न अवदत। मन्त्री कथनम् अन्ववर्तयत् "एते पुरस्कारादिकं न इच्छन्ति। परोपकार मात्रम् एतेषां स्वभाव:" इति।

मन्त्रिण आशयम् अवगतवान राजा अपृच्छत् "एतेषां निमितं वयं किं कर्तु शक्नुयाम?" इति।

"प्रभो! कासारतादयो: जलाशयादीनां चं अभावात् संतप्ता: सन्ति एते। अत: कूप जलाशयादय निर्मिता: चेत् एते अपकृता: स्यु:" इति अवदत् मन्त्री

महाराज: मन्त्रिण वचनम् अङ्गीकृत्य अवदत्- "यावच्छीघ्रं कूप जलाशयानां निर्माण व्यवस्था भवतु" इति।

तत: ग्रामेषु सर्वत्र जलाशया: कृपा: तडागा: च निर्मिता: अथ एकदा महाराजस्य आध्यश्ये कृषिकाणां सभा आयोजिता मन्त्रिणा! अग्रिमे वर्षे ये अधिकतया धान्यं वर्धयेय: तेभ्य: पुरस्कार: दास्यते" इति अघोषयत् महाराज:।

सर्वे अपि जना: सन्तुष्ट: सन्त: मन्त्रिण: चातुर्यं, बुद्धिमतां च अश्लाघन्त:

***कमलजीत***
*बी.ए. (प्रथम)*

# सुभाषितानि

- स एव जयति य: आत्मानं संकटे क्षिप्त्वा, कार्यं सम्पादयति भीरु: कदापि विजयं न लभते।
- यदि कदाचित् कोपि ऐश्वर्य सपन्न: भवति तदा गुणा: दोषाश्च आगच्छन्ति। यदा कूपे जलम् आगच्छति तदा मन्डूका: अपि शतश: आपतन्ति।
- प्रत्यक्षं मित्रस्य समादरं कुरु, परोक्षे प्रशंसनम् कुरु, समये च तस्य सहायतां कुरु।
- पापाद् जुगुप्सस्व न पापिन:।
- ईश्वरस्य दक्षिण: हस्त: कोमल: अस्ति परन्तु वाम: कठोर: अस्ति।
- यदि स्वर्ग: किमपि स्थानम् अस्ति तर्हि प्रेम एव तत्र गमनस्य पन्था अस्ति।

***निशा***
*बी.ए. (द्वितीय)*

॥ शरीरमद्यं खलु धर्मसाधनम् ॥

# Science Section

*"We are in danger of destroying ourselves by our greed and stupidity. We cannot remain looking inwards at ourselves on a small and increasingly polluted and overcrowded planet."*

-Stephen Hawking (1942-2018)

**Teacher Editor**

***Prof. Pawan Kumar***

**Student Editor**

***Vijay, B.Sc. III (Bio-Tech)***

## CONTENTS


1. From Editor's Pen 2
2. Earth's History 3
3. Towards Zero Waste 3
4. Thinking 6
5. Hearing 6
6. Why Do You Have Bones in Your Body? 7
7. Quiz 7
8. The Big Bang 8
9. "Bad" and "Good" Cholesterol and Thirteen Foods that Increase "Good" Cholesterol 8
10. Medicinal Uses of Neem 10
11. Interesting Things About Human Body 10
12. Facts About Junk Food 11
13. Interesting Facts About Plants 11
14. Amazing Facts about Birds 12
15. Top 10 Reasons to Study Bugs 12
16. Do You Know? 13
17. Insomnia 13
18. Zombie Cells or Senescent Cells 15
19. Botany: Interesting Facts 15
20. Impacts of Nanotechnology 16
21. Unique Facts about Animals 17
22. Observations of Some Famous Scientists 17
23. Green IT 18
24. Networking & Communication 19
25. Coding Theory and Its Applications 20
26. What is Image Resolution and Image Resolution Enhancement? 22
27. Mathematics Behind Global Positioning System 23
28. Bacterial Nanowires 24
29. How Do Astronauts Communicate In Space ? 25
30. Did You Know? 26
31. Chemistry in Everyday Life 28
32. Science is A Good Servant But A Bad Master 30
33. Save Environment 31
34. Know Yourself by Your Blood Group 31
35. Common Adulterants in Food 32
36. Soya and Health 33
37. Everyday Science 34
38. Do You Know? 35
39. Global Warming 36

# From Editor's Pen

*"Live to the fullest, Love to the fullest,*
*Express from your heart...."*

Of all things we wear, our expression is most noticeable ....

With enjoyment and pleasure, we put forward the next dynamic piece of creativity, freedom, self-expression, enthusiasm of our year's work in our magazine "INDERGUNJAN", which is an amalgamation of the year long work of talented souls along with the blend of unique taste from each one who has contributed in this Science Section.

"INDERGUNJAN" is more than just a magazine where the potentials, talents, achievements and vision of the science students of our college get reflected. This is that proud platform where science professors and students take pride in their hardwork and cherish their fruits of labour and sincerity of the year that is gone by.

This year the magazine's science section throws light on best aspects of our personalities through self-expression....!!!!

What a time it would be to see each one's creativity flowing from within , where creativity sees neither good nor bad.... it is just one's own imagination, then to be through poems, songs, drawings, paintings or any other form of art. Whatever the matter is, it's one's own creation.

Imagine how great and light one would feel if they are not judged by outside competition, not judged by standards set by others, but are respected for what they truly are. So, who are we? Well, we are the results of our own thoughts (as quoted by Gautam Buddha). So, flow through any art form, express self, see the beauty within and soon we shall learn to find beauty in every creature or event we come across in our lives.

I express my gratitude to Dr. Ajay Garg, our Principal, for keeping his faith in me and supporting me to put this year's memories in this section.

"*A good thing about science is that 'it's true whether or not you believe in it.*"
(Neil de Grasse Tyson)

**Prof. Pawan Kumar**
(Teacher Editor)

# Earth's History

## How old is Earth

Earth is about a 4.6 billion years old. Scientists know this from analysing meteorite lumps of rocky debris that have fallen on to earth from space and probably formed at the time as earth. By analysing, just how far they have broken up, scientists can tell exactly how old the meteorites are. This is called radioactive dating.

## How is Earth's history divided up?

Just as the day is divided into hours, minutes and seconds, in the same way the geologists have divided the earth's history into different time periods. The longest are eons, which are hundreds of millions of years long. The shortest are crohns, just a few thousand years long. In between come eras, periods, epochs and ages.

## What do we know about Earth's early history?

We know only a little about the first four billion years of earth's history, called precambrian period because fossils from that time are rare. But we know great deal about the last 542 million years, since the beginning of the Cambrian period. This is split into 11 periods.

## Key to periods

- Hadean eon = 4 6 0 0 - 3 8 0 0 Million Years Ago (MYA)
- Arachaean eon = 3800-2500 MYA
- Proterozoic eon = 2500-542 MYA
- Cambrian period = 542-488 MYA
- Ordovician period = 488-444 MYA
- Silurian period = 444-416 MYA
- Devonian period = 416-359 MYA
- Carboniferous period = 359-299 MYA
- Permian period = 299-251 MYA
- Triassic period = 251-200 MYA
- Jurassic period = 200-145 MYA
- Cretaceous period = 145-65 MYA
- Paleogene period = 65-23 MYA
- Neogene period = 23-0 MYA

When did the first modern human being appeared: 200,000–100,000 years ago

**Pawan Kumar**
Assistant Professor
Department of Zoology

# Towards Zero Waste

Wouldn't it be great if no household waste was wasted? If each and every item of refuse was turned into something else – new products, raw materials, gas or at least heat?

Sweden has already done it. More than 99 per cent of all household waste is recycled in one way or the other. This means that the country has gone through something of a recycling revolution during the last few decades, considering that only 38 per cent of household waste was recycled in 1975.

Today, recycling stations are, as a rule, no more than 300 metres away from any residential area. Most Swedes separate all recyclable waste in their homes and deposit it in special containers in their block of flats

or drop it off at a recycling station. Few other nations deposit less in rubbish dumps.

## Facts about waste in Sweden

- In 2015 nearly 2.3 million tonnes of household waste was turned into energy through burning.
- The same year Sweden imported more than 1.3 million tonnes of waste from, among others, Norway, the UK and Ireland.
- Sweden has been burning waste for a long time – the first incineration plant was set up in 1904. Today there are 32 plants.
- Heavy metal emissions have been reduced by 99 per cent since 1985, even though Sweden incinerates three times more waste today.

## Stepping up recycling

Weine Wiqvist, CEO of the Swedish Waste Management and Recycling Association (Avfall Sverige), still thinks Swedes can do more, considering that about half of all household waste is burnt, that is, turned into energy. He explains that reusing materials or products means using less energy to create a product, than burning one and making another from scratch.

'We are trying to "move up the refuse ladder", as we say, from burning to material recycling,

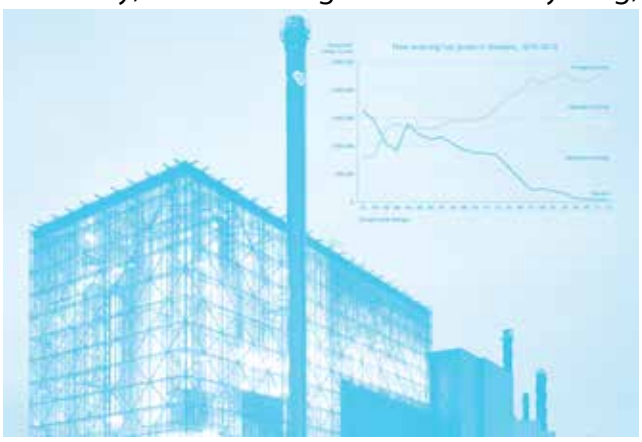

by promoting recycling and working with authorities', he says.

Meanwhile, Swedish households keep separating their newspapers, plastic, metal, glass, electric appliances, light bulbs and batteries. Many municipalities also encourage consumers to separate food waste. And all of this is reused, recycled or composted.

Newspapers are turned into paper mass, bottles are reused or melted into new items, plastic containers become plastic raw material; food is composted and becomes soil or biogas through a complex chemical process. Rubbish trucks are often run on recycled electricity or biogas. Wasted water is purified to the extent of being potable. Special rubbish trucks go around cities and pick up electronics and hazardous waste such as chemicals. Pharmacists accept leftover medicines. Swedes take their larger waste, such as a used TV or broken furniture, to recycling centres on the outskirts of the cities.

At the Gärstadverken in Linköping, waste is turned into energy.

## Waste to energy

Let's take a closer look at the 50 per cent of the household waste that is burnt to produce energy at incineration plants. Waste is a relatively cheap fuel and Sweden has, over time, developed a large capacity and skill in efficient and profitable waste treatment. In 2014, Sweden even imported 2.7 million tonnes of waste from other countries.

The remaining ashes constitute 15 per cent of the weight before burning. From the ashes, metals are separated and recycled, and the rest, such as porcelain and tile, which do not burn, is sifted to extract gravel that is used

in road construction. About one per cent still remains and is deposited in rubbish dumps.

The smoke from incineration plants consists of 99.9 per cent non-toxic carbon dioxide and water, but is still filtered through dry filters and water. The dry filters are deposited. The sludge from the dirty filter water is used to refill abandoned mines.

In Sweden, burning waste to produce energy is uncontroversial, but in other countries – like the US – it is a much debated topic.

## Doing better

Hans Wrådhe at the Swedish Environmental Protection Agency (Naturvårdsverket) considers proposing a higher levy on waste collection.

'That would increase everybody's awareness of the problem', he says.

Together with government agencies and corporations, Wrådhe has developed an action plan for waste prevention, including how to encourage producers to make products that last longer. The agency also considers proposing a tax deduction for some repairs.

'Government-sponsored ads on how to avoid food waste might also help', he says. 'And less toxic substances used in production would mean fewer products that require expensive treatment.'

## Recycle more!

On Swedish TV, sandwiched between other commercials, the Pantamera videos try to encourage people to return used bottles to grocery stores – 'panta mera' means recycle more.

In this stationary vacuum system, users throw their waste into ordinary inlets, where the bags are stored temporarily. All full inlets are then emptied at regular intervals through a network of underground pipes.

## Companies joining the effort

Some Swedish companies have voluntarily joined in the struggle. For example, H&M has begun accepting used clothing from customers in exchange for rebate coupons in an initiative called Garment Collecting.

The Optibag company has developed a machine that can separate coloured waste bags from each other. People throw food in a green bag, paper in a red one, and glass or metal in another. Once at the recycling plant, Optibag sorts the bags automatically. This way, waste sorting stations could be eliminated.

The southern Swedish city of Helsingborg even fitted public waste bins with loudspeakers playing pleasant music – all in the name of recycling.

Back to Swedish Waste Management and Recycling Association CEO Wiqvist, who thinks perfection in recycling is possible, an idea worth striving for.

'"Zero waste – that is our slogan", he says. 'We would prefer less waste being generated, and that all the waste that is generated is recycled in some way. Perfection may never happen, but it certainly is a fascinating idea.'

**Anjali Gupta**
Assistant Prof.

# Thinking

## What is a brain?

Your brain is an amazing package of 100 billion tiny nerve cells, each connected with up to 25000 other. This huge number of interconnecting nerve cells is what make your brain clever–enabling it to do everything from analyzing all the signals coming from your senses to controlling your body and thinking.

## What goes on in the brain?

Different things happen in different parts of the brain. The center of the brain is right at the top of the neck, where nerves from the spine join it. This is where body functions; you don't have to think about such as breathing and heart rate are controlled. Just behind this is the 'Cerebellum", which controls balance and coordination. Wrapped around the outside is the cerebrum where you think, and complex tasks, such as speaking and action you decide on, are controlled.

## What is the nervous system?

The nervous system is your body's hotline carrying messages from the brain to every organ and muscle in your body and sending back a constant stream of information to your brain about the world, both inside and outside your body. It is made from long strings of special nerve cells, or neurons.

## What is the central nervous system?

The brain and the spinal cord (the bundle of nerves that run through the middle of your backbone) together make what is called the central nervous system or CNS. All the nerves of the body radiate out from the CNS in branches. This is why severe damage to the spine can make someone paralyzed.

**Vijay**
Lab. Attendant (Botany)

# Hearing

## How do you hear?

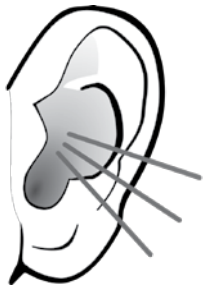

Sound reaches your ear as vibrations in the air. Your ear flap funnels sound into a tube into your head called the ear canal. Inside, the sound hits a taut wall of thin skin called the eardrum and makes it vibrate like a drum. As the eardrum vibrates, it rattles three little bones called ossicles, which knock against the "Cochlea," deep inside the ear. The Cochlea is filled with fluid, and as it is knocked, waves run through the fluid and the waves wiggle hairs attached to nerves. The wiggling of the hairs tells your brain about the sound.

## Why do you have two ears?

So that your ears could tell which direction a sound is coming from. You can pinpoint sound because a sound to the left of you is slightly louder in your left ear than in the right ear, and vice versa.

## What is earwax?

Earwax is a yellow brown waxy substance made in the glands lining the ear canal. Its purpose is to trap dirt and germs and prevent

them from getting into the inner ear. It is slowly eased out of the ear.

### Why do ears pop?

When going up or down in a plane, the air pressure may change before the air inside your ears can adjust. The popping is over when pressure evens out again.

### How is sound measured?

Sound is measured in decibels (dB). An increase of 10dB is thought of as sounding twice as loud, so 20db sounds twice as loud as 10dB, and 30dB seems twice as loud as 20dB, and so on.

**Priynka Sharma**
Lab. Attendant (Zoology)

## Why Do You Have Bones in Your Body?

Without bones, you would flop on the floor like jelly. Your bones make the strong, rigid framework called the skeleton that supports your body. It not only provides an anchor for your muscles, but also provides a protective casing for your heart, brain and other organs.

### How many bones do you have?

A baby skeleton has more than 300 bones, but some fuse together as it grows. An adult skeleton has 206 bones.

### What's inside a bone?

The centre of the bones is a core of soft, jelly material called bone marrow. This is the place where your blood cells are made.

### Why are bones strong?

The outer casing combines two materials, one that makes them flexible and another

that makes them stiff. The flexible material is strong, streachy strands called collagen. The stiff material is the hard deposits of the minerals calcium and phosphate.

**Pawan Kumar**
Assistant Professor
Department of Zoology

## Quiz

**Q 1. Name the biggest muscle in our body?**

**Ans.** Gluteus Maximus muscle present in the buttocks.

**Q 2. How many muscles do we have in our body?**

**Ans.** 650

**Q 3. How many muscles has an average football player?**

**Ans.** 650, same as everyone.

**Q 4. Name the longest bone in our body?**

**Ans.** Thigh bone or femur.

**Pawan Kumar**
Assistant Professor
Department of Zoology

# The Big Bang

## How did the universe begin?

The Universe began with the biggest explosion of all times, called the big bang. One moment there was just an unimaginable small, incredibly hot, little ball. A moment later, the Universe brust into existence with gigantic explosion. The explosion was so big that material is still hurtling away from it in all directions at astonishing speed.

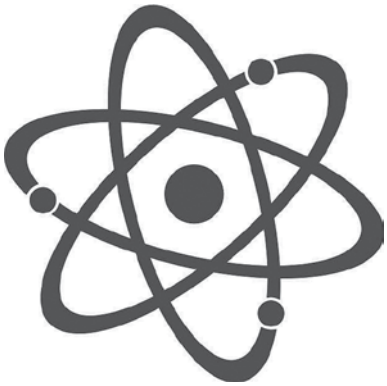

## What will happen in the future?

No one knows if the Universe will go on growing. It all depends on how much matter it contains. If there is more the "Critical density", gravity will put a brake on its expansion and it may soon begin to contract again to end in a big crunch. If there is about the same, it may already be in a "steady state", neither expanding nor contracting. If there is much less than the critical density, it will go on expanding forever. This is called open universe.

**Pawan Kumar**
Assistant Professor
Department of Zoology

# "Bad" and "Good" Cholesterol and Thirteen Foods that Increase "Good" Cholesterol

Cholesterol travels through the blood on proteins called "lipoproteins." Two types of lipoproteins carry cholesterol throughout the body:

- LDL (low-density lipoprotein), sometimes called "bad" cholesterol, makes up most of your body's cholesterol. High levels of LDL cholesterol raise your risk for heart disease and stroke.

- HDL (high-density lipoprotein), or "good" cholesterol, absorbs cholesterol and carries it back to the liver. The liver then flushes it from the body. High levels of HDL cholesterol can lower your risk for heart disease and stroke.

## Lowering Your Risk

If you have high LDL cholesterol levels and low HDL cholesterol levels, following thirteen foods can help you to lower down your LDL levels and improve your heart's health.

### 1. Legumes

Legumes, also known as pulses, are a group of plant foods that includes beans, peas and lentils. Legumes contain a lot of fiber, minerals and protein. Replacing some refined grains

and processed meats in your diet with legumes can lower your risk of heart disease.

## 2. Avocados

Avocados are an exceptionally nutrient-dense fruit. They are a rich source of monounsaturated fats and fiber — two nutrients that help lower "bad" LDL and raise "good" HDL cholesterol.

## 3. Nuts — especially Almonds and Walnuts

Nuts are very high in monounsaturated fats. Walnuts are also rich in the plant variety of omega-3 fatty acids, a type of polyunsaturated fat associated with heart health.

Almonds are particularly rich in L-arginine, an amino acid that helps your body make nitric oxide. That helps regulate blood pressure. Nuts also provide phytosterols, calcium, magnesium and potassium that lower the risk of heart disease.

## 4. Fatty Fish

Fatty fish, such as salmon and mackerel, are excellent sources of long-chain omega-3 fatty acids. Omega-3s bolster heart health by increasing "good" HDL cholesterol and lowering inflammation and stroke risk.

## 5. Whole Grains — especially Oats and Barley

Oats contain beta-glucan, a type of soluble fiber that helps lower cholesterol. Eating oats may lower total cholesterol by 5% and "bad" LDL cholesterol by 7% .

Barley is also rich in beta-glucans and can help lower "bad" LDL cholesterol.

## 6. Fruits and Berries

Fruits are an excellent addition to a heart-healthy diet for several reasons. One kind of soluble fiber called pectin lowers cholesterol by up to 10%. It's found in fruits such as apples, grapes, citrus fruits and strawberries.

## 7. Dark Chocolate and Cocoa

Flavonoids in dark chocolate and cocoa can help lower blood pressure and "bad" LDL cholesterol while raising "good" HDL cholesterol.

## 8. Garlic

Garlic has been used for centuries as an ingredient in cooking and as a medicine. It contains various powerful plant compounds, including allicin, its main active compound, that help lower down "bad" cholesterol.

## 9. Soya Foods

Soybeans are a type of legume that may be beneficial for heart health.

## 10. Vegetables

Vegetables are a vital part of a heart-healthy diet. They are rich in fiber and

antioxidants and low in calories, which is necessary for maintaining a healthy weight.

### 11. Tea

Two of the primary beneficial compounds in tea are:

- Catechins: help activate nitric oxide, which is important for healthy blood pressure. They also inhibit cholesterol synthesis.
- Quercetin: may improve blood vessel function and lower inflammation.

### 12 Dark Leafy Greens

Dark leafy greens, such as kale and spinach, contain lutein and other carotenoids, which are linked to a lower risk of heart disease. Carotenoids act as antioxidants to get rid of harmful free radicals that can lead to hardened arteries.

### 13 Extra Virgin Olive Oil

Olive oil group had a 30% lower risk of major heart events, such as stroke and heart attack.

Olive oil is a rich source of monounsaturated fatty acids, the kind that may help raise "good" HDL and lower "bad" LDL cholesterol.

It is also a source of polyphenols, some of which reduce the inflammation that can drive heart disease.

**Anjushree Saraswal**
Assistant Professor
Department of Biotechnology

## Medicinal Uses of Neem

1. Juvenile leaves of neem are crushed and extract is taken orally to purify blood. It cures boils and pimples.
2. Leaf extract is used to clean wounds and the pregnant women are given bath with this extract to rule out skin ailments.
3. Fumes of dried neem leaves help to prevent malarial fevers.

**Pooja**
B.Sc. III (Medical)

## Interesting Things About Human Body

1. The human body contains enough fat to make seven bars of soap.
2. Embryos develop fingerprints three months after conception.
3. Heart can beat outside the body.
4. Astronauts can grow up to two inches taller in space.
5. Your brain can survive for 5-10 minutes without oxygen.

6. The small intestine is roughly 23 feet long.
7. One quarter of your bones are in your feet.
8. There are more than 100,000 miles of blood vessels in your body.

**Chinki**
Assistant Professor
Department of Zoology

## Facts About Junk Food

1. The term 'junk food' was initially used in the 1960s, but was popularised during the following decade when the song "Junk Food Junkie" reached the top of the charts in 1976.
2. While eating ice cream may seem a delicious way to cool off, the high fat content in the tasty treat actually warms up the body.

3. Gelatin, the ingredient that makes Jello jiggle, is derived from collagen, which is often collected from animal skins. The gelatin in desserts, for example, comes from pig skin.
4. A single can of coca cola has 10 tea spoons of sugar in it.
5. Coca cola can be used as all purpose cleaner.
6. Over one billion pizzas are delivered in the United States per year.
7. Junk food can cause memory and learning problems.
8. Junk food lessens the ability to control appetite.

**Rajni**
Assistant Professor
Department of Botany

## Interesting Facts About Plants

- The flower with world's largest bloom is Rafflesia arnoldii commonly called the corpse lily.
- The world's smallest flowering plant is the watermeal, or Wolffia globosa.
- The slowest flowering plant is the rare species of giant bromeliad Puya raimondii. The flower cluster emerges after about 80-150 years of the plant's life.
- Sunflowers move throughout the day in response to the movement of the sun from East to West.
- Vanilla flowers only open once for two to three hours and require hand pollination.
- Lillies are toxic and potentially fatal for cats.
- Ghost flower is the flowering plant with no chlorophyll.
- Vodka and citrus sodas keep cut flowers fresh.

**Rajni**
Assistant Professor
Department of Botany

# Amazing Facts about Birds

1. Ostrich has the largest eyes among all land animals.
2. Most humming birds weigh less than a nickel.

3. In ancient Greece, pigeons delivered the results of the Olympic Games.
4. Parrots can learn to say hundreds of words.
5. A flamingo can eat only when its head is upside down .
6. A bird's heart beats 400 times per minute while resting and upto 1000 beats per minute while flying .
7. The Hooded Pitohui of Papua New Guinea is the only known poisonous bird in the world.
8. The African Gray Parrot is the most talkative bird in the world. One parrot could say 800 words.

**Neha**
Assistant Professor
Department of Zoology

# Top 10 Reasons to Study Bugs

1. And the top reason to study bugs is **that they are just too cool !**
2. Insects affect billions of dollars in agriculture for good as pollinators and bad as herbivores. Study such insects and and **you can help society.**
3. Students studying insects at Cornell get in to top graduate schools or **get jobs at non-profit organizations, such as Nature Conservancy museums.**

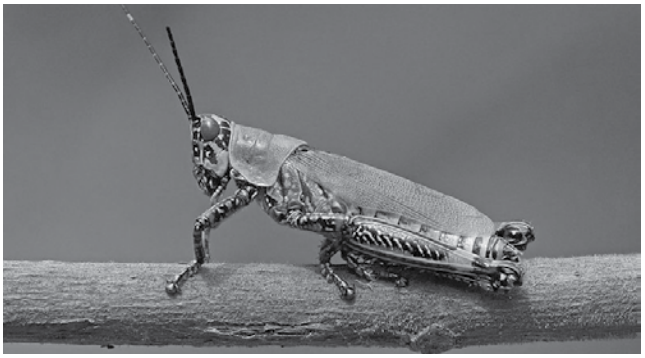

4. Insects live on all continents. Small flies even live year round on Antarctica. You can **travel the world** and work with insects where ever you go.
5. Insects have been around for 370 million years and have evolved solutions to many problems that still confound engineers. The new field of **biomimetic design** builds on the functional morphology of insects.
6. More species of insects have their genome sequenced than any other type of multicellular organism. **To study the blueprint for life, insects are a great place to start.**
7. Many serious diseases across the world have insect vectors. You'll need to learn

insect biology **if you want to cure a disease**.

8. Many physiological processes, such as nutrient specific hunger, are similar in insects and other animals, but are **easier to study in insects.**
9. Over half of the 2 million species described in the world are insects, thus there is a certain generality that pertains to all studies of insects. If you're interested in **biodiversity or ecology you need to study insect**s. **Do it at Cornell, where it is best.**
10. The Nobel Prize in Physiology and Medicine has recently been awarded to biologists studying insects. How will you know which bug to work on for your **Nobel Prize** unless you study insects?

**Mousham**
B.Sc. III (Med.)

## Do You Know?

1. An average size tree can provide enough wood to make 170,100 pencils.
2. The first type of aspirin, painkiller and fever reducer came from the tree bark of a willow tree.
3. 85% of plant life is found in ocean.
4. Bananas contain a natural chemical which can make people feel happy.
5. Brazil is named after a tree.
6. The Amazon rainforest produces half of the world's oxygen supply.
7. Cricket bats are made of a tree called Willow and baseball bats are made out of the wood of Hickory tree.
8. Dendrochronology is the science of calculating a tree's age by its rings.
9. Caffeine serves the function of a pesticide in a coffee plant.

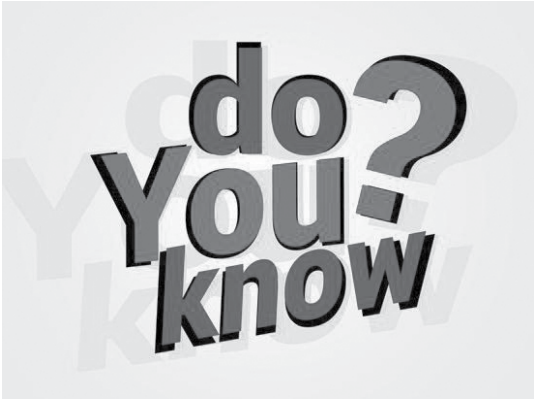


10. Apple, potatoes and onions have the same taste, to test this eat them with your nose closed.
11. The tears during cutting an onion are caused by sulphuric acid present in it.
12. The tallest tree ever was an Australian eucalyptus. In 1872 it was measured at 435 feet tall.

**Renu**
B.Sc. III

## Insomnia

Insomnia is characterized by an inability to obtain a sufficient amount of sleep to feel rested. It can be due to either difficulty in falling or staying asleep. It may also result in waking earlier than desired.

The sleep is often reported to be of chronically poor quality–light and unrefreshing. In children, there may be resistance to going to bed or difficulty in initiating sleep without a parent or caregiver being present.

## Symptoms of Insomnia

- Psychophysiological Insomnia: heighten arousal with excessive worry and focus on sleep.
- Idiopathic Insomnia: long standing and genetically based, often beginning in childhood.
- Paradoxical Insomnia: sleep state misperception resulting in mistaken belief that sleep has not occurred.
- Inadequate Sleep Hygiene: habits that disturb sleep including naps, caffeine intake, available sleep schedule.

## Results

- Fatigue or daytime sleepiness
- Poor attention or concentration
- Reduced energy or motivation
- Increased suicide risk
- Mood problems, including anxiety or depression or irritability
- Behavioral problem.

## Causes

Insomnia may be due to a number of possible causes. People with insomnia may have a predisposition towards developing the condition. This may be based in genetics as insomnia often runs in families. It may occur due to an underlying circadian rhythm disorder.

Those with insomnia are also found to have increased brain metabolism. As a result, they are more awake both during the day and at night.

It may be associated with other disorders, including anxiety or depression and sleep condition such as sleep apnea and restless legs syndrome.

Chronic pain or nocturia may also disturb sleep.

## How common is Insomnia

- Insomnia is the most commonly encountered sleep disorder. Its occurrence depends on study, the definition used, and whether one is assessing chronic verus intermittent or acute insomnia.
- In one study 35% of adult reported insomnia of any type during the previous year. Approximately 10% of people have chronic insomnia that affects their day time functioning according to a review of 50 studies.
- Insomnia more commonly occurs as we get older. This may be due in part to decreased sleep need and restricted lifestyle. Women are likely to report insomnia symptoms .

## Some of the prescription medications that are approved for treating insomnia include:

- Zolpidem (Ambien)
- Eszopiclone (Lunesta)
- Doxepin (Sonata)
- Rameltron (Rozerem )
- Suvorexant (Belsomra )
- Temazepam (Restoril )

**Arshi**
B.Sc. IIrd

# Zombie Cells or Senescent Cells

Zombie cells are the ones that can't die but are equally unable to perform the functions of a normal cell. These zombie, or senescent cells are implicated in a number of age-related diseases. Senescent cells no longer function but can broadcast inflammatory signals to the cells around them.

In a mouse model of a brain disease, scientists report that senescent cells accumulate in certain brain cells prior to cognitive loss. By preventing the accumulation of these cells, they were able to diminish tau protein aggregation, neuronal death and memory loss.

These cells cause the diseases of aging, including osteoarthritis; atherosclerosis; and neurodegenerative diseases, such as Alzheimer's and Parkinson's. In prior studies, we have found that elimination of senescent cells from naturally aged mice extends their healthy life span.

When senescent cells were removed, we found that the diseased animals retained the ability to form memories, eliminated signs of inflammation, did not develop neurofibrillary tangles, and had maintained normal brain mass.

Two different brain cell types called 'microglia' and 'astrocytes' were found to be senescent when we looked at brain tissue under the microscope. These cells are important supporters of neuronal health and signalling, so it makes sense that senescence in either would negatively impact neuron health.

At first, placebo effect was used to treat the aging disease. But nowadays, new treatment named DQ, uses a senolytic drug called dasatinib which is already licensed for killing cancer cells in people with leukemia and the drug quercetin, a common plant pigment found in red wine, onions, green tea, apples, berries, Ginkgo bilola and St. John's wort.

The drug combination began clearing out the cells within just 30 minutes and within 24 hours all senescent cells were gone, the researchers reported. Specifically, the results showed that after the trial, participants could walk an extra 24 yards during a 6 minute jaunt and get up from their chairs by 2 seconds more quickly. They also scored an extra point on functionality tests, moving from an average of 10 points to 11 points.

**Bharat Chopra**
B.Sc. II (Med.)

# Botany: Interesting Facts

- The biggest seed in the world, from the double coconut palm, weighs 45 pounds that is as much as a five year old child.
- The smallest seed in the world belongs to certain orchid flowers. One million of these seeds weigh as much as one grape.
- The strawberry is the only fruit that bears its seeds on the outside. The average strawberry has 200 seeds.
- Most plants grow flowers each year, but some take much longer. The century plant grows only one flower after many years and then it dies. Most bamboos flower once every 60 to 100 years and one plant in South America grows a flower when it is 150 years old.
- Bamboo, a fast growing woody plant, can grow 35 inches in one day. On the other

hand, the saguaro cactus grows only one inch in a year.

- In Southern Africa there is a plant called the tree tamboo, which has two leaves in its whole life. Each leaf can be over 37ft (8m) long–longer than four bathtubs!
- In one year, the Amazon water lily produces leaves that are 8ft in diameter. A child can stand on one leaf! On the other hand, the leaves of the watermeal plant are only 1 mm across.
- Not all flowers smell good. The corpse flower smells like a rotting dead body! The bloom is over 8 ft tall and 12 ft around. Their rotten flesh smell attracts flies as pollinators. People have been known to pass out from the smell!
- Hummingbirds hover in front of flowers while they collect nectar. They use so much energy to do this that it would be like you needing to eat 330 pounds of hamburgers every day!
- Do plants like Music? There have been a few experiments suggesting that plants grow better and are healthier if they are exposed to classical or soothing music.
- Plants are the only living organisms that can eat sunlight to make food. The average global solar energy capture by photosynthesis is about six times larger than the current power consumption of human civilization!

**Vikram**
B.Sc. II (Med.)

## Impacts of Nanotechnology

Water filters that are only 15-20 mm wide can remove nano-size particles, including virtually all viruses and bacteria. These cost-efficient, portable water treatment systems are ideal for improving the quality of drinking water in emerging countries.

Bottles of many drinks are made from plastics containing nanoclays, which increase resistance to permeation by oxygen, $Co_2$, and moisture. This helps retain carbonation and pressure and increases shelf life by several months.

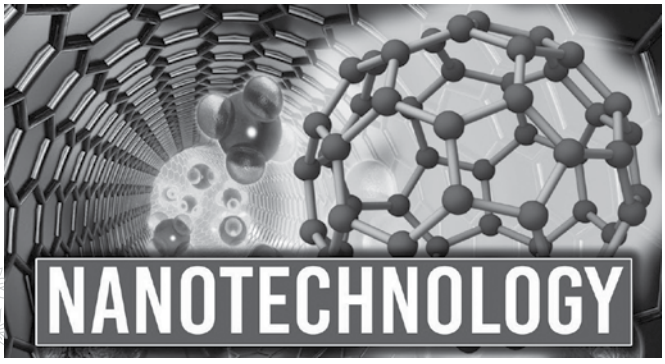


Most sunscreens today are made from nano-particles that effectively absorb light, including the more dangerous ultraviolet range.

Carbon nanotubes have a variety of commercial uses, including making sports equipment stronger and lighter in weight.

Nanoparticles or nanofibers in fabrics can enhance stain resistance, water resistance, and flame resistance, without a significant increase in weight, thickness, or stiffness of the fabric.

**Geeta**
B.Sc. II (Med.)

# Unique Facts about Animals

1. The heart of a shrimp is located in its head.
2. A snail can sleep for three years.
3. The fingerprints of a koala are so indistinguishable from humans that they have on occasions been confused at a crime scene.
4. Slugs have four noses.
5. Elephants are the only animals that can not jump.
6. A rhinoceros' horn is made of hair.
7. It is possible to hypnotize a frog by placing it on its back and gently stroking its stomach.
8. It takes a sloth two weeks to digest its food.
9. Nearly three percent of the ice in Antarctic glaciers is penguin urine.
10. A cow gives nearly 200,000 glasses of milk in its lifetime.
11. Bats always turn left when leaving a cave.
12. Giraffes have no vocal cords.
13. An ostrich's eye is bigger than its brain.
14. Around 50 percent of orangutans have fractured bones, due to falling out of trees on a regular basis.
15. Koala bears almost exclusively eat only eucalyptus leaves and nothing else.
16. Oysters can change gender depending on which is best for mating.
17. Butterflies have two compound eyes consisting of thousands of lenses, yet they can only see the red, green and yellow colours.
18. Humpback whales create the loudest sound among all mammals.
19. The slowest fish is the sea horse, which moves along at about 0.01 mph.
20. Humming birds are the only birds that can fly backwards and their wings can beat at upto 80 times per second.

**Aman Nandal**
B.Sc. II (Med.)

# Observations of Some Famous Scientists

1. I seem to have been only like a boy playing on the seashore, and diverting myself in now and then finding a smoother pebble or a prettier shell than ordinary, whilst the great ocean of truth lay all undiscovered before me.

— Isaac Newton

2. Two things are infinite: the universe and human stupidity; and I'm not sure about the universe."

— Albert Einstein

3. It is strange that only extraordinary men make the discoveries, which later appear so easy and simple.

— Georg C. Lichtenberg

4. Science without religion is lame, religion without science is blind.

— Albert Einstein

5. Nothing in life is to be feared, it is only to be understood. Now is the time to understand more, so that we may fear less.

— Marie Curie

6. One, remember to look up at the stars and not down at your feet. Two, never give up work. Work gives you meaning and purpose and life is empty without it. Three, if you are lucky enough to find love, remember it is there and don't throw it away.

— Stephen Hawking

7. The love for all living creatures is the most noble attribute of man.

— Charles Darwin

8. The role of the infinitely small in nature is infinitely great.

— Louis Pasteur

9. Genius is one percent inspiration, ninety-nine percent perspiration

— Thomas Edison

10. No great discovery was ever made without a bold guess.

— Isaac Newton

11. Mathematics is the language in which God has written the universe.

— Galileo Galilei

12. I have never met a man so ignorant that I couldn't learn something from him.

— Galileo Galilei

13. Look at the sky. We are not alone. The whole universe is friendly to us and conspires only to give the best to those who dream and work.

— A. P. J. Abdul Kalam

14. Climbing to the top demands strength, whether it is to the top of Mount Everest or to the top of your career.

— A. P. J. Abdul Kalam

15. You cannot change your future, but you can change your habits, and surely your habits will change your future.

— A. P. J. Abdul Kalam

**Dr. Vinay Wadhwa**
Dept. of English

# Green IT

Green IT means energy efficient use of every IT/ Networking equipments such as PCs, Laptops, ACs, Servers Switches and Routers etc. so that it is economically viable and environment friendly.

The higher energy consumption leads to higher electricity bills. By choosing IT equipments that consume lesser energy we can do considerable savings in the IT industry electricity bills.

## Key Technologies for Green IT

1. Use Green PCs - Any personal computer that's low on power consumption and is environment friendly can be called green. A green PC should be assembled with

environment friendly components. Those must be manufactured with recyclable products and must be low on energy consumption.

Replace all CRT monitors with LCD's CRT monitors as the former are very heavy and difficult to carry here and there. LCD monitors are slim and consume less energy than CRT monitors.

2. Virtualization – In every organization today there is a server for every application such as proxy, business application, E-mail, Internet etc. Generally a server runs a single operating system and application in the data center. Virtualization allows the same server to run multiple operating systems and applications simultaneously. This reduces the number of servers in the data center and hence energy consumption is reduced. Virtualization as single server can save 50% to 70% resources.
3. Use UPS in place of Generators – UPS does not consume oil and emit smoke. UPS preserves power also. If utilization of power is less the UPS will supply the desired amount of power and preserve the unutilized power.
4. Use Cloud Computing – If we extend the concept of virtualization from a single server to a complete grid, and make its access available over the internet, it's called a cloud. Grid is a cluster of computers which are loosely coupled with each other.
5. Use Green Buildings – The green data center focuses on multiple use of water. All water that is used in the building goes to the sewage treatment plant. The recycled water is then used for the cooling towers, gardening and for flushing.

All that glass you see on such a building is special-e-glass, which filters out all the heat and noise but not the light. The roof is coated with special high reflectance "albedo" plant. These two features alone are responsible for the building's 375 ton AC plant as opposed to the 500 ton plant that was initially suggested in ITC green center at Gurgaon.

**Ranju Gandhir**
Dept. of Computer Science

## Networking & Communication

Information technology and computer are buzz words. Nowadays, every aspect of life is governed by computers like simple calculation field of research, engineering, teaching and printing books and even to playing games.

It is not the processing power of computers, but the power of communication among the computers. The marriage of computing and data communication technologies is one of the most exciting developments in today's information age.

Here, I would like to introduce you to the concept of networking and communication. Today, the world has been converted into a village due to networks. We can also communicate with any person in any corner of the world. So, thank the communication

and networking. Communication can convert a PC into a terminal of main frame, i.e., front end and back end client and server system. It allows us to access a huge amount of information on virtually any subject via networks of computers. We can interact with our customers and suppliers. Without networking all such activities are not possible at all.

Client Server Architecture provides base for the effective activity of intercommunicated coupowers. Internet is a good example of it.

In this Architecture two tier and three tier system can be created for ease of processing.

In the end, I would like to conclude that future of mankind depends on the utilisation of information technology to the fullest.

**Ranju Gandhir**
Dept. of Computer Science

# Coding Theory and Its Applications

Coding theory basically deals with the communication through a noisy channel, where errors do occur in transmitted message. Codes are widely used to detect and correct errors on noisy communication channels. Apart from network communication, USB channels, satellite communication etc, coding theory is also used in disks and some other physical media prone to errors. It is used widely in Biological sciences too.

## Applications of Coding Theory

Coding theory, particularly error correction codes, has a wide range of applications which are as follows:

1. **Coding Theory In Communication Systems**

   Coding theory is used to reduce errors in wireless, satellite, digital and space communication systems. Most of the communication systems are subject to noisy channels and errors occur during transmission from the sender to the receiver. Error detection codes are used to detect these errors and error correction codes are used to correct the errors.

   In 1960, Reed and Solomon invented Reed-Solomon codes, which are widely used to shield data from defects in the storage or transmission media. Audio-CDs were the first commercial use of error correcting codes. Reed-Solomon codes are effectively used in CD/DVD players to interpolate the data lost due to scratches or dust particles on the surface of the disks. Other significant applications of Reed-Solomon codes are in Deep Space Telecommunication Systems, Spread-Spectrum Systems, Error Control for systems with Feedback, and Computer Memory.

   Network communication is another field where coding theory is being used extensively. The data on the internet is transmitted in the form of packets. The packets are routed in the network from the source to the destination. A packet

can be treated as a vector of n elements from a finite field Fq and a linear coding scheme, linear combination of the incoming packets at a node produces the outgoing packets from the node. Network Coding and Digital Fountain Codes are used as a solution to the problem of lossy links.

**2. Coding Theory In Biological Systems**

At first instance, Coding theory and Biology seem to be two entirely different fields, not related to one another in any way. However, coding theory has great applications in two different biological systems, which are DNA replication and Neural error control mechanism.

**3. Coding Theory and Genetic Research**

Battail gave some evidences about the fact that error-correction mechanisms exist in DNA. Genetic information in the form of DNA is taken as input, which is transmitted via replication and then gives output as proteins. During the process of DNA replication, errors occur due to radioactivity, heat fluctuations, cosmic rays and other factors. In the life-time of a species, DNA replicates millions of times and life wouldn't have been possible if there were no error correction mechanism. Milenkovic et al. considered the applications of coding in Gene Regulatory Networks (GRNs). They proposed the error correction mechanisms also occur at genes network level, as they occur at nucleotide level. During DNA replication, nodes of the genetic network are arranged in such a way that only valid genes are allowed as code words.

**4. Coding Theory and Neuro Science**

Error correction codes are present in the neural system at two levels, viz. neuronal level and network level. Doi et al. discussed about block coding techniques that are used by a group of neurons to increase error correction abilities of a neural code. Dayan and Abbott described about the recall system in neural networks. According to them, the recall in neural networks is based on content. Actually, it is the associative memory mechanism of our brain that recalls distinct memorized patterns even if the input has errors in it. Inspired by associative memory mechanism, She and Cruz designed an artificial Bidirectional Associative Memory (BAM). BAM works with artificial neural network and is capable of correcting the maximum number of errors.

## Conclusion

Coding theory is about the study of properties of codes. Coding theory provides various methods to protect information from noise and is widely used in various other fields.

**Dr. Arpana Garg**
Dept. of Mathematics

# What is Image Resolution and Image Resolution Enhancement?

The term resolution is often considered equivalent to pixel count in a digital image, i.e., "Number of Total Pixels" in an image. A pixel is the smallest element of an image.

- The image resolution is normally explained in the pixels per inch (PPI), i.e., how many pixels are presented per inch of an image.
- High resolution has additional pixels per inch (PPI), resultant in extra pixel information which produces a super, crispy image.

Sometimes the image is known by the width and height, i.e., whole numeral of pixel.

For example an image has 2048 width and 1536 height (pixels) contains (2048x1536) (multiply) 3,145,728 or 3.1 Mega pixels. It can be called a 3.1Mega pixel image. As the mega pixel in the pickup device in your camera is increased, you can produce sufficient maximum size image. It means, 5 mega pixel camera is proficient to capture a larger image than a 3 mega pixel camera.

The following table shows the standard image resolution used in real life:

| Image Resolution | Size (Width* Height) in inches |
|---|---|
| Less than 640*480 | Passport Size |
| 640*480 | Postcard Size |
| 1024*768 | 4x6 |
| 1152*864 | 5x7 |
| 1600*1200 | 8x10 |

Image with low resolution has few pixels, and if these pixels are too huge (expand), they can turn out to be blurred.

## Techniques of Image Resolution Enhancement:

We can categorize these techniques in two major types:

- Spatial Domain Method
- Frequency Domain Method

## Areas where Image Enhancement is Required:

- Architectural Planning: providing a base map for supporting planners and engineers.
- Extracting mineral deposit with remote sensing based spectral study
- Disaster mitigation planning and recovery
- Agriculture Development
- Generating elevation of earth's surface with the Shuttle Radar geography operation
- Navigation & GPS (Global Positioning System)
- Communication

**Prof. Neetu Bhatia**
Dept. of Computer Science

# Mathematics Behind Global Positioning System

Global Positioning System (GPS) is a satellite navigation system used to determine accurate information about the position of an object anywhere on the globe.

The system's service is available world wide with all weather capability. However, this positioning service can be obtained by any user, only if he has a suitable GPS receiver. The NAVSTAR GPS which was established in 1973 is maintained by the USA department of Defence and expanded into civilian use over the next few decades. Today GPS satellite navigation with small hand held receivers is widely used by military units, sailors, pilots and in many commercial products such as automobiles, smart phones etc.

Have you ever wondered how your GPS receiver works and what role does Mathematics play in it?

Basically GPS uses a mathematical technique called Trilateration to determine user's position, speed and elevation. By constantly receiving and analyzing radio signals from multiple GPS satellites and applying the geometry of circles, spheres, and triangles, a GPS device can calculate the precise distance or range to each satellite being tracked.

GPS has three major functional segments. The space segment consists of a constellation of 24 satellites. These satellites are placed in 6 orbits, so that four satellites are accommodated in each orbit at an attitude of 20,185 kms from the surface of earth. Out of these 24 GPS satellites 21 are operational and other are kept active spares so that they can be inducted into operational feet in case any one of the operational satellites becomes non-functional. Orbits are designed so that at least four satellites are always within line of sight from any location on the earth.

## How does GPS works

All the GPS satellites go on generating and sending coded signals periodically. The design parameters of GPS satellite and GPS receiver are such that both of them generate the same signal code exactly at the same time. So to get the distance (range) of a GPS satellite to the GPS receiver (user) one has to multiply the time taken for the signal to

travel from the satellite to the receiver by the velocity of light (distance = speed x time).

1. Suppose the first satellite A is at D1 units away from the receiver, then the receiver must lie on a sphere of radius d1 from A's position.
2. The receiver captures another signal from the satellite B and and finds it to be at a distance d2. Thus the receiver must lie on a sphere of radius d2 from B's position. The intersection of these two spheres yields a circle, i.e., the receiver (user) is somewhere on the circle.
3. In the same way third satellite produces another sphere and the new sphere will intersect the circle at only two points. Thus the user is lying on either of the two points.

4. The signal from the fourth satellite yields another sphere and it will meet any one of the two points located earlier. This point is the exact location of the receiver (user).

   Thus by using simple mathematical concepts this technology is a big success today. This system is extremely versatile and can be found in every sector. This technology can be used by military, in mapping forests, help farmers harvest their fields and navigate airplanes on to the ground or in the air and many more.

**Kanak Sharma**
Asst. Professor (Dept. of Mathematics)

# Bacterial Nanowires

Bacterial nanowires (also known as microbial nanowires) are electrically conductive appendages produced by a number of bacteria, most notably from (but not exclusive to) the Geobacter and Shewanella genera. Conductive nanowires have also been confirmed in the oxygenic cyanobacterium Synechocystis PCC6803 and a thermophilic, methanogenic coculture consisting of Pelotomaculum thermopropionicum and Methanothermobacter thermoautotrophicus.

## Physiology

Geobacter nanowires are modified pili, which are used to establish connections to terminal electron acceptors. Species of the genus Geobacter use nanowires to transfer electrons to extracellular electron acceptors (such as Fe(III) oxides). This function was discovered through the examination of mutants, whose pili could attach to the iron, but would not reduce it.

However, Shewanella nanowires are not pili, but extensions of the outer membrane that contain the decaheme outer membrane cytochromes MtrC and OmcA. The reported presence of outer membrane cytochromes, and lack of conductivity in nanowires from the MtrC and OmcA-deficient mutant directly support the proposed multistep hopping mechanism for electron transport through Shewanella nanowires.

Additionally, nanowires can facilitate long–range electron transfer across thick biofilm layers. By connecting to other cells above them, nanowires allow bacteria located in anoxic conditions to still use oxygen as their terminal electron acceptor. For example, organisms in the genus Shewanella have been observed to form electrically conductive nanowires in response to electron-acceptor limitation.

## Implications and Potential Applications

Biologically it is unclear what is implied by the existence of bacterial nanowires. Nanowires may function as conduits for electron transport between different members of a microbial community.

## Bioenergy Applications in Microbial Fuel Cells

In microbial fuel cells (MFCs), bacterial nanowires generate electricity via extracellular electron transport to the MFC's anode. Nanowire networks have been shown to enhance the electricity output of MFCs with efficient and long-range conductivity. In particular, pili of Geobacter sulfurreducens possess metallic-like conductivity, producing electricity at levels comparable to those of synthetic metallic nanostructures. When

bacterial strains are genetically manipulated to boost nanowire formation, higher electricity yields are generally observed. Coating the nanowires with metal oxides also further promotes electrical conductivity. Additionally, these nanowires can transport electrons up to centimetre-scale distances. Long-range electron transfer via pili networks allows viable cells that are not in direct contact with an anode to contribute to electron flow. Thus, increased current production in MFCs is observed in thicker biofilms.

## Application Significance of Bacterial Nanowires

Bacterial nanowires have been shown to have significant potential applications in the fields of bioenergy and bioremediation. Electron transfer between the pili of Geobacter, a dissimilatory metal-reducing bacterium, generates conductivity that drives the conversion of organic compounds to electricity in microbial fuel cells. Biofilms produced by Geobacter colonies contribute greatly to the overall production of bioenergy. They allow the transfer of electrons via conductive pili over a greater distance from the anode. In fact, Bioenergy output can be further enhanced by inducing the expression of additional nanowire genes. Geobacter strains with heightened expression of conductive pili have been shown to produce more conductive biofilms, thus increasing overall electricity output.

Microbial nanowires of Shewanella and Geobacter have also been shown to aid in bioremediation of uranium contaminated groundwater. To demonstrate this, scientists compared and observed the concentration of uranium removed by piliated and nonpiliated strains of Geobacter. Through a series of controlled experiments, they were able to deduce that nanowire present strains were more effective at the mineralization of uranium as compared to nanowire absent mutants.

Further application significance of bacterial nanowires include bioelectronics. With sustainable resources in mind, scientists have proposed the future use of biofilms of Geobacter as a platform for functional under–water transistors and supercapacitors, capable of self-renewing energy.

**Vijay**
B.Sc. III (Biotech)

# How Do Astronauts Communicate in Space?

Sound cannot travel via the vacuum of space, but visible light and other forms of electromagnetic radiation can. One of which is radio radiation. Astronauts have devices in their helmets which transfer the sound waves from their voices into radio waves

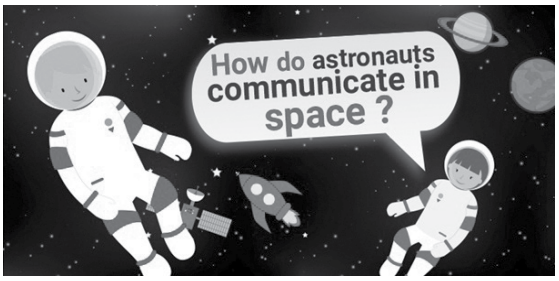

and transmit them on to ground. This is how a radio at home works: radio waves are often thought to be form of sound, but they are not sound waves. They are a form of electromagnetic radiation, analogous to visible light, and therefore can propagate via vacuum. These are then transformed into sound

**Vijay**
B.Sc. III (Biotech)

## Did You Know?

- Did you know- 11% of people are left handed.
- Did you know- the average person falls asleep in 7 minutes.
- Did you know - the smallest bones in the human body are found in your ear.
- Did you know- stewardesses is the longest word that is typed with only the left hand.
- Did you know -the average human brain contains around 78% water.
- Did you know- your tongue is the fastest healing part of your body.
- Did you know- you burn more calories sleeping than watching TV.
- Did you know -an average person will spend 25 years asleep.
- Did you know- the most common mental illnesses are anxiety and depression.
- Did you know- your skin is the largest organ making up the human body.
- Did you know- the hyoid bone in your throat is the only bone in your body not attached to any other.
- Did you know- your most sensitive finger is your index finger (closest to your thumb).
- Did you know-the human body of a 70 kg person contains O.2mg of gold.
- Did you know- women blink twice as much as men.
- Did you know- household dust is made of dead skin cells.
- Did you know- your foot and your forearm are of the same length.
- Did you know- 56% of typing is completed by your left hand.
- Did you know- more people are allergic to cows' milk than any other food.
- Did you know- your mouth produces 1 litre of saliva a day.
- Did you know- the coloured part of your eyes is called the iris.
- Did you know- if your DNA was stretched out it would reach to the moon 6,000 times.

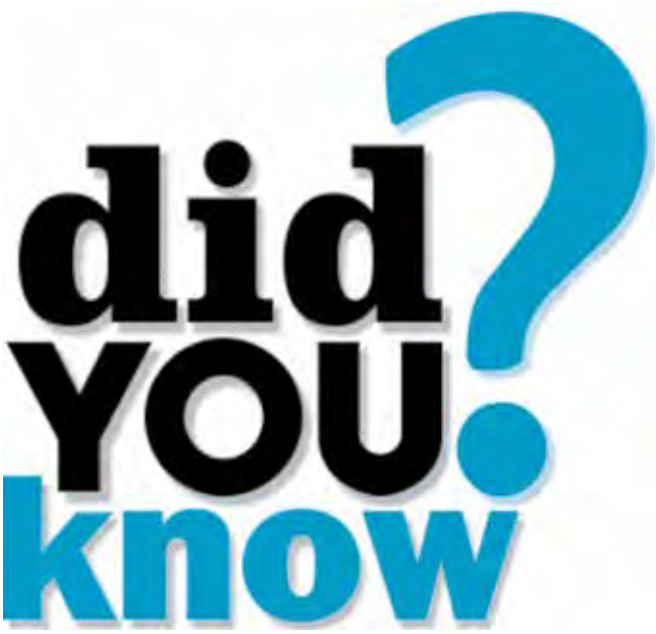

- Did you know- everyone has a unique tongue print.
- Did you know- you begin to feel thirsty when your body losses 1% of water.
- Did you know- hiccups usually lasts for 5 minutes.
- Did you know- not all of your taste buds are on your tongue (10% are on the insides of you cheeks).
- Did you know- your most active muscles are in your eye.
- Did you know- when recognising a person's face you use the right side of your brain.
- Did you know- the human body contains 96,000 km (59,650 miles) of blood vessels.
- Did you know- the hydrochloric acid found in your stomach is strong enough to dissolve a nail.
- Did you know- on an average you blink 25,000 a day.
- Did you know- men have 10% more red blood cells than women.
- Did you know- you have fewer muscles than a caterpillar.
- Did you know- when your face blushes so does your stomach lining.
- Did you know- 1 square inch of human skin contains 625 sweat glands.
- Did you know- your normal body temperature is 37$^0$C (98.6$^0$F).
- Did you know- red blood cells are produced in bone marrow.
- Did you know- you shed a complete layer of skin every 4 weeks.
- Did you know- a Sphygmomanometer measures blood pressure.
- Did you know- oxygen, carbon, hydrogen and nitrogen make up 90% of the human body.
- Did you know- the average person consumes 100 tons of food and 45,424 liters (12,000 gallons) of water in his lifetime.
- Did you know- the longest word that can be typed using only our right hand is 'lollipop'.
- Did you know- people who work at night tend to weigh more.
- Did you know- wearing headphones for just an hour will increase the bacteria in your ear by 700 times.
- Did you know -new born babies have 350 bones (by the age 5 the amount of bones merges to 206).
- Did you know- you use 72 different muscles while speaking.
- Did you know- the most common disease is tooth decay.
- Did you know- your foot is the most common body part bitten by insects.
- Did you know - the longest time a person has been in a coma is 37 years.
- Did you know- your right lung takes in more air than your left.
- Did you know- women's hearts beat faster than men's.
- Did you know- the ideal temperature to fall asleep is between I8-30$^O$C (64$^O$F-86$^O$F).
- Did you know- honey enters your blood stream within 20 minutes of being eaten.
- Did you know- your brain weighs 2% of your body weight though uses 20% of all oxygen you breathe and 15% of the body's blood supply.

- Did you know- each red blood cell lives an average of 4 months and travels between the lungs and other tissues 75,000 times before returning to bone marrow to die.
- Did you know- the hardest substance in the human body is tooth enamel.
- Did you know- there are over 10 trillion living cells in the human body .
- Did you know- the number one cause of blindness in the US is diabetes.
- Did you know -every year over 98% of atoms in your body are replaced.
- Did you know- your blood is 6 times thicker than water.

**Pawan Kumar**
Assistant Professor
Department of Zoology

## Chemistry in Everyday Life

Chemistry is technically the study of matter, but I prefer to see it as the study of change. Now just think about this: electrons change their energy levels, molecules change their bonds, elements combine and change their compounds. Well, that's all of life, right? It's the constant, it's the cycle. It's solution, then dissolution, over and over and over. It is growth, then decay, then transformation! It is fascinating, really. Read this article to get a hang of Chemistry in everyday life. Rings a bell? Yes, you are right.

Chemistry is indeed in our every day life. You yourself are a big bag of chemicals! What is astonishing is the amount of applications we make of the gruelling formulae from our chemistry class in our every day life. You find chemistry in daily life in the foods you eat, the air you breathe, cleaning chemicals, your emotions and literally every object you can see or touch. While some may be obvious, some other might surprise you. Let's find out the Chemistry in every day life:

**Your Body–** Your body is mostly water which is hydrogen and oxygen. Almost 99% of the mass of the human body is made up of six elements: oxygen, carbon, hydrogen, nitrogen, calcium, and phosphorus. Only about 0.85% is composed of another five elements: potassium, sulphur, sodium, chlorine, and magnesium. All are necessary to life.

**Your Emotions–** The emotions that you feel are a result of chemical messengers, primarily neurotransmitters. Love, jealousy, envy, infatuation and infidelity all share a basis in chemistry. The sweaty palms and pounding heart of infatuation are caused by higher than normal levels of norepinepherine. Meanwhile, the 'high' of being in love is due to a rush of phenylethylamine and dopamine.

**Soaps and Detergents–** Every day while washing our clothes we use soaps and detergents. These soaps and detergents are made of chemical ingredients. Soaps are sodium or potassium fatty acids salts, produced from the hydrolysis of fats in a chemical reaction called saponification. Each soap molecule has a long hydrocarbon chain, sometimes called its 'tail', with a carboxylate 'head'. In water, the sodium or potassium ions float free, leaving a negatively-charged head. Soap is an excellent cleanser because of its ability to act as an emulsifying agent. An emulsifier is capable of dispersing one liquid into another immiscible liquid. This means that while oil (which attracts dirt) doesn't naturally mix with water, soap can suspend oil/dirt in such a way that it can be removed.

**Onions–** As harmless as they look, these when cut can make you cry rivers. There is a chemical reason behind this water. When you cut an onion, you break cells, releasing their contents. Amino acid sulfoxides form sulfenic acids. Enzymes that were kept separate now are free to mix with the sulfenic acids to produce propanethiol S-oxide, a volatile sulfur compound that wafts upward toward your eyes. This gas reacts with the water in your eyes to form sulfuric acid. The sulfuric acid burns, stimulating your eyes to release more tears to wash the irritant away. Apparently, this water helps the dirt from your eye to wash away. One useful tip you can probably pass on to your mother is that if onion is cut under running water, most of the chemicals that make your eyes water get washed away. Voila!

**Ice Floats on Water–** If ice wouldn't float, imagine the water of a lake freezing from the bottom! Chemistry holds the explanation for why ice floats, while most substances sink when they freeze. A water molecule is made from one oxygen atom and two hydrogen atoms, strongly joined to each other with covalent bonds. Water molecules are also attracted to each other by weaker chemical bonds (hydrogen bonds) between the positively-charged hydrogen atoms and the negatively-charged oxygen atoms of neighboring water molecules. As water cools below 4°C, the hydrogen bonds adjust to hold the negatively charged oxygen atoms apart. This produces a crystal lattice, which is commonly known as 'ice'. Ice floats because it is about 9% less dense than liquid water. In other words, ice takes up about 9% more space than water, so a liter of ice weighs less than a liter of water. The heavier water displaces the lighter ice, so ice floats to the top. One consequence of this is that lakes and rivers freeze from top to bottom, allowing fish to survive even when the surface of a lake has frozen over.

**Bottled Water-** Although bottled water has an expiration date, it doesn't actually go bad. Why is there an expiration date on a product

that doesn't go bad? This is because all food and beverages, including water, have to carry an expiration date on its packaging to make it easier to standardize packaging. Some bottled water only carries its bottling date or a 'best by' date. These dates are helpful because the flavor of the water will change over time as it absorbs chemicals from its packaging. The flavour will not necessarily be bad, but it may be noticeable. Leaching of chemicals from packaging is a health concern, but as far as toxic chemicals go, you can get exposure to most of those chemicals from freshly bottled water as well as bottled water that has been on the shelf for a while. A 'plastic' taste is not necessarily an indicator that the water is bad; absence of an unpleasant flavor does not mean the water is free from contaminants. While algae and bacteria will not grow in sealed bottled water, the situation changes once the seal has been broken. You should consume or discard water within two weeks after opening it. These are just some examples of how chemistry is almost in everything we are surrounded by. Imagine how intriguing it will be to divulge the chemistry that happens in the real world every day life instead of just the labs. Try to find some more chemistry behind the real world; you might surprise yourself.

**Yogesh**
B. Sc.III (Medical)

## Science is A Good Servant But A Bad Master

Science is a boon to mankind. The growth of science has given us a lot of advantages. They are in the fields of lighting, transports, kitchen wares, running factories, medicine, agriculture etc. The fans, the electric lights,

the electric trains and the air flights, radio, television, mixie, grinder, electric ovens, gas stoves etc., are of great use to us. They are useful but to some extent cheap.

In the field of medicine today we get a lot of powerful life-saving drugs. The costly modern hospital equipments that we make use of are X-ray, scanning machines etc. Surgical machines are the modern gift of science and technology. In the field of agriculture too, we use modern farm equipments like tractor, harvesting machines. Pesticides and manures have come to help the farmers. They make the best use of them and grow more and more crops. The green revolution is the result of modern science. The computer and modern electronic goods help us a lot. These have made our life happier and more comfortable.

Science is a bad master. Some people make use of the inventions of science for their own selfish ends. Especially the politicians muddle with science and with the help of scientists manufacture dangerous bombs. We had enough experience of such bomb explosions in Nagasaki and Hiroshima in Japan. So we must act and thus convert it as our good servant and not a bad master.

I hope it will help you ....

**Divya**
B.Sc. III (Medical)

# Save Environment

My mother, my land,
My roots in her sand.
Man, who was taking a nap
In her holy lap,
Has now waken up from his sleep.
And has started uprooting her deep,
Swinging mowers have all gone away,
Because man is having his way.

Pray and bless for the brave,
For him nature is nothing but a slave.
Listen, when your mother (nature) will cry,
You will do nothing but die.
Think again and open your eyes,
Don't be so selfish and so mean.
Time will come, when children will ask,
What is a tree, oh mother?
This is my suggestion, this is my plea,
If you want to watch pigeon's flight,
Hold the dusk, before it is night.

**Bharat**
B.Sc. III (Medical)

# Know Yourself by Your Blood Group

## Blood Group A

These people tend to be perfectionists, outspoken and social in nature. They possess a strong sense of responsibility and are every optimistic.

## Blood Group B

They are people of considerable action who are rarely still and are always making plans. Such people have their own way of living. They are rich in creative and original ideas.

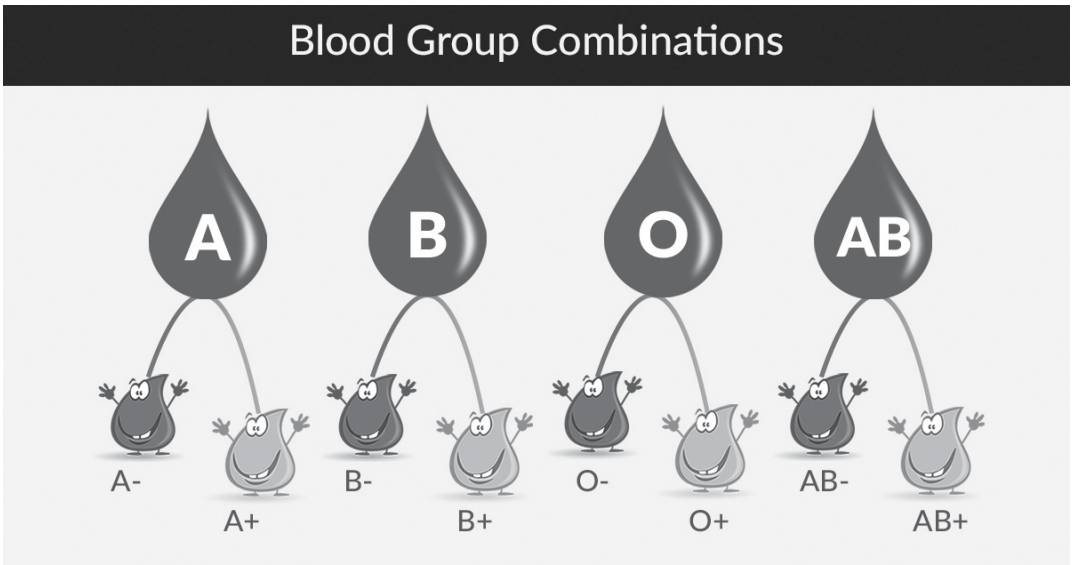

### Blood Group O

These people are innocent and they reveal in their work that there is hardly any thing which they cannot do with their alert mind.

### Blood Group AB

These people are usually ultra sensitive and can over–react emotionally. They can easily adapt themselves and finally get what they want since they treat every body with a certain distance.

**Deepa**
B.Sc. III (Biotech)

## Common Adulterants in Food

Are you aware of the adulterants that are added to our food? Take a look.

### Butter and Cream:

Anatta is added to give a yellow tinge to butter. A byproduct of beef fat called oleomargarine is added in large quantities to butter. Cream is adulterated with gelatin and formaldehyde is added to increase its shelf life. Vanaspati is added to pure ghee and butter.

### Ice Cream:

Washing powder is regularly added to add volume to ice cream.

### Milk, Paneer, Khoya:

Urea, Starch and washing powder is added.

### Tumeric, Coriander Powder, Red Chilies:

Tumeric is mixed with metanil yellow colored chalk powder, aniline dyes; wood powder is added to both turmeric and coriander, while red chilies are mixed with red color dye, Sudan Red III color and brick dust.

### Mustard:

Argemone seeds are regularly added.

### Spice Powder:

Barn is added along with synthetic colors.

### Cinnamon Bark:

Cassia bark is added.

### Cumin seeds:

Grass seeds colored with charcoal are mixed.

### Pulses: Moong, Chana etc

Lead Chromate is added on a regular basis. Kesari dal is added to Besan and yellow dal.

### Tea:

Iron filings, colored tea leaves are added.

### Coffee:

Chicory is mixed with the powder.

### Wheat Flour:

Chalk powder, barn dust and sand is added.

### Confectionary:

Colours that have a harmful effect on the body are added to confectionary items that children consume on a regular basis and they include copper, Prussian blue, arsenic compounds, chrome yellow etc.

### Vegetables:

Copper salts are added to color the vegetables with green.

### Vegetable Oils:

Castor oil, Mineral oil, Argemone oil, Kranaja oil is added.

**Viplove**
B.Sc. III (Biotech)

## Soya and Health

In botanical terms, the soyabean (Glycine max) is a leguminous plant. In Southeast Asia, it has been cultivated for centuries for its yield of edible food and edible oil to replace animal proteins in certain foods, especially for strict vegetarians.

The soyabean is today the focus of the latest and most stimulating research in phytochemicals. Although these components of food are technically not nutrients, they have nevertheless a far reaching effect on our health. The impact of phytochemicals is expected to transform our concept of nutrition, especially because of the exciting prospects opened up to the phytochemical profile of the humble soyabean.

This bean and its product can powerfully influence the reduction of the risk of cancer. Just one phytochemical component of soyabeans seems to be an ideal element of a new anti–cancer drug. Scientists believe that a single daily serving of soya foods would suffice to provide the benefits of this anti–cancer phytochemical.

But their cancer - fighting qulaities are merely the most high profile benefits of consuming soyabean products. Soya products, for instance, lower food cholesterol levels, therby decreasing the threat of another great killer disease, heart attack. They thus provide natural alternatives to many cholesterol-lowering drugs. They can also help prevent diseases of the kidney besides treating them. Similarly, soya proteins may help in better calcium-utilization in order to ward off the agony of osteoporosis.

Beyond contributing to human well–being, soybeans enhance taste in edibles. Thus, you can reinforce your health even as you relish such delights as frosty fruit shakes, creamy pasta and spicy curries. This mouth-watering range of soya products include tofu, textured vegetable proteins and soya milk, all of which can add fresh gusto to the wholesome new flavour of the delectable dishes you consume.

Bon apetite and good health!

**Deepak**
B.Sc. III (Medical)

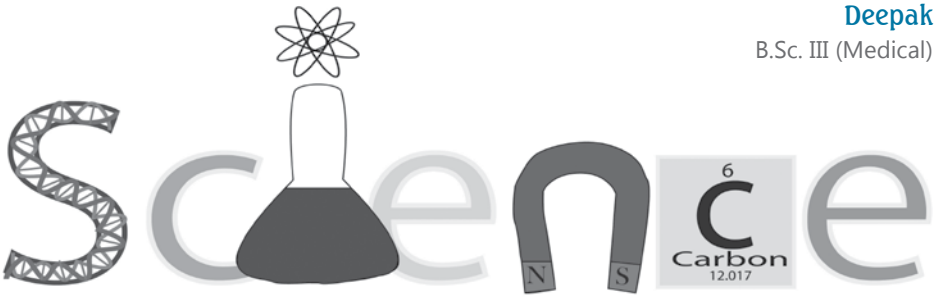

# Everyday Science

**Q 1. Why does a body immersed in water weighs less than it weighs in air?**

**Ans.** The upward pressure of water called thrust relieves the force of gravity to some extent and thus there is reduction of weight in water as compared to air.

**Q 2. Why are two eyes more valuable than one?**

**Ans.** We can view the object from two points at once giving us an idea of solidity along with flatness.

**Q 3. Why can petrol fire not be put out with water?**

**Ans.** The temperature of the burning petrol is so high that the water poured on the petrol fire is evaporated before it extinguishes the fire.

**Q 4. How does electric bulb emit light?**

**Ans.** The electric current passes through a tungsten wire of high resistance, thus it becomes white hot and begins to emit light.

**Q 5. Why is one's breath visible in cold but not in hot weather?**

**Ans.** Water vapours contained in the exhaled breath are condensed into small droplets of water due to low temperature of atmosphere and thus becomes visible.

**Q 6. Why is it easier to roll a barrel than to pull it along the road?**

**Ans.** In case of rolling a barrel there arises a frictional force known us rolling friction between the surface in contact whereas in case of pull the sliding friction comes into play. And the rolling friction is always less than the sliding friction. Hence it is easier to roll than to pull.

**Q 7. What is acupuncture?**

**Ans.** Acupuncture is an ancient Chinese technique of deadening pain. The underlying principle is that there are about 500 points in the body at which if a needle is pricked, a numbing effect is experienced which relieves pain.

**Q 8. Why do we see rainbow after rain?**

**Ans.** The water drops suspended in the air act as a prism and disperse light into seven colours.

**Q 9. Why is the flash of lightning seen before the sound of thunder is heard?**

**Ans.** Because light travels faster than sound.

**Q 10. Why' is the underlying principle in the making of the snow balls?**

**Ans.** When snow is pressed in the hands, its freezing point is lowered due to hand pressure and a little of it melts. When the hand pressure is released, it brings the usual freezing point again ($0^oC$). The water which was formed, freezes again and binds the particles of snow together. The underlying process of melting under pressure is called regelation.

**Manu**
B.Sc. III

# Do You Know?

**Q 1. Which is smallest angiosperm?**

**Ans.** Wolffia (0.1 mm).

**Q 2. Which is tallest angiosperm?**

**Ans.** Eucalyptus regnans (Height 114 m or 375 ft).

**Q 3. Which is the largest bud?**

**Ans.** Cabbage.

**Q 4. Which is most durable wood?**

**Ans.** Teak (Tectona grandis).

**Q 5. Which gymnosperms have vessels?**

**Ans.** Members of group gnetales.

**Q 6. What is the value of DPD (Diffusion Pressure Deficit) for fully turgid cell placed in water?**

**Ans.** Zero

**Q 7. What is Anthology?**

**Ans.** Study of flowers.

**Q 8. Which is smallest flower?**

**Ans.** Wolffia

**Q 9. Which is the largest flower?**

**Ans.** Rafflesia (1m)

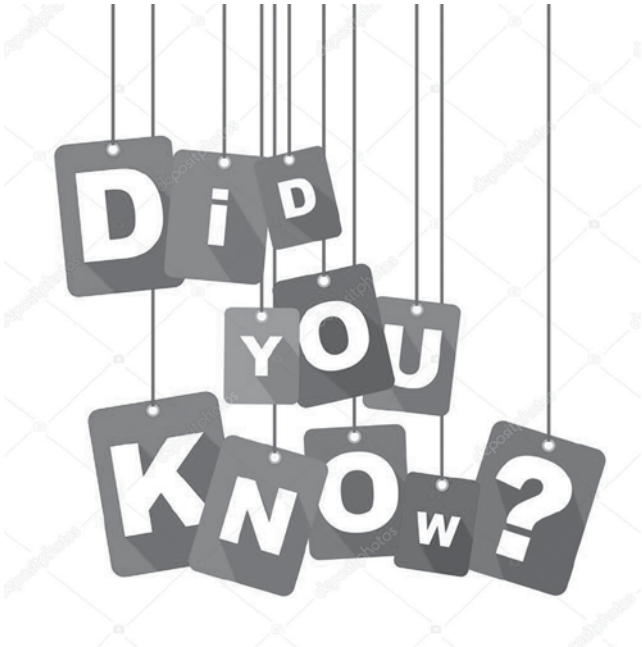


**Q 10. What is spermology?**

**Ans.** Study of seeds.

**Q 11. Which is anti–aging plant hormone?**

**Ans.** Cytokinin

**Q 12. Which is the longest cell in the body?**

**Ans.** Neurons.

**Q 13. Which is the largest & heaviest organ of the body?**

**Ans.** Skin

**Q 14. Which is the earliest known vitamin?**

**Ans.** Vitamin C.

**Q 15. Which mammal has the largest heart?**

**Ans.** Blue Whale

**Q 16. What is Angiology?**

**Ans.** Study of blood vascular & lymphatic system.

**Q 17. Which animal has the highest blood pressure?**

**Ans.** Giraffe.

**Q 18. Which vertebrate has the largest eyes?**

**Ans.** Deer

**Q 19. Which is the largest endocrine organ?**

**Ans.** The gut.

**Q 20. Which is the longest living animal?**

**Ans.** Giant tortoise (more than 180 years)

**Q 21. Which country's people live longest?**

**Ans.** Japan

**Q 22. What is Actinobiology?**

**Ans.** Study of the effects of radiation on living organisms.

**Q 23. Which era is called the age of reptiles?**

**Ans.** Mesozoic era.

**Q 24. What is Sericulture?**

**Ans.** The science of silk worms breeding for producing silk.

**Ronak**
B.Sc. I (Biotech)

# Global Warming

Global warming refers to an increase in average global temperatures, which in turn causes 'climate change. Climate change refers to changes in seasonal temperature, precipitation, wind and humidity for a given area. Climate change can involve cooling or warming. Temperature records around the world in recent decades, and scientific studies of tree rings, corals and ice cores, show that average global temperatures have risen since the industrial revolution began, with the increase accelerating over the past few decades. The overwhelming consensus among climate scientists is that most of the increase is due to human economic activity, especially the burning of fossil fuels and deforestation. These activities contribute to a build-up in carbon dioxide ($CO_2$) and other gases in the earth's atmosphere. Our atmosphere is made up of gases, such as nitrogen, oxygen and $CO_2$ and water vapours, which act like a "blanket" draped around the planet. Some of these gases, such as $CO_2$, water vapours, and methane absorb heat, reducing the amount that escapes to space and hence resulting in the increase of global temperatures. This is what is called the "Greenhouse Effect", and these gases are often referred to as "greenhouses gases" .

Without this process, the temperature of Earth's atmosphere would average about 30 degrees Celsius (30°C) colder than it is today, making it difficult for Earth to sustain life as we know it. However, if this blanket becomes too "thick", with too many gases trapping too much heat, the earth would be uninhabitable.

Monica Banger
B.Sc. III (Biotech)

"If we want to address global warming, along with other environmental problems associated with our continued rush to burn our precious fossil fuels as quickly as possible, we must learn to use our resources more wisely, kick our addiction, and quickly start turning to sources of energy that have fewer negative impacts."

– David Suzuki

# Commerce Section

*"Companies pay too much attention to the cost of doing something. They should worry more about the cost of not doing it."*

-Philip Kotler

**Staff Editor**

***Prof. Madhvi***

**Student Editor**

***Ms. Tanya***

## CONTENTS


1. The Editor Writes 2
   Prof. Madhvi
2. Changing Scenario of Human Resource Management 3
   Tanya
3. How to Balance Your Personal and Professional Life 3
   Prof. Vanita Rehani
4. Mobile Phone is a Blessing or a Curse ? 4
   Ishita Jain
5. Corporate Social Responsibility: An Emerging Issue 5
   Prof. Rajesh Bala
6. Iris Recognition 5
   Ms. Riya
7. Online Shopping 6
   Simran
8. Role of Banks in Economy 7
   Shruti
9. Self–Help Groups 7
   Nimesh Goel
10. Industrial Corridors 8
    Divya
11. Time Management:- A Step towards Success 9
    Shruti
12. Public Private Partnership (PPP) 10
    Nisha Gupta
13. What is E-Government and Models of E-Government? 11
    Prof. Neetu Bhatia
14. The Role of ICT To Make Teaching-Learning Effective 12
    Prof. Ranju Gandhir
15. Significance of Studying Commerce 14
    Akhil Nandwani
16. Cashless Economy 14
    Simran Nandwani
17. Pleasure in the job puts perfection in the Work 15
    Komal Galhotra
18. Finance and IT 16
    Garima Gupta
19. How to Manage Stress 17
    Sanjoli Jain
20. What Commerce Includes ? 18
    Sonia Dhiman

# The Editor Writes . . .

*जीतेंगे हम यह खुद से वादा करो।*
*जितना सोचते हो कोशिश उससे ज्यादा करो।*
*तकदीर चाहे रूठे पर हिम्मत न टूटे।*
*मजबूत इतना अपना इरादा करो॥*

## Hello Readers!

Warm Greetings to you!

I am privileged & honoured to assume the mantle of editor & present to you the Commerce Section of our college magazine "Indergunjan"!

No wonder, all of you have a bundle of ideas but searching ways to express them is more than half the battle won. A magazine provides an opportunity to showcase your talent as writers thereby instilling a sense of achievement.

Let me tell you something inspirational. One day some frogs were travelling through woods and two of them accidentally fell into a pit. The other frogs which were safe upside concluded how deep the pit was and saw no hope for the frogs to escape out of it. Those frogs tried a number of times to get out of the pit but failed. Other frogs advised them to give up as coming out seemed to be impossible. After listening to their words, one of the frogs gave up & fell down to death, but the other one was constantly trying and it managed to come out.Then the frogs interrogated, "Didn't you hear us"? The successful frog replied that it was partially deaf and thought that they were encouraging it.

So, stay focussed and do your best despite what other people say. Work hard and be deaf to negative people. And most importantly don't worry about failures. They say that success is a vehicle which moves on a wheel called "Hard Work".

I am grateful to the blooming writers who have given response to my call and contributed to this section. Believe me your prodigious response made the screening a tough proposition for me. I also convey my wishes to those who couldn't weave their thoughts into words this time. I am deeply indebted to hon'ble principal Dr. Ajay Garg and editor-in-chief Dr. Vinay Wadhwa for their support and guidance throughout the journey.

Hope you have an enthralling reading experience as you cascade down the pages of this section.

Wishing you success today & always . . .

Prof. **Madhvi**
(Staff Editor)

# Changing Scenario of Human Resource Management

We can't imagine an organisation without human beings. HRM assures that human resources are used properly to achieve organisational goals. Gone are the days when HR was just used to "hire and fire" employees.

Nowadays, it is becoming strategic. As the environment of the business is changing, HRM is also changing. It is facing various challenges at present, the major being work force diversity. Organisations are becoming heterogeneous mix of people due to entrance of work force with different backgrounds and culture. This is a big challenge for HR and needs a complete modification of old practices.

Moreover, due to globalisation, operations are extended to foreign shores which makes it possible to choose from a large pool of labour. But likelihood of semantic and cultural barriers increases. Further, increasing use of sophisticated technology leads to fall in the number of employees as repetitive jobs are done by the robots. This would require HR to train the employees in alternate skills.

In this competitive world, the retention of unique talent is also putting a tremendous pressure on HR. In a nutshell, it can be said that due to the issues like globalisation, technological advancement, workforce diversity and intense competition, old HR practices are becoming obsolete. HR is now expected to perform value-added task by recognising the skills that are needed by employees and providing them with various employee programs to develop their competencies.

**Tanya**
B. Com. III
(Student Editor)

# How to Balance Your Personal and Professional Life

The beauty comes with balance. Everyone should find his own balance in his personal as well as professional life. Once you do so, you will feel and look beautiful.

For most people juggling the demands of career and personal life is an ongoing challenge. In today's "do more with less" competitive reality, how can we manage careers and families, and feel satisfied with both?

Being able to strike a balance between your professional and personal lives can help you become more productive.

"Focus on the things that are important to you and don't do the extraneous stuff", says Miller.

The balancing act takes careful planning and preparation, but it is possible.

Following are the ways to maintain a healthy balance between personal and professional life:

- **Identify the priorities:** To successfully walk the tightrope between professional and personal life you need to understand your priorities. "Create a list of the most significant aspects of your life and rank these items and work accordingly".
- **Set a time frame:** Develop a weekly schedule involving all the constants like work, classes and social activities with other one time events. Then, each night before, map out a daily to-do list of the individual tasks you need to get done based on your priorities.
- **Manage procrastination:** You may see your professional and personal lives seeping into one another because you

often wait until the very last minute to get things done. This causes you to end up working late or being distracted at work by personal tasks. Best way to beat procrastination is to break larger projects down. Doing so makes the overall project seem less daunting and increases motivation as you complete the smaller parts.

- **Learn to say "no":** Do not make yourself a super human being. It is ok that you are not able to juggle multiple things at once. It is perfectly alright to say 'no' to certain responsibilities and certain people.
- **Develop a hobby:** A hobby is a great tool to derive happiness and get refreshed. A hobby can be anything that you like. Just ensure that you spend quality time in nurturing your hobby.
- **Declutter your mind and space:** Decluttering of mind is vital as to increase productivity. Cluttered mind and spaces can only help add stress to your life. So start clearing it to concentrate on important things.
- **Take vacations:** Make time for yearly vacations or weekend trips with the family. Consider this as urgent as any other work. Vacations rejuvenate you helping you to be a better person at work and at home.

So maintaining a balance between work and personal life is vital which ensures physical and mental well–being of a person. Nothing is more harmful than a permanent blending of these two fears! Keeping an eye on work–life balance is a key to success and brings amazing results. It increases efficiency and minimizes health issues.

So have a proper balance and lead qualitative life.

**Prof. Vanita Rehani**
Dept. of Commerce

## Mobile Phone is a Blessing or a Curse ?

It's been years since someone had to look for change in their pockets to make a call out on the street from a pay phone. Initially mobile phone appeared to be a blessing. However, now it appears not so.

In Today's era mobile phone has become a necessity of life, whether in the business, education and emergency etc.

Today, it is not just a means of communication, infact it is a computer, reminder alarm, radio and not only this, It is also a source of entertainment for people. It has made our life too easy in this busy world. But it is not just a bundle of advantages.

Mobile phone has so much to offer which creates distraction and leads to wastage of time. People often are lost in another world with phone, just jumping from one application to another. Their work is affected. People have a lot of accidents while checking their phones for messages and calling. If not used with caution it can effect our eyes. The radiations from phone are harmful to health.

No doubt it is a boon for us and it is hard to imagine a day without phone. But it should be used properly. Youth are the future leaders of the nation and they should be properly guided and trained regarding the proper usage of mobile phone.

**Ishita Jain**
B. Com. II

# Corporate Social Responsibility: An Emerging Issue

Corporate social responsibility is an approach that ensures economic and social benefits for all stakeholders. It is not an optional add–on to business rather it is continuing commitment by business to behave ethically and contribute to economic development while improving the quality of life of the workforce and their families as well as of local community and society at large. In simple words, CSR can be defined as achieving commercial success in ways that honor ethical values and respect people, communities and natural environment. A lot of factors have contributed to the development of corporate social responsibility. CSR plays an important role in building consumer's loyalty based on distinctive ethical values.

It enhances the reputation of organisation which helps in recruitment and retention of human force and avoids the problem of high labour turnover and absenteeism. Over the last two decades ethical consumerism can be linked to emergence of CSR. Companies use CSR methodology as strategic tactic to gain public support for their presence in global markets. Business units adopting CSR practices are benifitted in terms of increased sales and strengthened brand positioning, increased ability to attract and motivate employees, decreased operating costs, increased appeal to investors and financial analysts and overall increased market share in global economy. Infact corporate social responsibility has become a world–wide issue, demanding a long–run commitment by business organisations to honor the triple bottom line–people, planet and profit with the inclusion of public interest into corporate decision making.

**Prof. Rajesh Bala**
Assistant Professor in Commerce

# Iris Recognition

Biometrics is the science of measuring physical or anatomical characteristics of individuals. It performs automatic identification of a person based on his/her physiological characteristics. Among the features measured are face, fingerprints, handwriting, iris and voice. Biometric technologies are becoming the foundation of an extensive array of highly secured identification and personal verification solutions.

Now-a-days "Iris Recognition" is becoming popular as it is accurate and reliable. The automated method of Iris recognition is relatively young, existing in patent since only 1994.

Iris is the area of the eye where the colored circle, usually brown or blue, rings the dark pupil of the eye. It regulates the size of the pupil. Iris recognition is an automated method of biometric identification that uses mathematical pattern recognition techniques on the images of the irises of an individual's eyes, whose complex random patterns are unique and can be seen from some distance.

## What is Iris Recognition System

Iris recognition is fast developing to be a fool–proof and fast identification technique that can be administered cost effectively. It is a classic biometrics application that is in an advanced stage of research all over the world.

**Application of Iris Recognition System:** It is being widely used in different areas which include:

- Computer login, the iris as a living password.
- Driving licenses and personal certificates.
- Anti-terrorism, e.g., security screening at airports.
- Credit-card authentication.
- Automobile ignition and unlocking; anti-theft devices

## Conclusion

The applications of Iris recognition are rapidly growing in the field of security, due to its high rate of accuracy. This technology has the potential to take over all other security techniques, as it provides a hands-free, rapid and reliable identification process. It is a quick and accurate way of identifying an individual with no chance for human error. It will prove to be a widely used security measure in near future.

**Ms. Riya**
Assistant Prof. Commerce Dept.

# Online Shopping

This is the age of internet. IT (Information Technology) has revolutionized every field of our life, be it business, education or shopping. Gone are the days when a lot of time was wasted in travelling from homes to stores. Now trend of online shopping is becoming popular. There are a lot of websites that provide a variety of products to customers and enable them to view photographs, product specifications, their features etc. The complete process of online shopping is becoming main choice of people because of the ease and convenience it offers. Time is no more a barrier. Shopping can be done anytime, anywhere, without travelling and without paying anything extra like parking fees. Another positive aspect is, it enables shopper to compare prices of different sellers. Moreover, reviews of the customers are also available which assist in decision–making. Order can be tracked online and payment mode can be chosen as per convenience. There is also a facility of returning the product if not liked by the consumers. So, it solves most of the problems of shopping but it is not just a bundle of advantages. There are some problems associated with it. The image of the product usually misguides the buyer as actual product may be different from the shown product. Online payments are not so secure and people cannot physically inspect the items under consideration. The enjoyment people used to have in conventional shopping is missing in this case. Sometimes the delivery of product is also delayed.

Despite its limitations, the concept is gaining momentum. It is not that bad if a person acts with prudence. It is the best option for emergencies and when you don't feel like going out.

**Simran**
B. Com. II

# Role of Banks in Economy

The banking system plays a pivotal role in the economy. Banks are the intermediaries to collect savings of the individuals and to lend them out to those who need them.

Manufacturing sector is the backbone of economic development. Manufactures need funds for the purchase of raw material and other requirements which banks provide. Moreover it is safe to keep surplus money in banks. Interest is also earned thereby which encourages people to save more, thus increasing investment and capital which helps in the growth process of country.

The banking system facilitates internal and international trade. A large part of trade is done on credit. They provide guarantee, on behalf of their customers, on the basis of which sellers can supply goods on credit. This is very important in international trade where buyers and sellers are often unknown to each other. Credit facilitates business to invest beyond their cash in hand and banks also provide facilities of fund transfer using instruments like RTGS, NEFT and DRAFT. Facility of discounting also assists people in times of financial crunch.

In a nutshell, it can be said that banks play an important role in the economic development and provide numerous facilities to people.

**Shruti**
B.B.A. II

# Self–Help Groups

Poor households in India are still dependent on non-institutional sources of credit which leads to their exploitation. Due to this the concept of self–help group is becoming popular nowadays.

Self–help groups are informal groups of people with same socio-economic background. They come together to save whatever amount they can out of their earnings, and mutually agree to contribute to a common fund to lend to the members for meeting their emergency needs.

Normally, a self–help group comprises of 15-20 person who save small amount regularly over a period of time until there is enough money to start extending loans. This is a major means of empowerment and plays a vital role in inculcating saving habits among members which leads to increase in confidence and decreased dependence on external credit.

Self–help groups may be registered or unregistered. Usually, these groups are based on areas of common interest so that they can think and organise for their development.

Transparency is very important in self-help groups to promote trust and confidence of employees. Only one person from a family can be a member of a self–help group. Roles and responsibilities of members along with bylaws are finalised after discussion.

It is important for the group to maintain records like members' passbook, attendance register, loan register etc. After the formation, a saving bank account is opened in the nearby bank. As per guidelines by NABARD. Self–help groups may be sanctioned saving linked loans by banks.

NABARD and RBI have issued certain guidelines regarding encouragement of Micro finance to these SHGs considering which they are given credit facility.

These SHGs enable members to take timely loans for a variety of purposes without security and at reasonable terms.

It acts as a catalyst for bringing lower sections of society to the main stream.

No doubt the concept is contributing a lot in women empowerment and rural development but more steps are needed to be taken to nurture and strengthen SHGs.

Nimesh Goel
B. Com. II

# Industrial Corridors

**"The country that is more developed industrially only shows, to the less developed, the image of its own future."**

**- Karl Marx**

Manufacturing sector is considered the backbone of economic development. It includes all those industries which process raw materials and transform them into finished products, eg., clothing, textiles, petroleum, chemicals, steel, electronics etc. But manufacturing sector's growth has stagnated for over two decades.

Government has launched 'Make in India' programme to attract investment from across the globe and to make India a manufacturing hub. Out of the various initiatives for the growth of manufacturing sector being taken by government "Industrial Corridors" is worth mentioning.

**Industrial corridors**: An industrial corridor is a package of infrastructure spending allocated to a specific geographical area to stimulate industrial development.

An industrial corridor aims to create an area with a cluster of manufacturing industries. Such corridors are often created in areas that have pre–existing infrastructure, such as ports, highways and railroads.

Industrial Corridors of India:

- Delhi–Mumbai Industrial Corridor Project
- Chennai–Bangalore Industrial Corridor
- Mumbai–Bangalore Industrial Corridor
- Amritsar–Delhi–Kolkata Industrial Corridor
- VANPIC–Vadrevu and Nizampatnam Port Industrial Corridor

## Significance of Industrial Corridors

- They will prevent concentration of industries at one particular location.

"We are all faced with a series of great opportunities brilliantly disguised as impossible situations."

– Charles R. Swindoll

- Due to improved transportation system and labour system, the cost of production would come down which would help Indian goods to compete in the global markets and will lead to increase in exports.
- Employment opportunities would increase due to increase in production of export surplus and per capita income will increase.
- Standard of living will rise due to increase in per capita income.
- Moreover, people would find job opportunities close to their homes and would not have to migrate.
- They will help to attract more FDI, develop sound industrial base, provide economies of scale, decrease logistic cost and increase export competitiveness. Thus they are future engines of growth.

**Divya**
B.B.A. II

## Time Management:- A Step towards Success

Time is the most precious resource in life which once lost can't be recalled back. So, it should be used wisely. Many people complain that they have so many things to do but they have less time at their disposal. Every person has 24 hours in a day but those who mange their time well, definitely achieve more than those who don't. Time management is significant for everyone and assists in reducing stress level. It makes a person works in a smarter way and increases his credibility. It leads to greater productivity. On the other hand, failure to learn time management can lead to inefficiency, poor work quality and increased stress. One must learn to plan the time well, set a priority schedule and then work accordingly. Time management is also not unrealistic if one focuses on thoughts and stays away from distractions. Rather than focusing on various issues, one must focus on the important one. Management of time is not impossible as the word "Impossible" itself says "I am possible". One should avoid putting things off unnecessarily as they say, " A stitch in time saves nine". So manage your time well and spend it on right things at right place.

"Either run the day or the day runs you".

**Shruti**
B. Com. II

"Human resources are like natural resources; they're often buried deep. You have to go looking for them, they're not just lying around on the surface. You have to create the circumstances where they show themselves."

– Ken Robinson

# Public Private Partnership (PPP)

Public Private Partnerships (PPPs) involves a contract between government and private firms, where government or private business venture is supported and operated with the help of government and one or more private sector enterprise. PPPs are based on the theme of sharing risk and the development of innovative and a way of financing over a long-term for the public and private sectors. According to IMF, "The PPP is the transfer of investment projects to the private sector that traditionally have been executed or financed by public sectors."

PPP provides an opportunity for private sector partnership in financing, designing, construction, operation and maintenance of Public sector programmes and projects. Public Private Partnerships are mainly used to finance, build and operate projects such as public transportation networks, parks, convention centers, schools, hospitals etc.

**Features of Public Private Partnership:** Some of the important features of Public Private Partnership are as follows:

1. **Transfer of Risk:** The main feature of PPP is transfer of risk from public sector enterprises to private sector enterprises. Public sector projects require huge investment and involve risk. By entering into contract with private sector, the risk is shared and minimized.
2. **Support of Finance:** Another important feature of PPP is unique financing that is the financial support provided by the private sector.
3. **Responsibility:** The main responsibility regarding regulations of public services remains in the hands of public sector. Private sector enterprises are merely assigned the task on contractual basis
4. **Infrastructural Gap:** The PPPs provide credible solutions which helps in bridging the infrastructure gap between both developed and developing countries.

The main rationale behind PPPs is to take financial support from private sector in case of huge investment oriented and risky public sector projects and minimizing the risk of that. The various advantages of PPPs are:

- Transfer of new technology to Public Sector
- Transfer of risk
- More Efficiency
- More competition
- Synergy Potential
- Acts as a catalytic event for infrastructure development
- Early completion of public sector projects

Considering the advantages, the Indian Government has identified the need to develop PPP in the Indian market and has taken various measures in this direction. This system has potential to attain the set objectives.

**Nisha Gupta**
Asst Prof., Commerce

# What is E-Government and Models of E-Government?

E-Government also called Electronic Government is about leading the transformation of government to provide efficient, convenient and transparent services to citizens and businesses through the use of Information and Communication Technologies (ICT). E–Government is not about 'e' but about 'government'; it is not about computers and websites, but about services to citizens and business. E-Government is not about translating processes; it is about transforming them. E-Government concerns with the transformation of government, modernization of government processes and functions and better public service delivery mechanism through technology. Citizens are the recipients in e-Government.

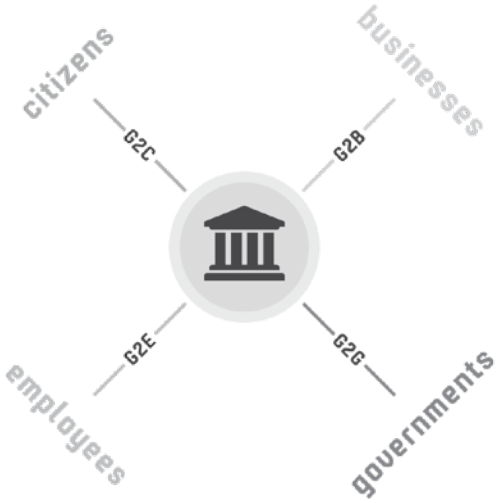


## 1. G2C (Government to Citizens)

The goal of government-to-citizen (G2C) e-governance is to offer a variety of ICT services to citizens in an efficient and economical manner and to strengthen the relationship between government and citizens using technology. Various G2C services of Central Government Ministries and departments, apart from State-specific services have been integrated on the Digital Seva portal for delivery to citizens in rural and remote areas of the country through the network such as Bharat BillPay, Passport, PAN Card etc.

## 2. G2E (Government to Employees)

G2E is the online interactions through instantaneous communication tools between government units and their employees. It is the relationship between online tools, sources and articles that help employees to maintain the communication with the government and their own companies. E-governance relationship with employees allows new learning technology in one simple place as the computer. Documents can now be stored and shared with other colleagues online. E-governance makes it possible for employees to become paperless and makes it easy for them to send important documents. Some of the benefits of G2E expansion include:

- **E-payroll** – maintaining the online sources to view paychecks, pay stubs, pay bills, and keep records for tax information.
- **E-benefits** – be able to look up what benefits an employee is receiving and what benefits they have a right to.
- **E-training** – allows for new and current employees to regularly maintain the training they have through the development of new technology and to allow new employees to learn over new materials in one convenient location. E-learning is another way to keep employees informed on the important materials they need to know through the use of visuals, animation, videos, etc. It is usually a computer-based learning tool, although not always. It is also a way for employees to learn at their own pace

(distance learning), although it can be instructor-led.

- Maintaining records of personal information – allows the system to keep all records in one easy location to update with every single bit of information that is relevant to a personal file. Examples being social security numbers, tax information, current address and other information.

### 3. G2B (Government to Business)

Government-to-Business (G2B) is the online non-commercial interaction between local and central government and the commercial business sector with the purpose of providing businesses information and advice on e-business best practices. The objective of G2B is to reduce difficulties for business, provide immediate information and enable digital communication by e-business. In addition, the government should re-use the data in the report proper, and take advantage of commercial electronic transaction protocol. E-government reduces costs and lowers the barrier of allowing companies to interact with the government. The interaction between the government and businesses reduces the time required for businesses to conduct a transaction. For instance, there is no need to commute to a government agency's office and transactions may be conducted online instantly with the click of a mouse. This significantly reduces transaction time for the government and businesses alike. E-Government provides a greater amount of information that the business needs, also it makes that information more clear.

### 4. G2G (Government to Government)

Government to Government (G2G) is the electronic sharing of data and information systems between government agencies, departments or organizations. The goal of G2G is to support e-government initiatives by improving communication, data access and data sharing. G2G initiatives are also being driven by budgets and funding. By sharing information and systems, governments are able to reduce IT costs. Government offices can be more efficient and streamlined allowing citizens to access information over the Internet. They may also qualify for grant funding, depending on the project.

### Conclusion

Thus E-Government is aimed at bringing cost effective, simplified and transparent delivery of public services. It will definitely revolutionze the way the government functions.

**Prof. Neetu Bhatia**
Department of Computer Science

## The Role of ICT To Make Teaching-Learning Effective

The use of ICT in teaching-learning process is a relatively new trend and it has been the focus for educational researchers.
The amalgamation of this technology into classroom practices is a challenge to teachers and administrators. The innovations that ICT has brought includes: e-learning, e-communication, quick access to information, online student registration, online advertisement, reduced burden of keeping hard copy, networking with resourceful persons, computer aided instruction, expert system, intelligent tutoring system, database

management system etc. Therefore, the training of teaching staff in the academic institutions and administrators in administration should be increased if they are to be convinced about the value of using ICT in their teaching-learning process and administration.

ICT (Information and Communication Technology) is the human innovation that involves the generation of knowledge and processes to develop systems capable of solving problems and extending human capabilities in different fields of life including education system. There are many factors influencing the use of ICT to make teaching-learning effective in higher institutions of learning. ICT is an electronic means of capturing, processing, storing, communicating information. The use of ICT in the classroom teaching-learning is very important because it provides opportunities for teachers and students to operate, store, manipulate and retrieve information. It also encourages independent and active learning, and self-responsibility for learning such as distance learning. It motivates teachers and students to continue learning outside school hours, plan and prepare lessons and design materials such as course content delivery and facilitates sharing of resources, expertise and advice. ICT has the capability not only of engaging students in instructional activities to increase their learning, but also of helping them to solve complex problems to enhance their cognitive skills.

## The Importance Of Using ICT In Teaching-Learning Process

The use of new technologies in the classroom is essential for providing opportunities for students to learn to operate in an information age. As traditional educational environments do not seem to be suitable for preparing learners to function or be productive in the workplaces of today's society. Organizations that do not incorporate the use of new technologies in institutions cannot seriously claim to prepare their students for life in the twenty first century. In ICT enhanced learning a teacher's role will be more challenging and definitely different. The ICT enhances the quality of teaching and learning by affecting inquiry, curiosity and exploration. It provides opportunity to the individual for self paced learning, through various tools such as assignment, computer etc. As a result of this the teaching learning enterprise has become more productive and meaningful. ICT keeps the students updated and enhances a teacher's capacity, fosters a live contact between the teacher and the student through e-mail, chalk session, e-learning, web-based learning including internet, intranet, extranet, CD-ROM, TV audio-videotape. EDUSAT technology has become very powerful media for interactive participation of experts and learners and it reaches the unreachable. Emerging learning Technology (ELT) of blogging, Integrated Learning Modules, a pod cast, Wikis, Enhancement of Browsers, e-learning, M-learning have started making rapid strides in teaching learning processes. In real sense, ICT has enhanced the quality of education.

**Prof. Ranju Gandhir**
Department of Computer Science

# Significance of Studying Commerce

Commerce as a career option is rapidly gaining importance nowadays. Information technology has completely changed the dimensions of business. Liberalization and globalization have made the environment even more complex. All this compels a businessman to possess right knowledge and skills. When a students opts for commerce, he gains knowledge about different aspects of business and skills needed to face the challenges of today's business.

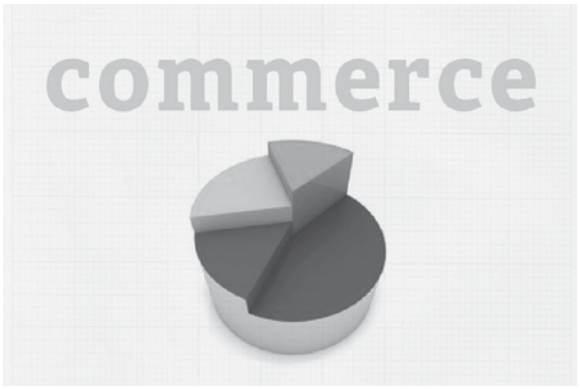


In the words of Herick: 'Commerce Education is that form of instruction that both directly and indirectly prepares the businessman for calling",

The scope of commerce is wide where students deal with a variety of subjects. They gain indepth knowledge about how to practically apply the economic principles. It familiarizes them with market fluctuations, trade, principles of accounting, management principles, fundamentals of economics etc. It makes them well versed about the optimum utilization of limited resources. Added advantage of this stream is that it is so linked to our daily lives that real life examples can be infused easily to illustrate the concepts.

Not only this, commerce education provides a trendy career options to choose from, like banking, CA, CS, financial analysis, finance consultancy, portfolio management and auditing etc. They can help to have a good position and handsome salary. The only thing that is crucial is one should choose wisely out of free will and should put the best efforts.

**Akhil Nandwani**
B. Com. III

# Cashless Economy

A system where no physical cash is in circulation is a cashless system. Payments are made through credit and debit cards, bank electronic fund transfers or virtual wallets. A cashless society describes an economic state whereby financial transactions are not conducted with money in the form of physical banknotes or coins but rather through the transfer of digital information between the transacting parties. Cashless societies have existed from the time when human society came into existence, based on barter and other methods of exchange and cashless transactions have also become possible in modern times using digital currencies such as bitcoin.

No doubt a cashless society is beneficial for all as cashless system brings down the cost associated with printing, storing and transporting of cash. The risk of money getting stolen is minimal with the advent of digital modes, one can avoid queue for ATMs, transact 24x7 and save time in a cashless economy. It is easier to track the black money and illicit transactions unlike cash based economy in which money doesn't come into the banking system. One can also get

benefit from e-commerce websites. These websites offer huge incentives in terms of discounts, cash back, loyalty points to the customers for making digital transactions for shopping online.

Now India is ready for a cashless economy. The government of India is working dedicatedly to push India towards a cashless economy with major initiatives such as demonetization, direct benefit transfers, BHIM and many more. The intent is to streamline the economy and curb corruption.

Further, to incentivize behavior change and bring down the cost of digital payment, referral and cash back schemes have also been launched for BHIM users and merchants receive cashback.

It can be concluded that the arguments for a cashless society far outweighs the arguments against. The arguments of the security, quickness and convenience .of cards and digital cash are better than the arguments against consisting of technology failures and such.

**Simran Nandwani**
B. Com. II

## Pleasure in the Job puts Perfection in the Work

One question that people struggle to answer is "Do they really like their job".

The reality is most of the persons are not satisfied with their jobs. Finding happiness at job is extremely important but there are many reasons that make people unhappy. They face problems with bosses and peers, long hours of work, lack of flexibility, appreciation and job advancements. Job satisfaction represents the difference between employee's expectations and experience derived from the job. The wider the gap, greater is the dissatisfaction. Every job has its own positives and negatives. Some jobs pay good amount but make people stay away from family and others may not give monetary satisfaction. But the reality is that money is not important. What matters at the end of the day is satisfaction. Actually people spend a great deal of time at the workplace and if they love what they do, their success rate increases.

Albert Schweitzer remarked, "Success is not the key to happiness. Happiness is the key to success".

About satisfaction and happiness, every person has different criteria. For some people handsome salary is important for others promotion is crucial. Some experience satisfaction if there is flexibility, appreciation and fairness etc. Whatever be the criteria for satisfaction, the thing is that they should be satisfied because people who are contended with their jobs are healthier and happier. These people have greater productivity, lower absenteeism and lower turnover rate. They perform to the best of their abilities which improves results. On the contrary, dissatisfied workers have to force themselves to work which leads to low productivity. There are a couple of ways to boost satisfaction at workplace like maintaining healthy relationships with peers, exploring opportunities to showcase their skills, avoiding negative people and

establishing realistic goals. They should use "SMART" acronym while setting goals.

S - Specific

M - Measurable

A - Attainable

R - Relevant

T - Timely

In a nutshell, it can be said that employee satisfaction is very important and is the outcome of various attitudes people have towards job. There are multiplicity of factors that can impact job satisfaction. Studies too have shown that job satisfaction leads to a better and safer working environment with decreased conflicts and higher productivity.

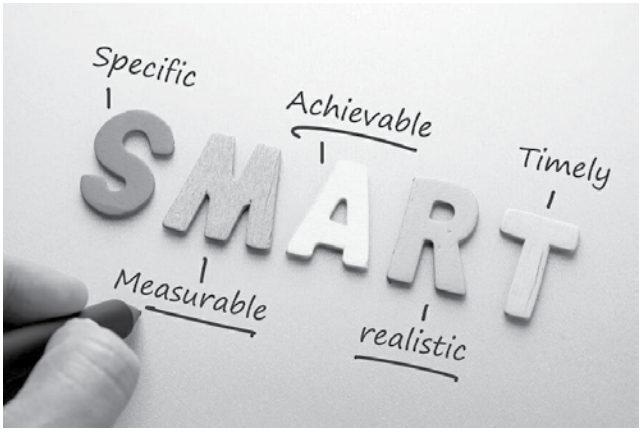


**Komal Galhotra**
Asstt. Prof., Commerce

## Finance and IT

Financial sector is expanding rapidly and number of transactions is increasing.

In today's world there are huge number of financial transactions taking place where it is difficult to manage them. This is where finance and technology come together. Problems faced by finance are solved by technology and growth of technology is managed by finance. Thus there is symbiotic growth of both finance and technology. It wouldn't be wrong to say that without the growth of technology, growth of finance wouldn't have been what it is today and vice versa. Hence growth of one sector is fully dependent on the growth of other sector.

IT has revolutionized every aspect of our life and finance is not an exception. IT has made it easier to perform financial transactions. With the click of a button ,we can easily do our banking transactions via laptops or mobile phones at any time in home or while doing our work without going to the bank.

IT surely has made our lifestyle easier but we must be extremely careful while using technology as every technology has both positive and negative sides. Banks and financial institutions also invest a lot of funds to protect data ,privacy and even constantly upgrade their system for better security of customer's wealth. A lot of softwares have been introduced to protect the private information of the customers.

Thus it is safe to assume that IT does bring efficiency in finance world but finance world needs to adopt technology that is completely reliable and then use it with best judgment and skill otherwise the consequences can be disastrous.

**Garima Gupta**
B.Com. III

# How to Manage Stress

## What is stress

Stress is the reaction people have to excessive pressures or other types of demand placed on them. It arises when they fear that they can't cope with the things. Body is affected adversely and symptoms can be physical and psychological.

Long term stress affects our health condition. So it is important to manage our stress. Because of stress breathing becomes faster,blood pressure and pulse rate rise, digestive system slows down and so on.

## Why we feel stressed ??

Common life events also make us stressed like:

- Family problems
- Lack of money
- Relationships
- Job issues

There are many ups and downs in life which make us anxious, restless, sad and depressed. But remaining stressed and distressed is not the solution. Important is how to overcome them. There are following ways which can be used to manage the stress:

- We should exercise daily because it helps to improve a person's mental and physical state.
- Balanced diet should be taken. A poor health also leads to stress.
- We should reduce the intake of alcohol, drugs and caffeine. This will not help to prevent stress but intake makes it worse.
- We should engage in those activities which make us happy and give peace to our life.
- Talking to family, friends, loved ones about our thoughts and worries will help us feel comfortable and find solutions to our problems.
- Find something that helps to relax, like going to walk, listening music or gym.
- Stay with positive people and avoid over thinking. It makes situation worse.
- Problems are part of life and feeling stressed too is normal but too much stress can lead to health issues. So it should be avoided. We must learn to live happily. We should smile and make others smile too.

**Sanjoli Jain**
B.B.A. I

"Smart investing doesn't consist of buying good assets but of buying assets well. This is a very, very important distinction that very, very few people understand."

***– Howard Marks***

# What Commerce Includes?

Commerce education is that area of education which develops the required knowledge, skills and attitudes of human resources for the successful handling of trade, commerce and industry. Commerce provides the necessary link between producers and consumers. It involves all those activities which are necessary for maintaining a free flow of goods and services. Commerce includes two types of activities:

- Trade
- Auxiliaries to trade

Buying and selling of goods is termed as trade but there are a lot of activities that are required to facilitate the purchase and sale of goods. These are called auxiliaries to trade. They include transport, banking, insurance, communication, advertisement, packaging and warehousing.

**Transport and Communication:** Transportation carries goods from producers to traders and finally to consumers. It bridges the geographical distance. It makes for speed and efficiency in exchanges. It provides the wheel of commerce.

**Banking and Finance:** Bank and financial institutions provide credit facility, loan etc. to provide finance for smooth running of business. Banks help the businessmen to overcome the hindrances of funds.

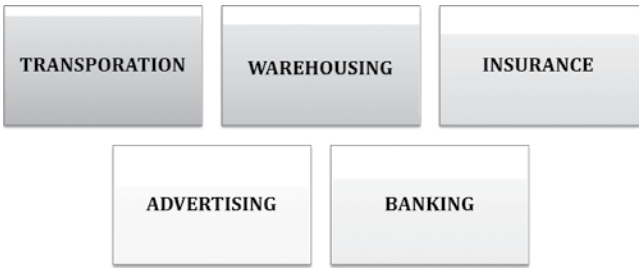


**Insurance:** Goods held in stock as well as goods in course of transit are subject to the risk of loss or damage due to theft, fire, accidents, etc. Protection against these is provided by insurance of goods.

**Warehousing:** It refers to holding of goods until they are finally consumed. Goods have to be stored at every stage in the process of exchange. Warehousing performs a usual function by matching supply with demand. It helps to make available the seasonally produced goods throughout the year. Warehousing creates time utility.

**Advertising:** Advertising is the process of delivering a message about idea,goods and services,through the media paid by an identifiable sponsor. Any consumer will not buy any product about which he doesn't know. So advertising helps traders to inform consumers about the goods and services available in the market.

Thus commerce is said to consist of activities of removing the hinderances in the process of exchange of goods and services.

Sonia Dhiman
B.Com. II

"The wealth of time is the only wealth that is more valuable than human resources."

– Sunday Adelaja

# Glimpses of the Prize Distribution Function
## (9th March 2018)

# Glimpses of the Convocation Function

**Chief Guest: Dr. Kailash Chander Sharma**
**(Vice-Chancellor, Kurukshetra University, Kurukshetra)**

शुक्रवार, 9 मार्च 2018, मध्याह्न 02:00 बजे
आप महाविद्यालय प्रांगण में सादर आमन्त्रित हैं।
मुख्य अतिथि

# Blessings and Good Wishes to Dr. Ajay Kumar on the occasion of his taking the charge of the Principal on 27th May 2019

समाचार दर्शन

# सम्पादकीय

समाचार दर्शन, इन्द्रगुंजन का शदीद भाग है जिसके माध्यम से पाठकों को महाविद्यालय की वर्ष भर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेल जगत की विशिष्ट उपलब्धियों का ज्ञान होता है। यह इस बात का परिचायक है कि आई.बी. महाविद्यालय में छात्र–छात्राएँ अपने प्राध्यापकों से न केवल पुस्तकीय ज्ञान अर्जित करते हैं अपितु उनके कुशल मार्गदर्शन में अथक परिश्रम से अंतर्महाविद्यालय व राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं व पुरस्कार प्राप्त करते हैं। पत्रिका के इस अनुभाग से विश्वविद्यालय परीक्षा व विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के नये कीर्तिमानों की स्थापना के साथ–साथ महाविद्यालय के भवन, पुस्तकालय व विभिन्न विभागों के क्रमिक विकास की भी झलक मिलती है। वास्तव में, यह अनुभाग महाविद्यालय की प्रबंध समिति, प्राचार्य, प्राध्यापक वर्ग व अन्य कर्मचारियों द्वारा छात्र–छात्राओं के समग्र विकास के लिए आयोजित सभी कार्यक्रमों के प्रति निष्ठा व संलग्नता का साक्षी है तथा इस भाग में उल्लेखित विद्यार्थी नवप्रविष्ट युवा छात्र–छात्राओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी है जिनका अनुसरण कर नवागन्तुक विद्यार्थी सफलता के उस शिखर पर पहुँच सकते हैं जो अभी तक अछूता है।

**प्रोफेसर नीलम**
एसोसिएट प्रोफेसर
अंग्रेजी विभाग

## आरंभिकी

हरियाणा की औद्योगिक नगरी पानीपत में स्थित आई.बी. महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसके गौरवमयी इतिहास पर दृष्टिपात करें तो विदित होता है कि विभाजन पूर्व पंजाब के मुलतान जिले के लैय्या नगर में (वर्तमान पाकिस्तान में) सेठ श्री इंद्रभान ढींगड़ा जी के संरक्षण में एक विद्यालय का संचालन प्रारंभ हुआ। विभाजनोपरान्त सेठ जी के भतीजे स्वर्गीय सेठ श्री बृजलाल ढींगड़ा ने अपने कर्मठ व समर्पित मित्रों स्वर्गीय श्री करमचंद ढींगड़ा, स्वर्गीय श्री शानू लाल नारंग, स्वर्गीय सेठ श्री सुखदयाल सचदेवा तथा स्वर्गीय लाला श्री रामकिशन गंधीर आदि के सहयोग से पानीपत में मात्र 28 छात्रों की संख्या से सन् 1956 में आई.बी. महाविद्यालय की स्थापना की। सन् 1966 में सहशिक्षा प्रारंभ की गई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से मान्यता प्राप्ति के पश्चात् सन् 1967 में विज्ञान विभाग व सन् 1971 में वाणिज्य विभाग जोड़ा गया। इसी कड़ी में हिंदी स्नातकोत्तर कक्षाओं का प्रारंभ सन् 1987 में हुआ। तत्पश्चात् 1998 में बी.बी.ए. व 1999 में बी.सी.ए. कक्षाओं को आरंभ किया गया। जुलाई 2003 से बायो टेक्नोलोजी व कंप्यूटर हार्डवेयर का बी.एससी. स्तर पर समावेश किया गया। प्रबंध समिति तथा प्राचार्य महोदय के प्रयत्नों से अंग्रेजी, वाणिज्य व गणित में भी स्नातकोत्तर कक्षाएँ आरम्भ हुई। महाविद्यालय की गरिमामयी यात्रा में अनुभवी तथा कुशल प्राचार्यों व परिश्रमी एवं समर्पित प्राध्यापकों का योगदान रहा। 4 सितम्बर 2015 से 26 मई 2019 तक डॉ. मधु शर्मा ने प्राचार्या का दायित्व बखूबी निभाया।

वर्तमान में, नवनियुक्त कर्मठ, प्रतिभावान, कुशल, मेहनती व समर्पित डॉ. अजय कुमार गर्ग प्राचार्य के पद को सुशोभित कर रहे हैं। 27 मई 2019 को प्राचार्य का पदभार संभालते ही वह महाविद्यालय के चहुँमुखी विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं।

इस समय महाविद्यालय में लगभग 3000 छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। महाविद्यालय में 115 सुयोग्य एवं प्रबुद्ध प्राध्यापक विद्यार्थियों को शिक्षित कर रहे हैं। अधिकतर प्राध्यापक एम.फिल. तथा पीएच.डी. जैसी उच्च उपाधियों से सम्मानित हैं। महाविद्यालय के कार्यालय, पुस्तकालय तथा विभिन्न प्रयोगशालाओं के कर्मचारीगण भी दक्षता से अपना कार्य कर रहे हैं।

## प्रबंध समिति

महाविद्यालय की प्रबंध समिति में कर्मयोगी, लग्नशील व सेवाभाव से समर्पित महानुभाव हैं। माननीय श्री धर्मवीर बतरा प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पद की शोभा बढ़ा रहे हैं। श्री अशोक नागपाल - उपप्रधान, श्री समीर ढींगड़ा - महासचिव और श्री युधिष्ठिर मिगलानी - कोषाध्यक्ष हैं। कार्यकारिणी के सभी माननीय पदाधिकारी व सदस्यगण महाविद्यालय के निरंतर विकास व उन्नति के लिए प्राचार्य महोदय, शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग को वांछित सहयोग देने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। महाविद्यालय का विकास इनके नि:स्वार्थ सेवाभाव से किए गए सार्थक प्रयत्नों का परिणाम है।

## भवन

महाविद्यालय के भवन में छात्र–छात्राओं के लिए अलग-अलग खण्ड हैं। मुख्य भाग में प्राचार्य कक्ष, प्रशासकीय खण्ड, कला संकाय, स्नातकोत्तर विभाग, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय, बी.बी.ए. विभाग, कम्प्यूटर विभाग इत्यादि हैं। छात्र–छात्राओं के लिए अलग-अलग अल्पाहार कक्ष भी इसी भाग में है। छात्रा विभाग में प्राध्यापिका कक्ष, महिला प्रकोष्ठ कक्ष, संगीत विभाग (गायन एवं वाद्य), फंक्शनल इंग्लिश प्रयोगशाला, व गृह विज्ञान की दो प्रयोगशालाएँ हैं।

महाविद्यालय में बहुमंजिला भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस भवन में प्राचार्य कक्ष, प्रशासकीय खण्ड व आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ निर्माणाधीन हैं।

## पुस्तकालय

विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के ज्ञानोपार्जन हेतु महाविद्यालय में एक समृद्ध पुस्तकालय है जिसमें 58 हजार से अधिक उपयोगी पुस्तकें हैं। विद्यार्थियों को दैनिक जानकारी प्रदान करने के लिए 17 समाचार पत्र नियमित रूप से उपलब्ध हैं। निर्धन व मेधावी छात्रों को पाठ्यक्रम की पुस्तकें वर्षभर के लिए प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार के प्रयासों से पुस्तकालय निरंतर विकास व विस्तार की ओर अग्रसर है। उन्होंने पुस्तकालय को UGC INFLIBNIT कार्यक्रम के N-LIST के साथ सम्बद्ध करवाया जिससे विद्यार्थी लगभग 70 हजार e-journals को online access कर सकते हैं।

## शैक्षणिक कीर्तिमान

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय की समर्पित प्रबंध समिति के आशीर्वाद, परिश्रमी प्राचार्य के कुशल नेतृत्व व सुयोग्य प्राध्यापकों के सहयोग व निर्देशन में विद्यार्थियों ने कठोर परिश्रम किया व नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने बी.बी.ए. के चतुर्थ समेस्टर में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का मान बढ़ाया। यह गर्व का विषय है कि हमारे बी.सी.ए. के छात्र रोहित कुमार ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा में टॉप किया। इसी कड़ी में रीना ने एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की विश्वविद्यालय की परीक्षा में प्रथम स्थान व रीतु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की वरीयता सूची में हमारे छात्र छात्राओं का नाम सदैव ही होता है। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय की मैरिट सूची में श्रुति ने बी.बी.ए. में पांचवाँ, निधि रावल ने एम.ए. (अंग्रेजी) में सातवां, रीया ने बी.बी.ए. में पन्द्रहवाँ स्थान अर्जित किया। विज्ञान संकाय के बहुत से छात्र-छात्राओं ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किये। इनमें अंजना सैनी ने 92.41%, डिंपल ने 92.07% व प्रतीक्षा पांडेय ने 91.3% अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय की परीक्षा उत्तीर्ण की।

## पुरस्कार वितरण व दीक्षान्त समारोह

महाविद्यालय की गौरवमयी परम्परा के अनुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की परीक्षा में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थी को दीक्षांत समारोह के अवसर पर स्वर्णपदक से सम्मानित किया जाता है।

गत सत्र में 9 मार्च 2018 को पूर्वाहन में महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण व अपराह्न में दीक्षान्त समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास से किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में अमेरिका के उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री मदनलाल अरोड़ा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि गरीब पैदा होना कोई शर्म की बात नहीं, परंतु गरीबी में मर जाना बहुत बुरी बात है। यदि इंसान मेहनत व लग्न से कार्य करे तो गरीबी को दूर भगाया जा सकता है। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की एम.ए. हिंदी की परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा सीता को स्वर्ण पदक व विश्वविद्यालय की मैरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाली अंग्रेजी विभाग की सरबजीत कौर, दीक्षा, अनमोल तथा बी.सी.ए. की अंजलि नागपाल इत्यादि विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये।

दीक्षान्त समारोह के मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा थे। उन्होंने महाविद्यालय के 350 विद्यार्थियों को डिग्रीयाँ प्रदान की। महाविद्यालय की प्रबंध समिति के प्रधान श्री धर्मवीर बतरा, उपप्रधान श्री अशोक नागपाल, प्रबंध समिति के अन्य सदस्यगण, तत्कालीन प्राचार्या डॉ. मधु शर्मा, स्टाफ के सभी सदस्य तथा शहर के अनेक गण-मान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने दोनों समारोहों को चार चाँद लगा दिये।

## खेल विभाग

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य हेतु खेलों के महत्त्व को जानते हुए महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा व खेल विभाग प्रभारी प्रोफेसर राजेश के निर्देशन में विद्यार्थी वर्षभर अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

महाविद्यालय के छात्र सुशांत ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित अंतर्महाविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में तथा गवर्नमेंट कॉलेज, इसराना में राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। सुशांत ने All India University Wrestling Championship में भी चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान बी.ए. (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रिया ने Triple Jump में कांस्य पदक व विशाल ने 100 मीटर दौड़ में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

आई.बी. महाविद्यालय की बैडमिंटन टीम ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में 2 मैच जीते।

साहिल खत्री ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में All India Inter University Coaching Camp में समभागिता की।

## सांस्कृतिक गतिविधियाँ

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें शिक्षा व खेल के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्रदान किये जाते हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों के संयोजक डॉ. सुनीत शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सत्र 2018-19 में विद्यार्थियों ने युवा समारोह, महाविद्यालय व अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

गत वर्षों की भांति विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा अन्वेषण के लिए सत्र के प्रारंभ में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के निर्देशानुसार प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन 7 व 8 सितंबर 2018 को किया गया। इसके अंतर्गत भाषण, पेंटिंग, गायन, नृत्य, प्रश्नोतरी, कविता पाठ इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 150 से भी अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

24 सितंबर 2018 को देशबंधु गुप्ता गर्वनमेंट कॉलेज, पानीपत के द्वारा अंतर्महाविद्यालय जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की सिमरन व डिंपल ने भाषण प्रतियोगिता में, महिमा ने प्रस्ताव लेखन में व आसमां ने रंगोली प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जी.बी. कॉलेज, कुराना में दिनांक 8 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2018 तक आयोजित क्षेत्रीय युवा समारोह में हरियाणवी समूह गान को प्रथम स्थान पर संस्तुत (Recommend) किया गया तथा हरियाणवी गजल, पाश्चात्य एकल वाद्य, वाद-विवाद, कवितोच्चारण, मिमिक्री, पाश्चात्य एकल गायन व on the spot photography को द्वितीय स्थान पर प्रशंसित (Commend) किया गया।

क्षेत्रीय युवा समारोह के पश्चात् दिनांक 4 नवंबर से 6 नवंबर 2018 तक सी. आई.एस. के. एल. वी. फतेहपुर, पुंडरी, कैथल में अन्तर्क्षेत्रीय युवा समारोह का आयोजन किया गया जिसमें on the spot photography को द्वितीयस्थान पर प्रशंसित व वाद-विवाद को प्रथम स्थान पर संस्तुत किया गया।

युवा कल्याण एवं खेल विभाग मंत्रालय, भारत सरकार युवा कल्याण विभाग तथा डायरेक्टर ऑफ एन. एस. एस. स्कीम के सौजन्य से DYP Programme के तहत 24 जनवरी 2019 को एस. डी. कॉलेज, पानीपत में जिला युवा संसद में महाविद्यालय के 2 छात्रों ने भाग लिया।

गीता इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा 29 जनवरी 2019 को BIZZ Fiesta 2019 के अंतर्गत Ad-Mad-Show प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के चार छात्रों की टीम ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

Panipat Institute of Engineering and Technology के वार्षिक उत्सव 'Maestros' में महाविद्यालय के जितेश नारंग ने Fastest Finger First, प्राची व शिवांगी ने Food Carnival, सिमरन के ग्रुप ने Flashback प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इसी कड़ी में श्रुति ने कविता पाठ, रूबल के ग्रुप ने कॉमेडी नाइट्स, पलक, केशव, तरुण व द्विंकल की टीम ने Ad-Mad-Show प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। Spell Bee Competition में सत्यम अरोड़ा ने प्रथम व अंकित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार Wordsworth नामक Event में सिमरन ने प्रथम व तरनजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय के नौ विद्यार्थी जे.बी.डी. ग्रुप द्वारा करनाल में आयोजित अंतर्महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी 'राजघराना' में 17 फरवरी 2019 को प्रतिभागी बने।

डिंपल व श्रुति ने दयाल सिंह कॉलेज, करनाल में 23 फरवरी 2019 को प्रान्त स्तरीय कविता पाठ प्रतियोगिता में समभागिता की।

महाविद्यालय की बहुमुखी प्रतिभा संपन्न छात्रा सिमरन ने देशबंधु गवर्नमेंट कॉलेज, पानीपत द्वारा 23 फरवरी 2019 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, कविता पाठ प्रतियोगिता में द्वितीय व वाद-विवाद प्रतियोगिता में श्रेया के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। इसी श्रृंखला में दीपक व उसकी टीम ने Skit में द्वितीय, शुभम ने PPT व निमेष ने स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

25 फरवरी 2019 को दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा अंतर्महाविद्यालय कविता पाठ प्रतियोगिता में सिमरन व डिंपल ने क्रमश: द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया व इस प्रतियोगिता की ओवरऑल ट्राफी जीतकर महाविद्यालय का मान बढ़ाया। निमेष गोयल ने Waste Management Event में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

HARCOFED द्वारा आर्य कॉलेज, पानीपत में 7 मार्च 2019 को प्रांत-स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्रुति [(बी.कॉम. II) (H)] ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। उसे 700 रूपये की नकद राशि ईनाम स्वरूप प्रदान की गई। श्रुति ने अगले स्तर की प्रतियोगिता में रोहतक में भाग लिया।

8 मार्च 2019 को गुरू नानक खालसा कॉलेज, करनाल द्वारा आयोजित अंर्तमहाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव में भाषण प्रतियोगिता में डिंपल ने प्रथम व सिमरन ने तृतीय स्थान, रेनूका व डिंपल ने क्रमशः स्लोगन लेखन व कविता पाठ प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सत्यम्, मनीष व शिवम् की टीम ने क्विज में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

गीता इंजीनियरिंग कॉलेज, नौल्था के 13 व 14 मार्च 2019 को आयोजित वार्षिक उत्सव 'Sangrila' में राखी (बी.कॉम. II) ने नेल पेंटिंग में तथा सचिन, जितेश, रोनित, अभितोष ने PUBG में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

16 मार्च 2019 को DAV Women College, Karnal द्वारा 'इंद्रधनुष' उत्सव का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की सिमरन ने On the Spot Essay में प्रथम, निमेष ने Waste-O-Mania में द्वितीय तथा अनमोल सिंह ने पंजाबी लोकगीत में, टिवंकल ने हिंदी कविता पाठ व डिंपल ने पंजाबी कविता पाठ प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में अंतर्महाविद्यालय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव Manjari–2019 में 28-29 मार्च 2019 को सिद्धार्थ शाही (बी.एससी.) व तरुण पाठक (बी.बी.ए.) ने RHAPSODY में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

## रोजगार एवं सूचना केंद्र

- विद्यार्थियों को रोजगार सम्बन्धी नवीनतम जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में वर्ष 1998 में रोजगार एवं सूचना केंद्र का गठन किया गया। वर्तमान में इस केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर सोनिया, अध्यक्षा, भौतिकी विभाग हैं।
- प्रोफेसर सोनिया के कुशल नेतृत्व में सत्र 2018–19 में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार संबंधी उपयुक्त जानकारी प्रदान की गई।

- Director Higher Education Haryana व रोजगार एवं सूचना केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में United Nation Development Programme के सहयोग से महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए चार दिवसीय कैरियर गाइडेंस एंड काउंसलिंग ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
- इस प्रकोष्ठ के सौजन्य से Haryana Chamber of Commerce and Industry द्वारा 'Job Fest 2019', WIPRO द्वारा 'Campus Recruitment Drive', INFOSYS Technologies Limited द्वारा 'Mega Placement' तथा Department of Employment, Haryana द्वारा 'Mega Job Fair' का आयोजन किया गया।
- गरिमा (बी.एससी. तृतीय वर्ष) का INFOSYS में चयन हुआ। बी.एससी. तृतीय वर्ष के शिवम्, मिली मलिक, पूजा, आकांक्षा; एम. कॉम. की प्रिंसी व बी.कॉम. तृतीय वर्ष के अभिषेक, अंशु, कमल, अभितोष, कोमल, कंचन, निधि, ऋतु, काजल, सिमरन, किरण, सत्यम्, पंकज, दिव्या का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हुआ।
- 9 फरवरी 2019 को अमर उजाला व जिलेट कंपनी के सहयोग से आयोजित Career Development and Personality Grooming Event "सफलता अपनी मुट्ठी में" के अंतर्गत कुनाल (बी.कॉम. तृतीय वर्ष ), चेतन (बी.बी.ए. तृतीय वर्ष) व रोहित शर्मा (बी.ए. तृतीय वर्ष) को अमर उजाला में चयनित किया गया।
- 27 फरवरी 2019 को Concentrix Company के सहयोग से Campus Recruitment Drive का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के 19 विद्यार्थियों–बी.एससी. तृतीय वर्ष के योगेश, डिंपल, गरिमा, नितिन, राहुल, आकांक्षा, अश्वनी; बी.सी.ए. तृतीय वर्ष के रिषभ; बी.कॉम. तृतीय वर्ष के सत्यम्, सिमरन, यशिका, राधिका, तान्या, दिव्या, सोनाली, प्रियंका छोक्कर, अभिषेक, शुभम; एम. कॉम. की ईशा का चयन हुआ।

## महिला प्रकोष्ठ व कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ

- रोजगार सम्बन्धी सूचना के साथ-साथ महाविद्यालय में विद्यार्थियों को कानूनी रूप से भी साक्षर किया जाता है। विशेष रूप से छात्राओं को महिला सम्बन्धी अधिकारों के बारे में महिला प्रकोष्ठ व कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के माध्यम से जागरूक किया जाता है।
- महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अर्पणा, विभागाध्यक्षा, गणित विभाग व कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पूनम मदान के निर्देशन में सत्र 2018-19 में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- 25 अगस्त 2018 को स्त्री सुरक्षा एवं सशक्तिकरण विषय पर स्लोगन लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 28 सितंबर 2018 को पानीपत के वकील श्री विकास रूहल ने कानूनी अधिकारों व श्री सुकृत ने ट्रैफिक नियमों के बारे में छात्राओं को अवगत कराया।
- 'निर्भया नहीं निर्भय बनें' विषय पर 29 अक्टूबर 2018 को व्याख्यान करवाया गया।
- "स्त्री एवं शिक्षा", "स्त्री एवं कानूनी अधिकार", "महिला लेखिकाएँ" विषयों पर 5 फरवरी 2019 को निबंध लेखन का आयोजन किया गया।
- डी.ए.वी. कॉलेज, करनाल द्वारा आयोजित अंतर्महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में B.B.A. II की स्नेहा ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

- 6 मार्च 2019 को आर्य कॉलेज, पानीपत द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में सिमरन (बी.कॉम. द्वितीय) ने निबन्ध लेखन में प्रथम व भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- 8 मार्च 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित Pinkathon में महाविद्यालय की 1300 छात्राओं के साथ–साथ सभी महिला प्राध्यापकों ने भी भाग लिया।

## यूथ रैडक्रॉस क्लॅब

- महाविद्यालय में विद्यार्थियों को अधिकारों के साथ ही कर्त्तव्यों का भी बोध करवाया जाता है। यूथ रैडक्रॉस क्लॅब के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवाभाव विकसित किया जाता है।
- यूथ रैडक्रॉस क्लॅब की संयोजिका प्रोफेसर सोनिया, विभागाध्यक्षा भौतिकी विभाग, के नेतत्व में यूथ रैडक्रॉस क्लॅब ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- जिला रैडक्रॉस द्वारा आर्य महाविद्यालय में आयोजित कैंप में महाविद्यालय के 10 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विकास ने नृत्य प्रतियोगिता, कनिका ने भाषण प्रतियोगिता तथा द्विंकल, कोमल, सोनिया व सिमरन ने ग्रुप डांस प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।
- विद्यार्थियों की इस टीम की कार्यकारी प्रोफेसर सोनिया को सर्वश्रेष्ठ काउन्सलर की ट्रॉफी प्रदान की गई।

- प्रोफेसर सोनिया ने देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय और रैड रिबन एड्स सोसाइटी द्वारा आयोजित ट्रेनिंग कैंप में भाग लिया ।
- 17 से 21 सितंबर 2018 तक जिला रैडक्रॉस द्वारा आर्य कॉलेज में आयोजित कैंप में हमारे 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कनिका ने भाषण प्रतियोगिता और सिमरन, सोनिया व अंजलि ने ग्रुप डांस में रजत पदक अर्जित किया।
- विद्यार्थियों के इस ग्रुप के कार्यकारी डॉ. गुरनाम व प्रोफेसर कनक शर्मा थे। प्रोफेसर कनक शर्मा को सर्वश्रेष्ठ काउन्सलर की ट्रॉफी दी गई।
- डॉ. गुरनाम के निर्देशन में महाविद्यालय के 10 छात्रों ने 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक श्री अनंत प्रेम आश्रम, नांगली बेला, हरिद्वार में भारतीय रैडक्रॉस सोसाइटी, चंडीगढ द्वारा आयोजित कैंप में भाग लिया। इस कैंप में सिद्दार्थ ने एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- 23 जनवरी 2019 को श्रीमती सोनिया ने प्राथमिक चिकित्सा व होम नर्सिंग पर अपने विचार प्रेषित किए।
- जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से महाविद्यालय में 12 मार्च 2019 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डॉ. बी.बी. शर्मा, डीन, पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने रक्तदान को समाज के लिए प्रेरणादायक महादान बताया। इस शिविर में 101 विद्यार्थियों ने रक्तदान का पुण्य कार्य किया।

## राष्ट्रीय सेवा योजना

- विद्यार्थियों में त्याग, पारस्परिक सद्भाव व राष्ट्रीय सेवा भाव जैसे सदगुणों का विकास करने हेतु महाविद्यालय में न केवल यूथ रैडक्रॉस क्लॅब अपितु राष्ट्रीय सेवा योजना भी कार्यरत है। वर्तमान में प्रोफेसर अतुल कुमार आहूजा के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रही है।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त पहल "स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप में महाविद्यालय के 43 स्वयंसेवकों ने 15 मई 2018 से 31 जुलाई 2018 तक लगभग 100 घंटों में पानीपत के विभिन्न गांवों खोतपुरा, काबडी व चंदौली में स्वच्छता सम्बन्धी कार्य किए।
- सत्र 2018-19 के लिए 110 स्वयं सेवकों ने पंजीकरण करवाया। 17 अगस्त 2018 को एक दिवसीय शिविर के माध्यम से इन स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना गीत 'उठें समाज के लिए उठें' तथा 'राष्ट्रीय सेवा योजना ताली' से अवगत करवाया गया।
- लगभग 80 स्वयंसेवकों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2018 को योग किया।
- 'वृक्षारोपण सप्ताह' 19 अगस्त 2018 से 25 अगस्त 2018 तक महाविद्यालय में मनाया गया। सभी स्वयंसेवकों को कम से कम 2 पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार लगभग 215 पौधों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण सप्ताह के अंतिम दिन 25 अगस्त 2018 को तत्कालीन उपप्राचार्य प्रोफेसर पी. के. नरूला व स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के छात्रा खण्ड में पोधारोपण किया।
- 28 सितंबर 2018 को महाविद्यालय के 40 छात्रों ने पानीपत रेलवे स्टेशन व उसके समीपवर्ती स्थानों पर स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।
- 'सर्जिकल स्ट्राइक डे' 29 सितंबर 2018 को मनाया गया जिसके अंर्तगत 70 स्वयंसेवकों ने 'सर्जिकल स्ट्राइक' विषय पर पोस्टर बनाए। प्रोफेसर रंजना शर्मा, विभागाध्यक्षा, रसायन विभाग, ने निर्णायक की भूमिका निभाई।
- 2 अक्टूबर 2018 से 8 अक्टूबर 2018 तक 'दान उत्सव' मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने हॉली पार्क व पानीपत के औद्योगिक क्षेत्र के निकटवर्ती झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले जरुरतमन्द लोगों को कपड़े, पैन, पेंसिल इत्यादि वितरित की।
- 'राष्ट्रीय एकता दिवस' का आयोजन महाविद्यालय के प्रागंण में 31 अक्टूबर 2018 को किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सरदार वल्लभ भाई पटेल पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म दिखाई गई। इसी दिन सरदार पटेल के जीवन से सम्बधित व्याख्यान करवाया गया।
- 10 दिसम्बर 2018 को राष्ट्रीय स्वयं सेवकों को 'तम्बाकू निषेध' पर शपथ दिलवाई गई।
- 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' का आयोजन 4 फरवरी 2019 से 10 फरवरी 2019 तक किया गया। लगभग 90 विद्यार्थियों ने इस अवसर पर आयोजित रैली में भाग लिया। 'सड़क सुरक्षा' पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता व व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 17 मार्च 2019 से 23 मार्च 2019 तक 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' पर आधारित एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन गांव खोतपुरा, जिला पानीपत में किया गया। इस शिविर का उद्घाटन डॉ. दिनेश सिंह राणा के करकमलों से हुआ। सात दिवसीय शिविर में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर के अंतिम दिन खोतपुरा के सरपंच श्री विनोद संधू मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया।

## एन.सी.सी.

- देश प्रेम की भावना के साथ ही विद्यार्थियों में अनुशासन की भावना विकसित करने हेतु महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार के नेतृत्व में एन.सी.सी. के तत्वावधान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।
- जून 2018 में एन.सी.सी. के विद्यार्थियों ने रिषिकुल स्कूल, सोनीपत में आयोजित Combined Annual Training Camp (CATC) में भाग लिया। इस कैंप में आयोजित फुटबाल मैच में महाविद्यालय की टीम (आशीष, गौरव, मोहित, संदीप, अक्षय, सन्नी, रोहित खर्ब, अजय, अजय शर्मा, सुनील व अनुज) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संदीप ने 200 मीटर दौड़ में प्रथम, गौरव व अनिल ने क्रमशः 100 मीटर तथा 400 मीटर रेस में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- 1 मार्च 2019 से 3 मार्च 2019 तक GVM Girls College, Sonepat में आयोजित NCC Fest में NCC Cadets ने भाग लिया। पूजा व साक्षी के युगल नृत्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पूजा, साक्षी, निशा, सोनिया, निशू, जाह्नवी, काजल, उज्जवल, गुलफशा व कोमल के समूह नृत्य ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। रस्साकशी में महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटस की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुधांशु ने भाषण प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

## अंग्रेजी विभाग

सत्रारंभ में बी.ए. ऑनर्स व एम.ए. में नवागन्तुक विद्यार्थियों के लिए भव्य समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने नृत्य व गीत इत्यादि के माध्यम से अपनी कला का परिचय दिया।

श्री रामचंद्र मिशन, यूनाइटेड नेशनल इनफॉरमेशन सेंटर एंड द हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीयस्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

22 अक्टूबर 2018 को सहायक प्राध्यापिका निधि व अंग्रेजी विभाग के अन्य प्राध्यापकों के सहयोग से जयपुरिया क्विज़ 2018 का आयोजन किया गया।

एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा निधि ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा में सातवां स्थान प्राप्त किया।

प्रोफेसर नीलम ने Director General Higher Education Panchkula, Haryana द्वारा प्रायोजित गौर ब्राह्मण डिग्री कॉलेज, रोहतक में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में Glacalization in Ajneya's Translated Text Islands in the Stream पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. निधि ने यूजीसी द्वारा आयोजित Refresher Course में 15 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019 तक भाग लिया व Contemporary Indian Women Novelists and Dilemma of Being a Woman in Patriarchal Indian Society नामक लघु शोधपत्र Indian English Literature: An Overview (2018) में प्रकाशित करवाया। इनका लेख Professor B.R. Sethi: Pride of the City Historic द ट्रिब्यून में 15 सितम्बर 2018 को प्रकाशित हुआ।

अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापिका ज्योति नैन ने 16 फरवरी 2019 को मारकण्डा नेशनल कॉलेज, शाहबाद मारकण्डा में Theories of Colonial and Post Colonial Era Propounded by Native Thinkers पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। 1 मार्च 2019 को दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में इन्होंने Women Empowerment Through Budget 2018 नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। इनके तीन शोध पत्र (i)Theories of Colonial and Post Colonial Era Propounded by Native Thinkers (ii) Diasporic Elements in Bharti Mukherjee and Jhumpa Lahiri's Novels (iii) Predicament of Women in Margret Atwood's Novels विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हुए।

सत्र के अंत में एम.ए. व बी.ए. ऑनर्स फाइनल के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया तथा विश्वविद्यालय की वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया।

## हिंदी विभाग

- 14 सितंबर को हिंदी विभाग के तत्वाधान में हिंदी दिवस के अवसर पर "विश्व में हिंदी के बढ़ते कदम" नामक विषय पर भाषण व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- एम.ए. हिंदी (अंतिम वर्ष) की छात्राओं कुमारी ज्योति व कुमारी ममता ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा में क्रमश: प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- कुमारी रीना, रितू, सरिता व मनीषा ने एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष) की कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा में क्रमश: प्रथम, तृतीय, सप्तम् व नवम् स्थान प्राप्त किया।
- श्री रामचंद्र मिशन के तत्वावधान में आयोजित 'राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता' में हमारे महाविद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने समभागिता की। निमेश (बी.बी.ए. फाईनल) तथा स्वीटी आहूजा (बी.ए. फाईनल) ने क्रमश: दूसरा व सातवाँ स्थान प्राप्त किया।
- विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. सुनीता व डॉ. जोगेश ने खानपुर विश्वविद्यालय में 5 जनवरी 2019 से 25 जनवरी 2019 तक चले पुनश्चर्या कार्यक्रम में सफलतापूर्वक समभागिता की।
- लगातार चार वर्षों से हमारे विद्यार्थी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।
- डॉ. जोगेश ने 1-2 दिसंबर 2018 को चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रवासी साहित्य एक विमर्श' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने 27 जनवरी 2019 को डी.ए.वी. कॉलेज, चीका द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वैश्विक परिदृश्य में हिंदी साहित्य संभावनाएं और चुनौतियाँ" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

## इतिहास विभाग

डॉ. रामेश्वरदास, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग ने 'Guru Angad Dev Vetenrinary and Animal Sciences University, Ludhiana' में 23 से 25 नवंबर 2018 तक आयोजित National Workshop में Technological Revolution and Handloom Industry नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस Workshop में उन्होंने एक Session में Chairperson की भूमिका का भी वहन किया।

23 फरवरी 2019 को DAV College, Pundri, Kaithal द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में उद्घाटन भाषण में "हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एकता के विविध स्वर" पर अपने मूल्यवान विचार प्रेषित किये।

हरियाणा साहित्य अकादमी की साहित्यिक पत्रिका 'हरिगंधा' में प्रकाशन हेतु इनका आलेख "भारतीय राष्ट्रीय चेतना और उसका ऐतिहासिक संदर्भ" स्वीकार किया गया है।

## अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर पी.के. नरूला महाविद्यालय की प्रबंध समिति में शिक्षक वर्ग के प्रतिनिधि (2017-20) के रूप में कार्यरत हैं। वे

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की UMC कमेटी तथा Academic Council (2017-19) के सदस्य के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

महाविद्यालय का उद्यान विभाग प्रो. नरूला व डॉ. निधान सिंह की देखरेख में कार्य कर रहा है। उन्होंने महाविद्यालय में पौधारोपण करवाया तथा विद्यार्थियों को पौधारोपण व पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। फरवरी 2019 में एस.डी. कॉलेज द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में उद्यान विभाग ने विभिन्न श्रेणियों में पांच पुरस्कार जीते।

प्रो. नरूला महाविद्यालय में भवन कमेटी के सदस्य के रूप में निर्माणाधीन भवन के लिए अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं।

## गृह विज्ञान विभाग

गृह विज्ञान विभाग में डॉ. सीमा के निर्देशन में 24 सितंबर 2018 से 27 सितंबर 2018 तक "पुष्पसज्जा" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। "Best out of Waste" पर छात्राओं को 19 जनवरी 2019 से 23 जनवरी 2019 तक कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

विभाग की अध्यक्षा डॉ. सीमा ने Spirulina as Dietary Supplement in Chronic Diseases विषय पर शोध पत्र प्रकाशित करवाया।

## संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग ने श्रीमती सोनिया वर्मा के नेतृत्व में 6 अगस्त 2018 से 18 अगस्त 2018 तक संस्कृत संभाषण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के समापन दिवस पर मुख्यातिथि संस्कृत भारती हरियाणा के अध्यक्ष श्री रामनिवास जी थे। श्री अनिल कुमारी शास्त्री, शिक्षक, संस्कृत भारती, हरियाणा ने कार्यशाला का संचालन किया।

18 अगस्त 2018 को महाविद्यालय के सभागार में भव्य वस्तु प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की 10 छात्राओं ने श्रीमती सोनिया वर्मा के नेतृत्व में संस्कृत भारती, हरियाणा द्वारा आयोजित रिवाड़ी में 'वर्ग' (कैंप) में भाग लिया। इस 'वर्ग' में विद्यार्थियों ने शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति दी। 'वर्ग' की समापन बेला पर उन्होंने एक संस्कृत नाटक भी प्रस्तुत किया। समापन दिवस के मुख्यातिथि श्री दिनेश कामत जी, महामंत्री, अखिल भारतीय संस्कृत संगठन थे। इसके अतिरिक्त इस सुअवसर पर श्री श्रेयांश द्विवेदी, कुलपति, महर्षि बाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय तथा श्री जयप्रकाश, उत्तरपूर्वी क्षेत्र के संगठन मंत्री सहित कई विद्वान उपस्थित थे।

## गणित विभाग

डॉ. अर्पणा गर्ग, विभागाध्यक्षा, गणित विभाग के निर्देशन में सत्र 2018-19 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सत्र के प्रारम्भ में B.Sc. व M.Sc. (Maths) में नवागन्तुक विद्यार्थियों के लिए Freshers' Party आयोजित की गई।

11 अगस्त 2018 को विभाग द्वारा 'गणितीय रंगोली प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इसी दिन गणित विषय पर आधारित पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

अंतर्महाविद्यालय गणितीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन 20 अगस्त 2018 को किया गया जिसमें 13 महाविद्यालयों के 26 विद्यार्थियों ने समभागिता की। इस अवसर पर निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. रविकांत, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, एस.डी. कॉलेज; श्री सतीश गोयल, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, आई.बी. कॉलेज व श्रीमती सरिता, विभागाध्यक्षा, गणित विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, करनाल थे। इसी दिन अंतर्महाविद्यालय पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें 10 महाविद्यालयों के 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

"History/ Achievements of Mathematicians" विषय पर Power Point Presentation Competition का आयोजन 17 सितंबर 2018 को किया गया।

डॉ. अर्पणा गर्ग ने "Groups and Rings" नामक पुस्तक प्रकाशित करवाई। उन्होंने MCM DAV College, Chandigarh द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "Unique Form of Generator of Repeated Roots Cyclic Codes Over the Ring of Integers Modulo $2^m$" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विभाग की प्राध्यापिका प्रो. कनक शर्मा ने साऊथ ऐशियन यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली द्वारा 21-23 जनवरी 2019 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में "A Novel Defect Correction Scheme for Singularly Perturbed Convection Diffusion Problems" नामक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

## रसायन विभाग

रसायन विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर रंजना शर्मा के नेतृत्व में विभाग ने डॉ. कलाम के जन्मदिन की उपलक्ष्य में निबंध लेखन व पोस्टर बनाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

विभाग के विद्यार्थियों ने हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर सांईस एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता में अर्हता प्राप्त की।

Haryana State Council for Science and Technology द्वारा आर्य कॉलेज में आयोजित प्रश्नोत्तरी में विभाग की दो टीमों ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद ईशाक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के रसायन विभाग के Board of Study के सदस्य बने।

## वनस्पति शास्त्र विभाग

वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. निधान सिंह ने "A Field Guide to Flowering Plants of the Mekal Hills, Central India" नामक पुस्तक प्रकाशित करवाई।

एक अन्य पुस्तक में इनका Some Himalayan Wild Flowers with Horticultural Potential नामक अध्याय भी प्रकाशित हुआ।

इसके अतिरिक्त इनके दो शोध पत्र भी प्रकाशित हो चुके हैं व एक अन्य शोध पत्र Rediscovery of Calanthe Davidii (orchidaceae) from Western Himalaya (Himachal Pradesh, India) after a Century प्रकाशन हेतु स्वीकृत हो गया है।

इन्होंने 28 सितंबर 2018 से 1 अक्टूबर 2018 तक जयपुर, राजस्थान में Department of Biotechnology, Govt. of India तथा British Council and Centre of Excellence in Science and Mathematics Education, IISER, Pune द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित STEM Teacher Training Workshop on Research Based Pedagogical Tools (Level 1) में समभागिता की।

वे ASP College, Devrukh, Maharashtra के वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वार्ता हेतु आमंत्रित किए गए। इन्होंने इस कांफ्रेंस के साथ-साथ इस महाविद्यालय के बी.एससी. के विद्यार्थियों को व्याख्यान भी दिया।

## भौतिकी विभाग

भौतिकी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सोनिया के नेतृत्व में महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. श्याम कुमार, Dean Faculty of Sciences and Dean Faculty of Engineering and Technology of Kurukshetra University, Kurukshetra, ने Particle Physics के बारे में अपने विचार प्रेषित किए।

भौतिकी विभाग द्वारा सितंबर 2018 में विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजयी छात्र-छात्राओं को ट्राफी व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

बी.एससी. के दो विद्यार्थियों ने पंडित चिरंजीलाल शर्मा गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, करनाल में आयोजित प्रदर्शनी में 'Swachh Bharat with e-bin' विषय पर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर सोनिया ने नवंबर 2018 में मारकण्डा नेशनल कॉलेज, शाहबाद मारकण्डा में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में The importance of Nanotechnology विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इन्होंने फरवरी 2019 में हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत में आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में The Wonderful World of Carbon Nanotubes विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मार्च 2019 में दयाल सिंह कॉलेज, करनाल में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में इन्होंने Effect of Mobile Phone Radiation on Health नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

## कंप्यूटर सांईस विभाग

प्रोफेसर अश्वनी गुप्ता ने 7 सितंबर 2018 को D.B.G. Govt. College, Panipat में STARTUP INDIA पर एकदिवसीय Orientation Workshop में भाग लिया।

इन्होंने एस. डी. कॉलेज, पानीपत में 10 अगस्त 2018 को हारट्रोन द्वारा आयोजित STARTUP INDIA - LOGISTICS & IMPLEMENTATION विषय पर एक दिवसीय शिविर में समभागिता की।

31 जनवरी 2019 को IIT, MUMBAI के सहयोग से एस.डी. कॉलेज, पानीपत में Spoken Tutorials पर एक दिवसीय कार्यशाला में भी इन्होंने भाग लिया।

27 सितंबर 2018 को STARTUP Project - An Initiative by Hon'ble Prime Minister Sh. Narender Modi विषय पर विभाग द्वारा बी.एससी. तथा बी.सी.ए. के विद्यार्थियों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

विभाग की सहायक प्राध्यापिका श्रीमती नीतू भाटिया ने क्रमश: 30 मार्च को Image Resolution Enhancement Using CBIR व 31 मार्च को Content Based Image Retrieval and Its Techniques पर दो शोध पत्र प्रस्तुत किए ।

इन्होने RTCAIT में A Comparative Analysis of Existing Satellite Image Enhancement Techniques for Effective Visual Display नामक शोधपत्र प्रकाशित करवाया।

## वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन हेतु सत्रारंभ में 4 अगस्त 2018 को प्रोफेसर अजयपाल सिंह व प्राध्यापिका माधवी के नेतृत्व

में Commerce Association बनाई गई। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 5 सितंबर 2019 को शिक्षक दिवस मनाया गया।

तीज व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 11 अगस्त को मेहंदी, पेंटिंग व Hand Painting प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजयी छात्र-छात्राओं को तत्कालीन प्राचार्या डॉ. मधु शर्मा द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

1 सितंबर 2018 को Commerce Fest का आयोजित किया गया। जिसमें गायन व नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

28 व 29 सितंबर 2018 को क्रमशः बी.कॉम. व एम. कॉम. के नव प्रविष्ट छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी आयोजित की गई।

3 अक्टूबर 2018 को श्री बिन्नी राठी, Office Head of Max Life Insurance, Panipat ने "Investors' Awareness" विषय पर व्याख्यान देकर प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को लाभान्वित किया।

गीता इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, नौलथा की रजिस्ट्रार श्रीमती प्रेरणा ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु "Personality Development" नामक विषय पर अपने विचार प्रकट किए।

4 अप्रैल 2019 को वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. व एम. कॉम. फाईनल के विद्यार्थियों को रंगारंग कार्यक्रम के द्वारा विदाई दी गई।

डी.ए.वी.(पी.जी.) कॉलेज, करनाल द्वारा 2 मार्च 2019 को एक दिवसीय सेमिनार में प्रोफेसर अजयपाल सिंह ने "Issues and Challenges of Microfinance in India" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जय राम कॉलेज, लोहार माजरा, कुरुक्षेत्र द्वारा क्रमशः 24 जनवरी व 26 मार्च 2019 को आयोजित एक दिवसीय दो सेमिनारों में प्रोफेसर अजयपाल सिंह ने दो शोधपत्र क्रमशः Digital Payments in India -An Overview तथा Road Accidents in India- Causes and Prevention प्रस्तुत किए।

प्राध्यापिका माधवी ने HRDC, Panjab University, Chandigarh द्वारा 1 मई 2018 से 28 मई 2018 तक आयोजित Orientation Programme में सफलतापूर्वक समभागिता की।

इन्होंने 8 जनवरी 2019 को डी.ए.वी. (पी.जी.) कॉलेज, अम्बाला शहर द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में Changing Scenario of HRM India पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। डॉ. पूनम मदान व सुश्री निशा गुप्ता ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के बी.कॉम. व जम्मू विश्वविद्यालय के बी.बी.ए. के पाठ्यक्रम पर आधारित Rural Marketing नामक पुस्तक प्रकाशित करवाई।

विभाग की सहायक प्राध्यापिका श्रीमती नेहा रानी ने New Challenges in Management and Business नामक पुस्तक में Customer Relationship Management पर एक अध्याय लिखा तथा विभाग की सहायक प्राध्यापिका श्रीमती सुमन कुण्डू ने Green Marketing नामक शोधपत्र प्रकाशित करवाया।

## छात्र कार्यकारिणी परिषद

सत्र 2018-19 में महाविद्यालय में तत्कालीन प्राचार्या डॉ. मधु शर्मा व सभी प्राध्यापकगणों के सहयोग से छात्र संघ का चुनाव करवाकर छात्र कार्यकारिणी परिषद गठित की गई। इस परिषद के प्रधान पद पर सत्यम् अरोड़ा (बी.कॉम., तृतीय वर्ष), उपप्रधान पद पर सावन (बी.ए., प्रथम वर्ष), महासचिव पद पर रिलेश मलिक (बी.कॉम., तृतीय वर्ष) व सचिव के पद पर नेहा (बी.ए., द्वितीय वर्ष ) ने चुनाव में विजय प्राप्त की।

## हमारा संकल्प

निःसंदेह आई.बी. महाविद्यालय ने समाज में अपनी अमिट पहचान बना ली है किन्तु समयानुसार सर्वपक्षीय विकास हेतु महाविद्यालय की प्रबंध समिति, प्राचार्य, प्राध्यापक-गण तथा गैर शिक्षक कर्मचारी अभी भी दृढ़ संकल्पित हैं।

महाविद्यालय की पत्रिका 'इंद्रगुंजन' के प्रकाशन में सहयोग के लिए सभी का आभार।

अनन्य शुभकामनाओं सहित।

**प्रोफेसर नीलम**

## श्रद्धांजलि

शोक का विषय है कि विगत दो सत्रों में निम्नलिखित आत्मीयजनों का वियोग सहन करना पड़ाः-

- श्री पूर्ण लाल बंगा (जीजा, प्रोफेसर पी.के. नरूला, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग)
- श्रीमती स्नेह लता (भाभी, डॉ. रामेश्वर दास, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग)
- श्रीमती पूनम पुजारा (सास, डॉ. अर्पणा गर्ग, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग)
- श्री राजेश वधवा (भाई, डॉ. विनय वधवा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग)
- श्री लाल चन्द (माली)

**इन्द्रगुंजन परिवार सभी दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है।**

# Glimpses of the Talent Search Competition and Zonal Youth Festival

ONAL YOUTH FESTIVAL
41वां क्षेत्रीय युवा समारोह
(करनाल जोन)

# Glimpses of the Activities of the Dept. of Biosciences

B.Sc. Medical Students during a Plant Collection Tour to Lansdowne, Pauri Garhwal, Uttrakhand, October 2018

Felicitation of the Winners of Life Sciences Quiz Organized by Biological Association during the session

B.Sc. Medical Students during One-Day Local Trip to Yamuna River for Plant Disease Survey and Collection with Dr. Nidhan Singh

Dr. Nidhan Singh with B.Sc. Medical Students during Local Plant Collection Tour to Yamuna River (March 2019)

# A View of N.C.C. Activities

N.C.C. Girls (Cultural Programme Winners and 2nd Position in Kho–Kho) in CATC Camp at Rishikul School, Sonipat in June, 2018

N.C.C. Boys (2nd Prize in Tug–of–war and Football) in CATC Camp at Rishikul School, Sonipat in June, 2018

(Swach Bharat Yatra, 50 kms cycling) N.C.C. Cadets Receiving certificates from Hon'ble Vice-chancellor of DCRUST, Murthal in January 2019

Winners of Cultural Programme in II N.C.C. Festival 2019 at G.V.M. College, Sonipat

# A View of N.S.S. Activities

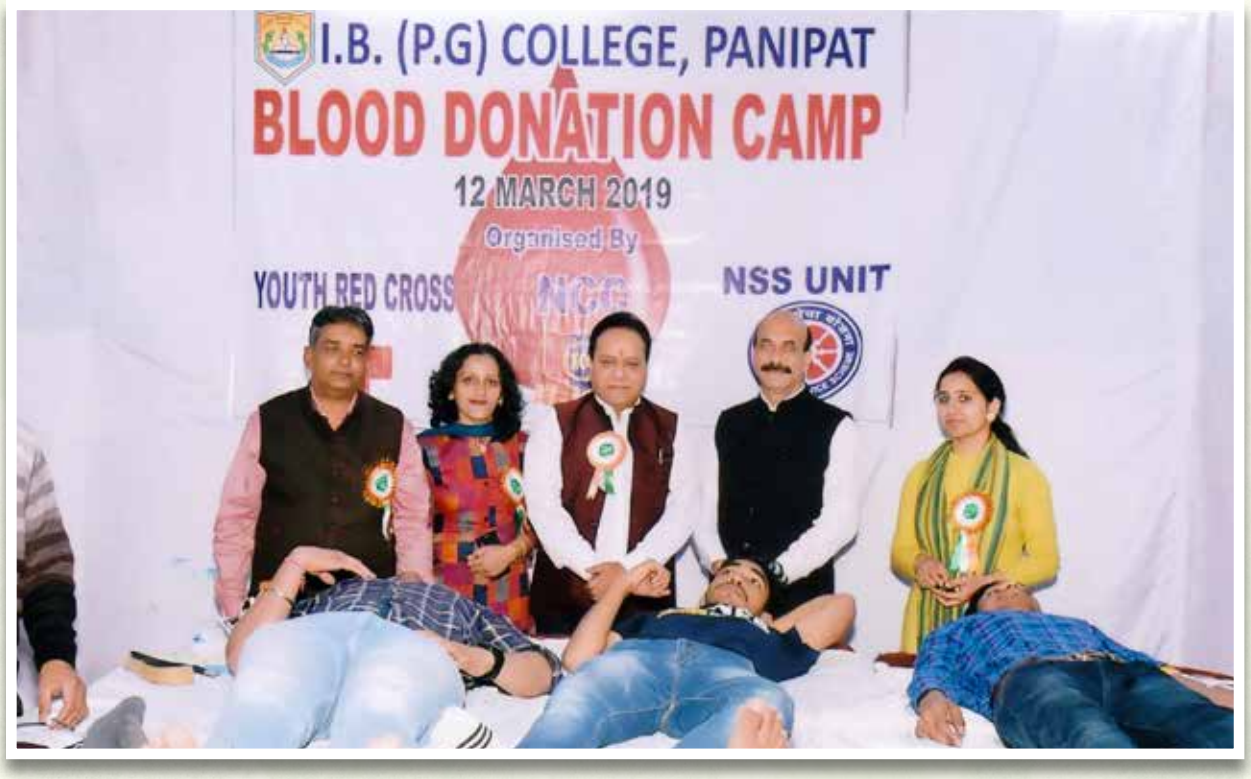


रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देते डा. मोहम्मद इशाक, प्रो. सोनिया (यूथ रेड क्रॉस प्रभारी), डा. बी.बी. शर्मा (मुख्य अतिथि), प्रो. पी.के. नरूला (अध्यक्ष, अर्थ–शास्त्र विभाग), एवं प्रो. कनक शर्मा (यूथ रेड क्रॉस समिति सदस्या)

महाविद्यालय परिसर में पौधा-रोपण सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के साथ पौधारोपण करते प्रो. पी.के. नरूला तथा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रो. अतुल आहुजा

सात दिवसीय विशेष शिविर में गाँव खोतपुरा में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की प्रचार रैली निकालते हुए। स्वयं सेवकों का साथ देते हुए गाँव के सरपंच श्री विनोद सन्धु व प्रो. निशा गुप्ता

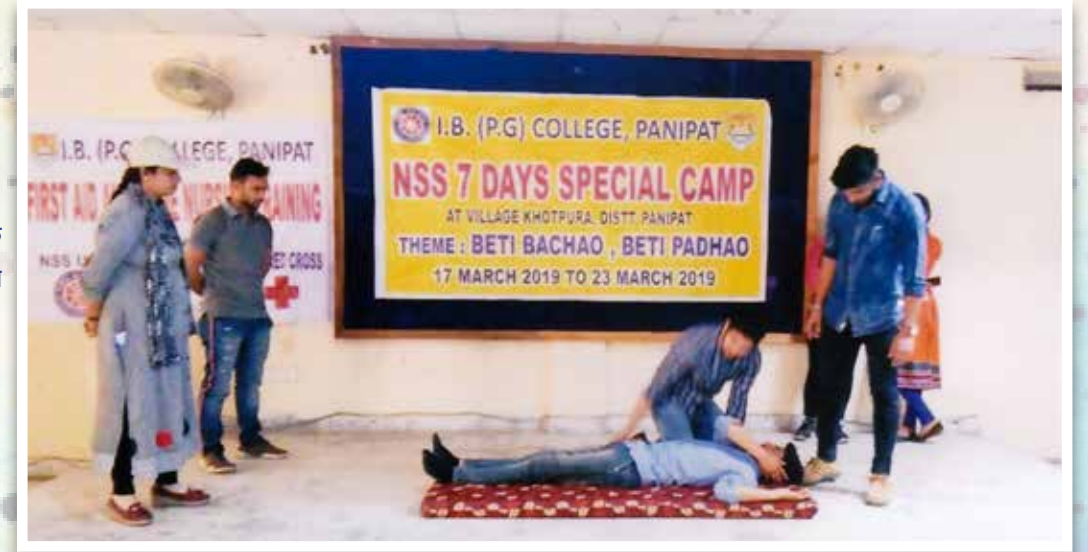


शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण लेते हुए

दान उत्सव के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक हॉली पार्क के निकट झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाले गरीब बच्चों को स्टेशनरी की वस्तुएँ बाँटते हुए

# विदाई के स्मरणीय पल

श्रीमती आशा अग्रवाल, अध्यक्षा, संगीत विभाग (30.10.2017)

श्री ब्रह्म सिंह, लैब अटेन्डेन्ट, वनस्पति विज्ञान विभाग (30.06.2018)

डॉ. राजकुमारी शर्मा, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग (31.08.2018)

श्री महेन्द्र शर्मा, लैब–अटेन्डेन्ट, भौतिकी विभाग (31.12.2018)

श्री राम प्रसाद, लैब अटेन्डेन्ट वाणिज्य विभाग (30.04.2019)

# The Upcoming Huge Building of the Science and Administrative Blocks of the College

# UNFORGETTABLE MOMENTS

Ms. Sumedha Kataria, the Deputy Commissioner of Panipat, honouring Dr. Arpana Garg (Women Cell Incharge of the college) for extending excellent contribution during Pinkathon Race (held on 8th March 2019) which has found a place in the Guinness Book of World Records

Sh. Manohar Lal Khattar, the honourable Chief Minister of Haryana, giving away an Offer Letter to our college student Anshu during the Job Fair held in Karnal on January, 27-28 2019

# OUR BRILLIANT STARS

**Rohit Kumar**
1st Position in University
B.C.A. (III )

**Divya**
1st Position in University
B.B.A. (II)

**Reena**
1st Position in University
M.A.Hindi (Final)

**Ritu Rani**
2rd Position in University
M.A. Hindi (Final)

**Ritu**
3rd Position in University
M.A. Hindi (Previous)

**Shruti**
5th Position in University
B.B.A. (II)

**Riya**
15th Position in University
B.B.A. (II)

**Nidhi Rawal**
7th Position in University
M.A. English (I Sem.)

**Dimple**
92% in
B.Sc. III (Non-Medical)

**Komal**
89.81% in
B.Sc. III (Non-Medical)

**Anjana Saini**
92.4% in
B.Sc. III (Medical)

**Pratiksha Panday**
91.37% in
B.Sc. III (Medical)

**Pooja**
Winner in Duet Dance
During NCC Fest 2019 at
GVM College, Sonipat (NCC)

**Manpreet**
Winner in Tug of War
During NCC Fest-2019 at
GVM College, Sonipat (NCC)

**Sakshi**
Winner in Duet Dance
During NCC Fest-2019
at GVM College, Sonipat (NCC)

**Anil**
Gold in 400 mtr at
CATC NCC Camp (NCC)

**Komal Kharb**
2nd in 100 mtr race
3rd in 200 mtr race at
CATC Camp at Kanipla (NCC)

**Diksha**
2nd Position in Group Dance
During CATC NCC Camp
Rishikul, Sonipat (NCC)

**Sudhanshu Dubey**
Winner of Speech Competition
During NCC Camp at
GVM College, Sonipat (NCC)

**Sandeep**
Gold in 200 mtr
CATC NCC Camp (NCC)

**Kanika**
2nd in Speech Competition
at Arya College Training Camp
(Youth Red Cross Club)

**Simran**
2nd in Group Dance at
Arya College Training Camp
(Youth Red Cross Club)

**Sonia**
2nd in Group Dance at
Arya College Training Camp
(Youth Red Cross Club)

**Anjali**
2nd in Group Dance at
Arya College Training Camp
(Youth Red Cross Club)

**Sidharth**
Ist Position with Trophy
at Shri Anant Prem Ashran
Nangli Bela, Haridwar Training Camp
(Youth Red Cross Club)


**IB (PG) COLLEGE, PANIPAT**
G.T. Road, Panipat - 132103, Haryana
Tel.: 0180-2636700, 2638259 | Email: college@ibleducation.com



093541 01541
Design-n-print